ARBiT

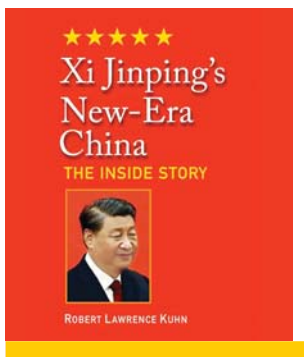
जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



Understanding Xi Jingping's...

Understanding China's political system requires understanding how the Party implements its leadership through its hierarchical system

From Purple Carrots To Seedless Bananas

Why Water Is the Number One Enemy of Dhakai Jamdani

संसद का विशेष सत्र, मानसून सत्र जारी रखते हुए 30 नवंबर को आहूत

सरकार ने अंततोगत्वा, ''डीलिमिटेशन विधेयक'' पारित कराने का रिस्क उठाने का निर्णय लिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। सरकार ने आखिरकार एक बड़ा और मुश्किल कदम उठाने का फैसला कर लिया है।

संसद के मानसून सत्र को आगे बढ़ाते हुए सोमवार, 30 नवंबर को संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है।

इसका एजेंडा जाहिर तौर पर परिसीमन विधेयक है।

चूंकि यह संविधान संशोधन विधेयक है, इसलिए सरकार को इसे पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत है, जो पिछली बार संख्या बल के हिसाब से उसके पास नहीं था।

इस पूरी कवायद के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह पिछले कुछ महीनों से विशेष सत्र बुलाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन हार के डर और पर्याप्त संख्या बल नहीं होने के कारण यह मामला टलता रहा।

- यह संविधान संशोधन विधेयक है, इसे पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत चाहिए और भाजपा के रणनीति विशेषज्ञ, अमित शाह पिछले कई महीनों से यह दो-तिहाई का आंकड़ा प्राप्त करने के लिए प्रयासरत थे।
- भाजपा के लिए, ''डीलिमिटेशन विधेयक'' अभी ही पास करना जरूरी था अन्यथा भाजपा 2029 का आम चुनाव नई डीलिमिटेशन के अनुसार परिवर्तित सीटों पर नहीं करा पाती।
- कांग्रेस ने इस मुद्दे पर संसद में अपनी रणनीति तय करने के लिए बैठक बुलाई है।

सरकार, ममता बनर्जी का साथ छोड़ चुके तृणमूल सांसदों, एनसीपी और अन्य दलों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है। लेकिन इसमें सबसे अहम भूमिका डीएमके की है, जिसकी सरकार को सख्त जरुरत है।

सरकार के पास अब समय कम होता जा रहा है। यदि वह परिसीमन विधेयक अभी पारित नहीं करा पाती है, तो 2029 के लोकसभा चुनाव नए परिसीमन के आधार पर कराना मुश्किल हो सकता है।

इसके साथ ही, सरकार 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करने जा रही है।

यह एक पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया है, लेकिन भाजपा को उम्मीद है कि इससे उसे राजनीतिक फायदा मिलेगा, क्योंकि वह अपने राजनीतिक हितों के हिसाब से चुनावी नक्शे को फिर से तैयार करना चाहती है।

कांग्रेस कल अपने संसदीय रणनीति समूह की बैठक करेगी, जिसमें विशेष सत्र और सरकार की संभावित रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

और संसद के शीतकालीन सत्र का क्या होगा? यह सवाल अभी अनिश्चित बना हुआ है।

इसके बाद बजट सत्र का क्या होगा?

सरकार का पूरा ध्यान परिसीमन पर इतना ज्यादा केन्द्रित है कि उसने बाकी सभी मुद्दों और सवालों को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया है।

शीतकालीन सत्र बुलाने के लिए 14 दिन का नोटिस देना जरूरी है, जबकि विशेष सत्र एक सप्ताह से भी कम समय के नोटिस पर बुलाया जा सकता है।

भू-रूपांतरण के बदले रिश्वत लेने वाले को 3 साल की सजा

जयपुर, 26 नवंबर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने कृषि भूमि का भू-रूपांतरण कर उसे आवासीय में बदलने के बदले रिश्वत लेने वाले शाहपुरा तहसील के तत्कालीन कनिष्ठ सहायक जितेन्द्र कुमार को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

- शाहपुरा तहसील के कनिष्ठ सहायक को रिश्वत लेते हुए एसीबी ने रंगे हाथ पकड़ा था।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम ने अदालत को बताया कि परिवादी अरविंद यादव ने 4 जनवरी, 2022 को एसीबी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि उसकी शाहपुरा तहसील के बिलान्दरपुर में बीस एकड़ भूमि है, जिसे आवासीय में परिवर्तन कराने के लिए वह कनिष्ठ सहायक जितेन्द्र कुमार से मिला था। इस दौरान जितेन्द्र कुमार ने उसके भतीजे से भू-रूपांतरण कराने के बदले 65 हजार रुपए मांगे। इस दौरान अभियुक्त जितेन्द्र कुमार ने काम नहीं होने का भय दिखाकर उससे 45 हजार रुपए भी ले लिए। इस राशि में से 25620 रुपए की रसीद अभियुक्त ने दे दी। रिपोर्ट में कहा गया कि अभियुक्त बीस हजार रुपए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी में रोचक ''पोस्टर युद्ध'' शुरु, चुनाव की तैयारी में

भाजपा के पोस्टर, सपा क शासन के ''गुंडाराज'' का स्मरण करा रहे हैं तथा योगी आदित्यनाथ की सरकार, कानून व्यवस्था बेहतर होने का दावा कर रही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक दलों के बीच पोस्टरों की एक रंगीन जंग छिड़ गई है। राजनीतिक दल जनता के बीच अपनी बात और अपनी छवि को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा के पोस्टरों में एक तरफ समाजवादी पार्टी के शासनकाल के पुराने दौर की तस्वीरें हैं, जिनमें गुंडाराज, नकदी और बाहुबल को दिखाया गया है। दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन में बेहतर कानून-व्यवस्था और विकास के दावे किए जा रहे हैं।

भाजपा के हाल के कुछ पोस्टरों में सपा-कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर चल रही बातचीत का मजाक उड़ाया गया है। इनमें अखिलेश यादव और राहुल गांधी के बीच कार्टून के जरिए मुक्केबाजी दिखाई गई है। वहीं, कुछ अन्य पोस्टरों में धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल करते हुए, नेताओं को देवी-देवताओं के रूप में दिखाया गया है या ''राधे-राधे, कमल खिला दे'' जैसे नारे लिखे गए हैं। भाजपा कार्यालयों के पास लगे कुछ पोस्टरों में सपा शासनकाल के दौरान 1990 में कारसेवकों पर हुई गोलीबारी जैसी ऐतिहासिक घटनाओं का भी जिक्र किया

- भाजपा के पोस्टरों में 1990 में कार-सेवकों पर सपा द्वारा कराई गई फायरिंग का चित्रण है।
- सपा के पोस्टर में यह कटाक्षपूर्ण मैसेज प्रदर्शित है, ''जो बुलडोज़र के साथ आए हैं, वे साईकिलों पर रवाना होंगे।''
- कांग्रेस के पोस्टरों का मैसेज है, ''दो सौ सीट पाने का हमारा जायज़ अधिकार है।''
- रायबरेली में लगे पोस्टरों में ओवैसी व चंद्रशेखर के नवगठित सामाजिक परिवर्तन मंच को भाजपा की ''बी-टीम'' के रूप में दर्शाया गया है।
- बसपा के पोस्टर ने जनता को संदिग्ध दलालों से सावधान रहने की बात दर्शित की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आप से भाजपा में आए सांसदों का पूर्ण उपयोग कर रही है, पार्टी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। पंजाब भाजपा, जिसने अन्य दलों के नेताओं के लिए अपने दरवाजे खुले रखे हैं, ने राज्य विधानसभा चुनावों से पहले इन नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपने का फैसला किया है। पार्टी न केवल आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में आए कुछ राज्यसभा सांसदों को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है, बल्कि उन्हें चुनाव से जुड़ी अहम जिम्मेदारियां भी दे रही है।

इन सात सांसदों में से कुछ को राज्य की 13 लोकसभा सीटों में से खास सीटें चुनने को कहा गया है। इन सीटों के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी जाएगी।

इस साल अप्रैल में आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से सात भाजपा में शामिल हो गए थे। इनमें राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, अशोक कुमार मित्तल, विक्रमजीत साहनी और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं।

- इन सांसदों को इस बात से भी आगाह किया गया है कि उनका भाजपा में भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि उनको जिन सीटों की जिम्मेवारी सौंपी गई है, उन सीटों पर विधानसभा चुनाव में क्या नतीज़ा रहा।

स्वाति मालीवाल दिल्ली से राज्यसभा सांसद हैं, जबकि बाकी छह सांसद आप के टिकट पर पंजाब से राज्यसभा के लिए चुने गए थे।

इनमें से संदीप पाठक को भाजपा ने राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान, पाठक ने आप के राष्ट्रीय संगठन सचिव के रूप में उम्मीदवारों के चयन में अहम भूमिका निभाई थी। सूत्रों के अनुसार, आज भी आप के मौजूदा विधायकों के साथ उनके करीबी संबंध हैं और वे उनमें से कई को भाजपा में शामिल कराने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

भाजपा हरभजन सिंह और राघव चड्ढा जैसे सांसदों को चुनाव प्रचार में उतारने की भी योजना बना रही है। वहीं अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत साहनी को चुनाव प्रबंधन की अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

भाजपा ने आगामी चुनावों के लिए बनाई गई विभिन्न समितियों में भी इन सांसदों को शामिल किया है। राघव चड्ढा, हरभजन सिंह और राजिंदर गुप्ता को घोषणापत्र समिति का सदस्य बनाया गया है।

पंजाब भाजपा ने दूसरे राजनीतिक दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल कराने के लिए एक जॉइनिंग कमेटी भी बनाई है। आप के नेताओं के साथ अच्छे संबंध रखने वाले संदीप पाठक को इस समिति का सदस्य बनाया गया है। पाठक को संभावित उम्मीदवारों को चिन्हित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए वे फिलहाल सर्वे करा रहे हैं।

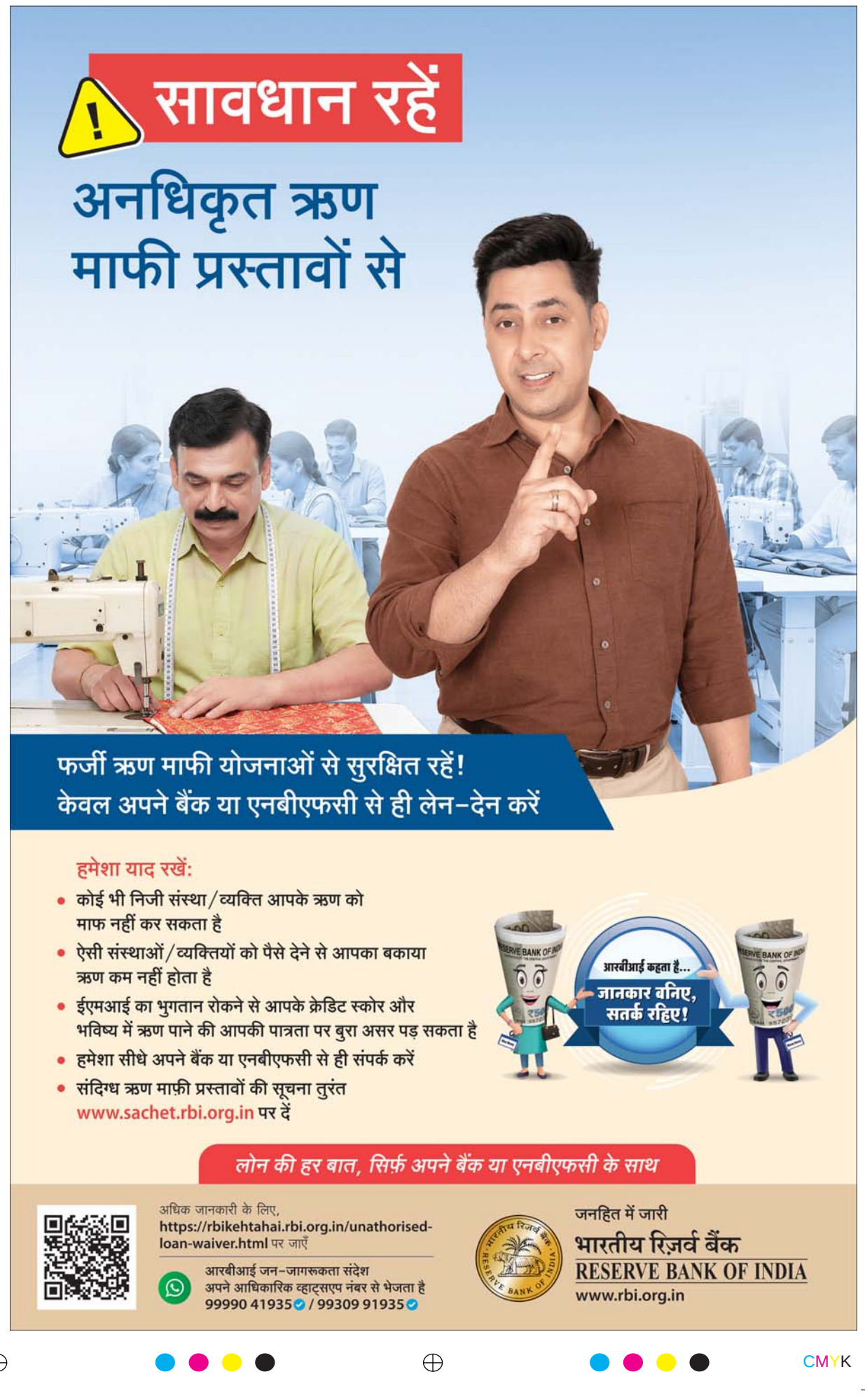
(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असि. प्रोफेसर कॉलेज भर्ती परिणाम जारी करने से रोक हटी

जयपुर, 26 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कॉलेज शिक्षा के लिए तीस विषयों के लिए निकाली गई असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती- 2025 का अंतिम परिणाम जारी करने पर लगी अपनी रोक को हटा लिया है। इसके साथ ही, अदालत ने याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश देते हुए जारी होने वाले परिणाम को याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रखा है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश संजय व अन्य की ओर से

- आरपीएससी ने हाई कोर्ट में परिणाम जारी करने पर लगी रोक को हटाने का प्रार्थना पत्र पेश किया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)



क्या जेनसेन हुआंग की वापसी एआई पर पूर्ण भरोसा न होने का प्रमाण है?

यह इस बात का भी सबूत है कि कॉर्पोरेट जगत में अभी भी व्यक्तिगत संबंध सबसे ज्यादा मायने रखते हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। एनवीडिया के सीईओ के रूप में जेन्सेन हुआंग की वापसी, आर्टिफिशल इंटेलिजैंस में भरोसे की कमी को साफ तौर पर दर्शाती है। चार ट्रिलियन डॉलर के बाजार मूल्य वाली दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी में हुआंग को फिर से सीईओ बनाया गया है।

एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग को एक चीनी महिला के साथ अफेयर चलाते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया था। वह महिला सिंगापुर की एक टैक्नॉलजी कंपनी की प्रमुख होने का दावा कर रही थी। यह चीनी जासूस, एलिस हुआंग सिंगापुर में मेगास्पीड नाम से एक टैक्नॉलजी कंपनी चला रही थी।

चीनी जासूस के साथ अपने संबंधों का खुलासा होने के बाद, जेन्सेन हुआंग ने अपने कार्यकारी पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन डॉनल्ड ट्रंप ने दखल देकर जेन्सेन हुआंग की दोबारा नियुक्ति करवाई। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स ने पहले स्पष्ट रूप से कहा था कि उनकी वापसी नहीं होगी, लेकिन बाद में बोर्ड को अपना फैसला बदलना पड़ा।

राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में आकर बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स ने खुद ही हुआंग की सीईओ के रूप में वापसी की घोषणा की। माना जा रहा था कि यदि हुआंग वापस नहीं आते, तो एनवीडिया के बाजार मूल्य पर असर पड़ता और इसके साथ ही पूरा अमेरिकी पूंजी बाजार नीचे आ जाता।

- शर्म आती है सुनकर, कि ट्रंप को भी व्यक्तिगत रूप से हुआंग की वापसी से 15 मिलियन डॉलर का लाभ हुआ।

लेकिन अब सवाल यह उठ रहा है कि यदि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, यानी एआई के उत्पाद इतने शक्तिशाली और प्रभावी हैं, तो फिर हुआंग जैसे सीईओ की इतनी जरूरत क्यों थी? एनवीडिया के इस दिग्गज सी.ई.ओ. ने जो नतीजे दिए, क्या वे ए.आई. मॉडल और टूल के जरिए हासिल नहीं किए जा सकते थे? आखिर जेन्सेन हुआंग की इतनी ज़रुरत क्यों थी?

असल में राजनीतिक आकाओं के निजी हित सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

नम्रता और खुदा के खौफ से इज्जत और जिन्दगी मिलती है। –सुलेमान

राजस्थान हेरिटेज को बचाना है तो हवेलियों को पुनर्जीवित करना होगा

राजस्थान की पहचान केवल रेगिस्तान, किलों, महलों और झीलों से नहीं है। यह प्रदेश अपनी हवेलियों, उनकी भित्तिचित्र कला, जालीदार खिड़कियों, बड़े आँगनों, नक्काशीदार दरवाजों और स्थानीय वास्तुकला के कारण भी विश्व में अलग पहचान रखता है। शेखावाटी, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर और उदयपुर जैसे क्षेत्रों की हवेलियाँ केवल पुराने निर्माण नहीं हैं; ये व्यापार, संस्कृति, सामाजिक जीवन, कला और स्थापत्य की जीवंत गवाह हैं। लेकिन आज इनमें से अनेक हवेलियाँ उपेक्षा, जीर्ण-शीर्णता, विरासत के अधिकारों में विवाद, बदलती जीवनशैली और व्यावसायिक दबाव के कारण खतरे में हैं। राजस्थान की विरासत को वास्तव में बचाना है, तो हवेलियों को केवल संग्रहालय बनाकर बंद कर देना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें जीवित रखने के लिए उनका पुनर्जीवन आवश्यक है, ताकि वे फिर से लोगों के जीवन, आजीविका और सांस्कृतिक गौरव से जुड सकें।

हवेली शब्द केवल एक बड़े घर के लिए प्रयोग नहीं होता। राजस्थान की हवेलियाँ सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक इतिहास के जीवंत दस्तावेज हैं। शेखावाटी की हवेलियों में व्यापारियों की समृद्धि, उनकी यात्राएँ, धार्मिक आस्था, स्थानीय रीति-रिवाज और कलात्मक संवेदनशीलता दिखाई देती है। दीवारों पर बने चित्रों में कृष्ण लीला, रामायण, रामायण के पात्र, राजा-महाराजा, अंग्रेजी शासन के दृश्य, रेलगाडियाँ, हवाई जहाज, विदेशी शहर और तत्कालीन समाज के अनेक पहलू दिखाए गए हैं। ये चित्र केवल सजावट नहीं हैं; ये उस युग की सोच, आकांक्षाओं और सांस्कृतिक परिवर्तन को दर्शाते हैं।

हवेलियों की वास्तुकला भी अत्यंत विशिष्ट है। आँगन, बारादरी, झरोखे, चौक, बैठक, रसोई, भंडारगृह, सीढ़ियाँ, छत और द्वार-हर हिस्सा अपने समय की जीवनपद्धित को दर्शाता है। गर्मी से बचाव के लिए मोटी दीवारें, हवा के संचार के लिए झरोखे, धूप और छाया के उपयोग हेतु आँगन तथा वर्षा जल के प्रबंधन हेतु विशेष ढाँचे इन इमारतों में प्रयोग हुए हैं। इस दृष्टि से हवेलियाँ परंपरागत ज्ञान, पर्यावरण के अनुकूल निर्माण और स्थानीय शिल्प कौशल का अमूल्य भंडार हैं। इन्हें ढहाने या आधुनिक संरचनाओं से बदलने का अर्थ केवल पुरानी इमारत खोना नहीं, बल्कि एक पूरी सभ्यता की स्मृति मिटाना है।

राजस्थान की अनेक हवेलियाँ आज गंभीर संकट से गुजर रही हैं। सबसे बडा कारण उपेक्षा है। जिन हवेलियों में पहले परिवार रहते थे, वहाँ अब लोग नहीं रहते। पलायन, शहरों की ओर प्रवास, परिवारों का बँटना और संयुक्त परिवार प्रणाली का कमजोर होना इन इमारतों को खाली करता गया है। खाली भवनों में रखरखाव नहीं होता, छतें टपकती हैं, दीवारों में नमी घुसती है, लकड़ी के दरवाजे और खंभे कीट से प्रभावित होते हैं तथा भित्तिचित्र धीरे-धीरे मिटते जाते हैं।

दूसरा कारण विरासत संपत्ति के अधिकारों को लेकर पारिवारिक विवाद हैं। कई हवेलियों में अनेक उत्तराधिकारी होते हैं, जिससे निर्णय लेना कठिन हो जाता है। कोई रखरखाव करने को तैयार नहीं होता, कोई भवन को बेचना चाहता है और कोई उसे व्यावसायिक उपयोग में लाना चाहता है। इस अनिश्चितता के बीच हवेली बिना देखभाल के छूट जाती है। शेखावाटी के सीकर जिले में ही 272 हवेलियों में 10 हवेलियाँ विवाद के दायरे में बताई गई हैं, जबकि 46 जर्जर अवस्था में हैं। यह आँकड़ा बताता है कि समस्या केवल पैसे की नहीं, बल्कि स्वामित्व, जिम्मेदारी और प्रशासनिक समन्वय की भी है।

तीसरा कारण भूमि और व्यावसायिक दबाव है। शहरों का विस्तार, दुकानों और वाणिज्यिक परिसरों की माँग, तथा नए निर्माण की लालसा पुरानी हवेलियों को खतरे में डालती है। कुछ स्थानों पर हवेलियों को तोड़कर आधुनिक भवन बनाए जा रहे हैं। इससे न केवल ऐतिहासिक इमारत समाप्त होती है, बल्कि पूरे मोहल्ले का चरित्र भी बदल जाता है। जब एक-एक हवेली गिरती है, तो उसके साथ स्थानीय पहचान, पर्यटन की संभावना और पीढ़ियों का ज्ञान भी समाप्त होता है।

चौथा कारण यह है कि संरक्षण को अक्सर केवल सरकार का काम मान लिया जाता है। वास्तव में हवेलियों का संरक्षण साझा जिम्मेदारी है। सरकार, स्थानीय निकाय, स्वामी, व्यापारिक संस्थाएँ, पर्यटन उद्योग, कारीगर, विशेषज्ञ और स्थानीय समाज-सभी को मिलकर काम करना होगा। बिना स्थानीय भागीदारी के कोई भी योजना दीर्घकालिक सफल नहीं हो सकती।

हवेलियों का पुनर्जीवन केवल पुरानी दीवारों की मरम्मत नहीं है। इसका अर्थ है हवेली को उसकी मूल पहचान बनाए रखते हुए एक उपयोगी, सुरक्षित और आर्थिक रूप से टिकाऊ इकाई बनाना। एक खाली और जर्जर हवेली को हेरिटेज होमस्टे, बुटीक होटल, संग्रहालय, कला दीर्घा, पुस्तकालय, सांस्कृतिक केंद्र, शिल्प बाजार, कार्यशाला स्थल, कैफे, प्रशिक्षण केंद्र या पर्यटन हब में बदला जा सकता है। ऐसा पुनर्उपयोग हवेली को जीवित रखता है और उसके रखरखाव के लिए नियमित आय का स्रोत भी बनाता है।

उदाहरण के लिए, एक हवेली के मुख्य आँगन को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए प्रयोग किया जा सकता है। पीछे के कक्षों को कलाकारों के लिए निवास या कार्यशाला बनाया जा सकता है। ऊपरी हिस्से को होमस्टे में बदला जा सकता है, जबकि भूतल पर स्थानीय हस्तशिल्प, कपड़ा, मिठाई, मसाले या पुस्तकों की दुकान हो सकती है। इससे पर्यटक को अनुभव मिलेगा, स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और हवेली को नियमित देखभाल का साधन मिलेगा। यही संरक्षण का व्यावहारिक रूप है।

शेखावाटी क्षेत्र राजस्थान की हवेली विरासत का सबसे प्रमुख केंद्र है। झुंझुनूं, सीकर और चूरू जिलों की हवेलियाँ अपने भित्तिचित्रों के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। इन्हें अक्सर खुले आकाश में कला की दीर्घा कहा जाता है। यहाँ की हवेलियाँ न केवल स्थानीय व्यापारियों की संपत्ति थीं, बल्कि उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा, सांस्कृतिक दृष्टि और कला-प्रेम का प्रतीक भी थीं।

पर्यटन से प्राप्त आय का एक निश्चित हिस्सा हवेली के रखरखाव में लगाया जाए। इससे हवेली अपने व्यय का एक हिस्सा स्वयं उठा पाएगी। साथ ही पर्यटन को इस तरह नियंत्रित किया जाए कि स्थानीय निवासियों के जीवन, भवन की सुरक्षा और पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव न पड़े। संरक्षण और व्यावसायिक उपयोग के बीच संतुलन ही सफल मॉडल है।

राज्य सरकार ने शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना के तहत इस क्षेत्र की सैकड़ों हवेलियों को चिन्हित किया है। समाचार विवरणों के अनुसार 662 हवेलियाँ चिन्हित की गई हैं और कई हवेलियों को हेरिटेज वॉक, सांस्कृतिक केंद्र, कला दीर्घा, होमस्टे तथा पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। यह पहल सराहनीय है, क्योंकि यह संरक्षण को केवल भवन की मरम्मत तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे आर्थिक और सामाजिक गतिविधि से जोड़ती है।

लेकिन योजना की सफलता तभी होगी, जब उसका क्रियान्वयन पारदर्शी, निरंतर और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप हो। केवल बोर्ड लगाने, नक्शे बनाने या घोषणाएँ करने से हवेलियाँ नहीं बचेंगी। उन्हें व्यावहारिक सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन, कारीगरों की उपलब्धता, वित्तीय प्रोत्साहन और नियमित निगरानी चाहिए।

सरकार को हवेलियों के संरक्षण के लिए स्पष्ट नीति बनानी चाहिए। प्रत्येक जिले में हवेलियों का सर्वेक्षण हो और उन्हें उनकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा स्थापत्य महत्ता के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जाए। जिन हवेलियों में तत्काल खतरा हो, उन्हें प्राथमिकता दी जाए। छत, दीवार, दरवाजे, खिड़कियाँ, भित्तिचित्र और नालियों की स्थिति का मूल्यांकन कर आपातकालीन मरम्मत की जाए।

सरकार हवेली स्वामियों को वित्तीय प्रोत्साहन दे सकती है। रखरखाव के लिए अनुदान, ब्याज राहत वाले ऋण, कर में छूट, सामग्री की सहायता और तकनीकी परामर्श उपलब्ध कराए जा सकते हैं। साथ ही हवेली को हेरिटेज होमस्टे या सांस्कृतिक केंद्र बनाने वालों के लिए सरल अनुमति प्रक्रिया होनी चाहिए। अत्यधिक जटिल नियम स्वामियों को निराश करते हैं और उन्हें भवन को बेचने या तोड़ने की ओर धकेलते हैं।

सरकार को स्थानीय कारीगरों को भी सक्रिय करना होगा। चूने, लाख, गेरू, लकड़ी, पत्थर और पारंपरिक चित्रकला के ज्ञान वाले कारीगरों की कमी संरक्षण की सबसे बड़ी बाधा है। इन कौशलों को प्रशिक्षण केंद्रों, स्कूलों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और विरासत परियोजनाओं से जोड़ा जाए। जब युवा देखेंगे कि हवेली संरक्षण से रोजगार और सम्मानजनक आजीविका मिल सकती है, तभी यह कार्य टिकाऊ बनेगा।

हवेली केवल स्वामी की संपत्ति नहीं है; वह मोहल्ले, बाजार, गली और पूरे शहर की पहचान से जुड़ी होती है। इसलिए स्थानीय समाज की भागीदारी अनिवार्य है। मोहल्ला समितियाँ, युवा संगठन, महिला समूह, विद्यालय और सामाजिक संस्थाएँ हवेली संरक्षण में भागीदार बन सकती हैं। उन्हें हवेली के इतिहास, महत्व और संरक्षण के तरीकों के बारे में जागरूक किया जाए।

विद्यालयों में विरासत शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाए। बच्चों को हवेलियों का इतिहास, भित्तिचित्रों की कहानियाँ और स्थानीय वास्तुकला से परिचित कराया जाए। इससे उनमें अपनी विरासत के प्रति गर्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। जब स्थानीय लोग अपनी हवेली को अपना मानेंगे, तभी वे उसकी रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएँगे।

हवेलियों का पुनर्जीवन पर्यटन से जोड़ा जा सकता है, लेकिन यह पर्यटन जिम्मेदार और संतुलित होना चाहिए। केवल भीड़ बढ़ाना उद्देश्य नहीं होना चाहिए। पर्यटकों को हवेली के इतिहास, कला, स्थानीय जीवन और संरक्षण के महत्व से परिचित कराया जाए। हेरिटेज वॉक, गाइड सेवा, कला प्रदर्शनी, लोक संगीत, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प बाजार और कारीगरों की कार्यशालाएँ इसे समृद्ध बना सकती हैं।

पर्यटन से प्राप्त आय का एक निश्चित हिस्सा हवेली के रखरखाव में लगाया जाए। इससे हवेली अपने व्यय का एक हिस्सा स्वयं उठा पाएगी। साथ ही पर्यटन को इस तरह नियंत्रित किया जाए कि स्थानीय निवासियों के जीवन, भवन की सुरक्षा और पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव न पड़े। संरक्षण और व्यावसायिक उपयोग के बीच संतुलन ही सफल मॉडल है।

हवेलियों का पुनर्जीवन केवल सांस्कृतिक कार्य नहीं, बल्कि आर्थिक अवसर भी है। संरक्षण से निर्माण कार्य, मरम्मत, पर्यटन, आतिथ्य, कला, शिल्प, खाद्य उद्यम और स्थानीय व्यापार में रोजगार पैदा हो सकते हैं। एक संरक्षित हवेली केवल पर्यटक को आकर्षित नहीं करती, बल्कि उसके आसपास के दुकानदारों, रिक्शा चालकों, गाइडों, कारीगरों, होटल कर्मियों और किसानों को भी लाभ पहुँचाती है।

इसलिए हवेलियों को बोझ नहीं, बल्कि संपत्ति माना जाए। जब स्थानीय लोग देखेंगे कि हवेली से आय, रोजगार और सम्मान मिल रहा है, तब वे उसे बचाने के लिए स्वयं आगे आएँगे। यही संरक्षण की सबसे सशक्त भावना है। राजस्थान की विरासत को बचाना केवल किलों और महलों की दीवारों को सीमेंट से भरने का कार्य नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है-हवेलियों, उनकी कला, उनकी स्मृति और उनके सामाजिक महत्व को जीवित रखना। हवेलियाँ राजस्थान की आत्मा हैं। इनकी दीवारों पर लिखी कहानियाँ, आँगनों में बसी स्मृतियाँ और झरोखों से झाँकती परंपरा हमें यह बताती है कि हम कहाँ से आए हैं और हमारी पहचान क्या है।

यदि हम आज हवेलियों को पुनर्जीवित नहीं करेंगे, तो कल हमारी अगली पीढ़ी केवल तस्वीरों और किताबों में उन्हें देखेगी। इसलिए सरकार, समाज, स्वामी, कारीगर और पर्यटन क्षेत्र को मिलकर हवेलियों को जीवंत बनाना होगा। जब हवेलियाँ फिर से रोशनी, आवाज, व्यापार, कला और जीवन से भर जाएँगी, तभी राजस्थान की विरासत सच में सुरक्षित होगी। यही इस प्रदेश की सांस्कृतिक प्रगति और भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

धर्म और संस्कृति के उत्सवों के बीच स्त्री के समय, श्रम और स्वतंत्रता का समाजशास्त्रीय विश्लेषण

परंपराओं का सुनहरा पिंजराः आस्था, बाजार और स्त्री की अदृश्य जिम्मेदारियाँ



डॉ. अर्चना गोदारा

गाँव में त्योहार का दिन है। घर की एक महिला सुबह सामान्य दिनों से भी पहले उठती है। चूल्हा-चौका, पशुओं की देखभाल, बच्चों की तैयारी और घर की सफाई के बाद उसे पूजा की सामग्री जुटानी है। आज व्रत है, इसलिए उसने सुबह से कुछ खाया-पिया भी नहीं है। घर के दूसरे सदस्य त्योहार की तैयारियों और उल्लास में शामिल हैं, लेकिन आयोजन की अधिकांश जिम्मेदारी उसी के हिस्से में है। शाम को पूजा पूरी होने के बाद भी उसके काम समाप्त नहीं होते। वह अगले दिन की रसोई और घर की व्यवस्था में जुट जाती है। यह किसी एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय समाज के अनेक घरों में दिखाई देने वाली एक सामान्य तस्वीर है। दिलचस्प यह है कि इस पूरे श्रम को अक्सर प्रेम, संस्कार, समर्पण और धार्मिक कर्तव्य जैसे सुंदर शब्दों में समेट दिया जाता है। शायद इसी कारण इसके भीतर छिपी असमानता पर हमारी नजर कम जाती है।

भारतीय संस्कृति में स्त्री को सम्मान देने के लिए अनेक प्रतीक और संबोधन विकसित हुए हैं। उसे गृहलक्ष्मी, अन्नपूर्णा, परिवार की मर्यादा और संस्कारों की संरक्षिका कहा गया। धार्मिक आख्यानों में उसके त्याग और तपस्या को आदर्श बनाया गया। लेकिन इस सम्मान के साथ एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था भी विकसित हुई, जिसमें परिवार की सुख-समृद्धि, पति की दीर्घायु, संतान की सुरक्षा और घर की धार्मिक परंपराओं को निभाने की जिम्मेदारी मुख्यतः स्त्री के हिस्से आती चली गई। उसे परिवार की धुरी तो बनाया गया, लेकिन इस धुरी के चारों ओर घूमते हुए उसके अपने जीवन की दिशा और आकांक्षाएँ कितनी बार पीछे छूट गईं, इस पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। सम्मान और जिम्मेदारी के बीच का यही अंतर इस विमर्श का मूल है।

हमारे यहाँ व्रत और त्योहार केवल धार्मिक गतिविधियाँ नहीं हैं। वे लोकजीवन, सामूहिक स्मृतियों, पारिवारिक संबंधों और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। राजस्थान में तीज, गणगौर, करवा चौथ, अहोई अष्टमी, जीवित्पुत्रिका और विभिन्न क्षेत्रीय व्रतों की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। पूर्वी भारत में छठ पूजा का विशेष सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश से शुरू होकर छठ की सार्वजनिक पहचान आज देश के अनेक महानगरों तक पहुँची है। लोकगीत, पारंपरिक प्रसाद, नदी और तालाब के किनारे सामूहिक अर्घ्य तथा परिवारों की सहभागिता इस पर्व को विशिष्ट बनाते हैं। छठ में पुरुष भी व्रत करते हैं और इसकी व्यवस्थाओं में भाग लेते हैं, इसलिए इसे केवल महिलाओं का पर्व कहना सही नहीं होगा। फिर भी अनेक परिवारों में व्रत करने वाली महिलाओं को जिस शारीरिक अनुशासन, तैयारी और पारिवारिक अपेक्षाओं से गुजरना पड़ता है, वह विचारणीय है।

छठ पूजा के दौरान कई घरों में व्रती महिला को विशेष आहार संबंधी नियमों का पालन करना पड़ता है। दूसरी ओर, सामूहिकता और सहयोग की सुंदर परंपरा भी दिखाई देती है। पड़ोस की महिलाएँ एक-दूसरे की सहायता करती हैं, परिवार के पुरुष घाट की व्यवस्था में योगदान देते हैं और पूरा समुदाय एक साथ पर्व मनाता है। यही वह अंतर है जिस पर ध्यान देना आवश्यक है। जब आयोजन सामूहिक श्रम से होता है तो परंपरा सामाजिक एकता का माध्यम बनती है, लेकिन जब उसका अधिकांश बोझ एक ही व्यक्ति या वर्ग पर छोड़ दिया जाता है तो वही परंपरा असमान जिम्मेदारी का रूप लेने लगती है।

करवा चौथ का उदाहरण भी इस बदलते सामाजिक स्वरूप को समझने में उपयोगी है। पहले अनेक परिवारों और क्षेत्रों में यह अपेक्षाकृत घरेलू धार्मिक परंपरा के रूप में मनाया जाता था। अब कई शहरी और अर्धशहरी क्षेत्रों में इसके आयोजन ने सार्वजनिक उत्सव का रूप भी ले लिया है। सामूहिक पूजा, विशेष आयोजन, सजे हुए बाजार, डिजाइनर परिधान, आभूषण, मेहंदी, उपहार और सोशल मीडिया पर तस्वीरों का प्रदर्शन इस पर्व की समकालीन पहचान का हिस्सा बन गए हैं। यह बदलाव अपने आप में न तो पूरी तरह गलत है और न ही किसी परंपरा की स्वाभाविक सांस्कृतिक यात्रा को नकारा जा सकता है। लेकिन प्रश्न यह है कि इस विस्तार में स्त्री की आस्था के साथ बाजार की अपेक्षाएँ भी क्यों जुड़ती जा रही हैं? अब व्रत रखने के साथ-साथ विशेष दिखना, विशेष पहनना, विशेष सजना और उत्सव की एक खास तस्वीर प्रस्तुत करना भी कई बार सामाजिक अपेक्षा बन जाता है।

बाजारीकरण ने त्योहारों को केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें उपभोग और प्रदर्शन की अर्थव्यवस्था से भी जोड़ दिया है। विज्ञापन, टेलीविजन, फिल्में, सोशल मीडिया, ऑनलाइन खरीदारी और बाजार के प्रचार ने त्योहारों के स्वरूप को प्रभावित किया है। गणगौर और तीज पर पारंपरिक वस्त्रों और आभूषणों से लेकर करवा चौथ के विशेष उपहारों और छठ के लिए सजावटी पूजा सामग्री तक बाजार ने नए उपभोक्ता अवसर विकसित किए हैं। इसमें महिलाओं की पसंद, रचनात्मकता और आर्थिक भागीदारी के अवसर भी हैं, लेकिन यह भी देखना होगा कि कहीं उत्सव की खुशी को खरीदारी की क्षमता से तो नहीं मापा जाने लगा है।

लेकिन इन सभी परिवर्तनों के बीच सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न स्त्री के समय और श्रम का है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के समय उपयोग सर्वेक्षण (टाइम यूज सर्वे 2024) के आँकड़े इस असमानता को समझने का ठोस आधार देते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, घरेलू सदस्यों के लिए अवैतनिक घरेलू सेवाओं में भाग लेने वाली महिलाओं ने औसतन प्रतिदिन 289 मिनट खर्च किए, जबकि पुरुषों के लिए यह समय केवल 88 मिनट था। इसी तरह, घरेलू सदस्यों की देखभाल से जुड़े कार्यों में महिलाओं का औसत समय 137 मिनट और पुरुषों का 75 मिनट रहा। ये आँकड़े छह वर्ष और उससे अधिक आयु के उन प्रतिभागियों के औसत समय को दर्शाते हैं जिन्होंने संबंधित गतिविधियों में भाग लिया। यह अंतर केवल घरेलू काम का नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों के असमान वितरण का भी संकेत है।

समाजशास्त्रीय दृष्टि से देखें तो यह स्थिति पितृसत्तात्मक सामाजिक संरचना और लैंगिक श्रम विभाजन से जुड़ी है। स्त्री के घरेलू श्रम को उसका कर्तव्य माना जाता है, जबकि पुरुष द्वारा उसी काम में सहयोग करने को विशेष योगदान के रूप में देखा जाता है। यही मानसिकता त्योहारों और धार्मिक आयोजनों में भी दिखाई देती है। इसका मनोवैज्ञानिक पक्ष भी उतना ही गहरा है।

ग्रामीण समाज में इस स्थिति के कई सामान्य उदाहरण मिलते हैं। खेतों में काम करने वाली महिला हो या घर और पशुपालन की जिम्मेदारी संभालने वाली गृहिणी, त्योहार के अवसर पर उससे अपेक्षा की जाती है कि वह सभी परंपराओं का निर्वहन भी करे और घर की व्यवस्था भी बनाए रखे। यदि वह किसी दिन अस्वस्थ है, थकी हुई है या व्रत नहीं रखना चाहती, तो कई बार उसे परिवार के ही सदस्यों की टिप्पणियाँ सुननी पड़ती हैं। कुछ महिलाएँ स्वयं भी यह मानने लगती हैं कि व्रत छोड़ना उनके संस्कारों या मातृत्व के प्रति समर्पण में कमी का संकेत है। इस पूरी व्यवस्था में स्त्री का भावनात्मक श्रम भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि त्योहारों और परंपराओं के नाम पर स्त्री के निजी समय का उपयोग किस प्रकार होता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर धार्मिक गतिविधि स्त्री के विकास में बाधा है। अनेक महिलाओं के लिए ये आयोजन सामाजिक मेलजोल, आत्मीयता और सांस्कृतिक पहचान का माध्यम भी हैं। लेकिन यह अवश्य विचारणीय है कि इन गतिविधियों में भागीदारी कितनी स्वैच्छिक है और कितना हिस्सा सामाजिक अपेक्षाओं से निर्धारित होता है। इस विस्तार से लोकसंस्कृति को नई पहचान मिली है, प्रवासी समुदायों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने का अवसर मिला है और कई छोटे व्यवसायों को भी आजीविका के नए साधन मिले हैं। लेकिन इसके साथ यह सवाल भी जरूरी है कि सांस्कृतिक विस्तार के बीच मूल भावना कहीं प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा में तो नहीं बदल रही? क्या त्योहार की सफलता अब इस बात से तय होने लगी है कि किसने कितना खर्च किया, किसने कितनी भव्य सजावट की और किसकी तस्वीर को सोशल मीडिया पर अधिक प्रशंसा मिली?

यहाँ एक संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। छठ पूजा में सामूहिकता, प्रकृति और सूर्य के प्रति कृतज्ञता का भाव है। गणगौर में लोकजीवन और स्त्री की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है। तीज में सावन, प्रकृति, गीत और स्त्रियों के आपसी संवाद की परंपरा है। करवा चौथ में भी अनेक महिलाओं के लिए निजी आस्था और वैवाहिक भावनाएँ जुड़ी हुई हैं। इन परंपराओं को केवल पितृसत्ता या बाजार के चश्मे से देखना उनके व्यापक सांस्कृतिक अर्थ को सीमित कर देगा। लेकिन इनके नाम पर स्त्री से एकतरफा त्याग की अपेक्षा करना भी उचित नहीं है। परंपरा का सम्मान तभी सार्थक है जब उसके निर्वहन में व्यक्ति की स्वतंत्र इच्छा और गरिमा बनी रहे।

अब समय है कि परिवार और समाज इस जिम्मेदारी को नए सिरे से समझें। यदि पत्नी पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है, तो पति भी उसके स्वास्थ्य और जीवन के प्रति समान संवेदनशीलता क्यों न दिखाए? यदि माँ संतान के लिए उपवास करती है, तो पिता भी परिवार की धार्मिक और घरेलू जिम्मेदारियों में बराबर भागीदारी क्यों न निभाए? त्योहारों की तैयारी, पूजा की व्यवस्था और पारिवारिक आयोजन केवल महिलाओं का दायित्व क्यों बने रहें? सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह कि किसी महिला को व्रत रखने या न रखने का निर्णय बिना भय, दबाव और अपराधबोध के लेने का अधिकार होना चाहिए।

किसी संस्कृति की जीवंतता इस बात से नहीं मापी जाती कि उसकी परंपराओं का कितनी कठोरता से पालन किया जा रहा है, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह बदलते समय में अपने भीतर कितनी मानवीयता और समानता विकसित कर पा रही है। स्त्री को केवल त्याग और तपस्या की प्रतिमा बनाकर सम्मानित करना पर्याप्त नहीं है। उसे अपने समय, श्रम, स्वास्थ्य, शिक्षा और सपनों पर अधिकार देना भी उतना ही आवश्यक है। परंपराएँ बची रहनी चाहिए, लेकिन उनके नाम पर असमानताएँ नहीं। आस्था बनी रहनी चाहिए, लेकिन उसके भीतर भय का स्थान नहीं होना चाहिए। त्योहार मनाए जाने चाहिए, लेकिन उनकी खुशी का भार किसी एक वर्ग के कंधों पर नहीं होना चाहिए। आखिर स्त्री भी उसी समाज की स्वतंत्र नागरिक है, जिसके लिए वह जीवन भर परंपराओं और रिश्तों को सँभालती आई है। उसे सुनहरे पिंजरे में सम्मानित करने के बजाय खुले आकाश में अपनी इच्छानुसार उड़ने का अवसर देना ही किसी भी प्रगतिशील संस्कृति की वास्तविक पहचान होगी।

–डॉ. अर्चना गोदारा,
सहायक आचार्य, लेखक

सब कुछ मिला एक तू ना मिली, शांति की तलाश में 41 साल से चल रही बैचेन यात्रा



कश्मीर यादव

सब कुछ है, लेकिन कुछ और पाने की तड़प खींच लाती है। किशोरीलाल को सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त हुए 6 साल हो चुके हैं, बेटा-बेटी की शादी कर चुके हैं, और वे दोनों कस्टम विभाग में निरीक्षक जैसे प्रतिष्ठित पद पर कार्यरत हैं। कोई ईएमआई नहीं देनी, मकान में नया काम नहीं चलाना, लेकिन फिर भी किशोरीलाल बेचैन हैं। उनके पास केवल 7 दिन का स्टॉक बचा है और दानदाता अब आने वाली 1 तारीख को सैलरी आने के बाद ही सहयोग दे पाएंगे। बीच के 4-5 दिन के स्टॉक का प्रबंध करने के लिए किशोरीलाल के पास कई योजनाएं हैं और वे उन्हीं पर मंथन कर रहे हैं। जयपुर जिले के दो दर्जन से ज्यादा कुत्ते व बिल्लियां और हजारों चिड़िया व कबूतर किशोरीलाल पर निर्भर हैं।

यह कहानी जून 1985 से शुरू होती है। शास्त्रीनगर स्थित राजकीय वक्ष एवं टीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किशोरीलाल के परिजनों को प्रख्यात चिकित्सक डॉ. जैन ने जवाब दे दिया था, और उस जवाब को किशोरीलाल ने परिजनों की डूबती आंखों में पढ़ लिया था। किशोरीलाल को खून की उल्टियां हो रही थीं, ऑक्सीजन की नली से सांस चल रही थी, लेकिन चेतना बाकी थी। उस रात के बारे में किशोरीलाल ने बताया कि स्वप्न में उनके दादा गोपाल दिखे और बोले कि "कुछ काम बाकी है, जो तुझे करना है" और स्वप्न टूट गया। दो दिन बाद डॉ. जैन हैरान थे कि चिकित्सा विज्ञान जिसे कुछ दिनों का मेहमान मान रहा था, उसके मेडिकल पैरामीटर्स में आश्चर्यजनक सुधार हो गया था।

इसके कुछ दिनों बाद डिस्चार्ज होकर लौटे किशोरीलाल का जीवन के प्रति दृष्टिकोण पूरी तरह बदल चुका था। सपने में दिखे दादा की छवि धूमिल होती गई, लेकिन बेचैनी बढ़ती गई। एक दिन अचानक संदेश के सूत्र को पकड़कर उन्होंने जूट के थैले में आटा और बची हुई रोटियां रखीं। आटा चींटियों को और रोटियां सड़क के बेसहारा कुत्तों को खिलाईं। आज 41 बरस बीत चुके हैं, लेकिन बेचैनी बरकरार है-बेचैनी ये कि कोई भूख से बिलख रहा है तो दूसरा चैन से कैसे सो सकता है। दूसरा इंसान ही हो, ये किसने बताया; जीव-जंतु भी तो हो सकते हैं।

किशोरीलाल शाम 3 बजे शासन सचिवालय में 3-4 जगह चींटियों के लिए चुग्गा और पक्षियों के लिए दाना डालते हैं, फिर सचिवालय और आसपास दानदाताओं से मदद के लिए मिलते हैं। इसके बाद चांदपोल मोक्षधाम में चुग्गा और दाना डालते हैं। रात 1 से 2 बजे के बीच शास्त्रीनगर और इसके आसपास के ढाबों पर जाते हैं और वहां बची हुई रोटियों को थैले में भरकर स्कूटर से सड़कों पर उसकी तलाश कर रहे कुत्ते-बिल्लियों को रोटी खिलाते हैं, और फिर घर आकर सो जाते हैं। सुबह सूरज निकलने से पहले निकले 66 वर्षीय किशोरीलाल आधी रात के बाद घर पहुंचते हैं।

कुछ लोग दबी जुबान फुसफुसाते थे कि दान का हिसाब कहां है, आज के जमाने में कौन मूक पक्षियों और जानवरों के लिए दर-दर भटकता है। यह फुसफुसाहट प्रतिध्वनित होकर किशोरीलाल के कान और फिर दिल तक पहुंची। अब वे हर खरीद का पुख्ता बिल हर समय साथ रखते हैं, जिसमें खरीद का समय और दुकानदार के कॉन्टैक्ट नंबर तक लिखे होते हैं।



किशोरीलाल

मूलतः शिवदासपुरा निवासी किशोरीलाल का नाहरी का नाका में मकान है। उनकी बेटी दीपिका मुंबई से और बेटा शंकर आगरा से जब भी घर आते हैं, सहयोग राशि भी देते हैं और सलाह भी कि उम्र के इस पड़ाव पर कुछ आराम की भी जरूरत है। लेकिन फिर वही बेचैनी उठती है, बढ़ती है और वे घर से निकल पड़ते हैं-दानदाताओं और मूक जीव-जंतुओं के बीच सेतु का काम करने के लिए।

यह बेचैनी उन्हें परमात्मा की उस अनकही आज्ञा की याद दिलाती है, जो हर समर्थ मनुष्य को दी गई है। भारतीय संस्कृति में नर सेवा नारायण सेवा और जीव दया को ही सबसे बड़ा धर्म माना गया है। मूक होना इन बेजुबान जीवों की कमजोरी नहीं, बल्कि उस परमपिता परमेश्वर का एक दिव्य संकेत है उन मनुष्यों के लिए, जिन्हें ईश्वर ने वाणी, शक्ति और संवेदना दी है। क्योंकि उस सर्वशक्तिमान ईश्वर के दरबार में तो हम सभी मूक हैं, और बिना किसी स्वार्थ के उसके बनाए इन जीवों की क्षुधा शांत करना ही सच्ची भक्ति और सर्वोच्च प्रार्थना है।

–कश्मीर यादव,
मीडिया एवं समाचार विशेषज्ञ

राशिफल शुक्रवार 27 नवम्बर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीष मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत-2083, आर्द्रा नक्षत्र दिन 3:09 तक, शुभ योग रात्रि 11:52 तक, विष्टि करण प्रातः 9:49 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-सिंह, बुध-तुला, गुरू-सिंह, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 3:09 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा प्रातः 9:49 तक है। आज चतुरथी व्रत, सौभाग्य सुन्दरी व्रत है। आज चतुरथी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर सूर्योदय से 8:18 तक, लाभ अमृत 8:18 से 10:55 तक, शुभ 12:14 से 1:33 तक, चर 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 10:30 से 12:00 तक, सूर्योदय 6:59, सूर्यास्त 5:29



मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयो

Hero

HF Deluxe

बाइक दमदार दाम शानदार

एक्स-शोरूम कीमत

₹59 999/-* (सेल्फ़-स्टार्ट)

ऑफर का आखिरी 4 दिन शेष

*नियम व शर्तें लागू.

कम डाउन पेमेंट | ₹5999/-*

Hero GoodLife सोने का सिक्का जीतने का मौका*

pine labs कैशबैक ₹5 000/- तक*

TOLL FREE 1800 266 0018

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st July 2026. ‡The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. *Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas Self start variant applicable in Rajasthan.*Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, मानपुर: सुखराम हीरो, 9783877225, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591, रायसर: श्री बालाजी मोटर्स, 9414493720 , झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, एम आर मोटर्स, 0141-2348111, बेनर रोड: पूनिया मोटर्स, 9928868990, पालड़ी मीणा: बॉर्डर मोटर्स, 9376000602, बोराज: ओम मोटर्स, 9351825554.

चिड़ावा में बेटी से मिलने आए पिता की पीट-पीटकर हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों में मृतक का दामाद होशियार सिंह, समधी मदरूप सिंह और दूसरा बेटा जसवीर सिंह शामिल है

झुंझुनूं/सूरजगढ़, (निसं)। बेटी से मिलने और पारिवारिक विवाद सुलझाने की उम्मीद लेकर आए पिता को अपनी जान गंवानी पड़ी। चिड़ावा में हुए इस सनसनीखेज हत्याकांड में सूरजगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मृतक का दामाद होशियार सिंह, समधी मदरूप सिंह और दूसरा बेटा जसवीर सिंह शामिल है। आरोप है कि तीनों ने मिलकर सुरेश कुमार पर लाठी, झंडा, कुल्हाड़ी और कस्सी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल सुरेश कुमार को बीडीके अस्पताल झुंझुनूं पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

- **पारिवारिक मनमुटाव के चलते किराये के मकान में रह रही थी बेटी, बातचीत करने पहुंचे पिता पर हमला किया**

पुलिस के अनुसार हरियाणा के रूदड़ोल निवासी अमित कुमार ने 23 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसकी बहन मोनू पिछले कुछ समय से ससुराल पक्ष से मनमुटाव के चलते चिड़ावा में किराये के मकान में रह रही थी। 22 नवंबर को उसके पिता सुरेश कुमार बेटी का हालचाल जानने और उससे मिलने चिड़ावा आए थे। बेटी से मुलाकात के बाद पिता पारिवारिक विवाद को लेकर बेटी के ससुर मदरूप सिंह और पति होशियार सिंह से बातचीत करने के लिए उनके निवास पर पहुंचे। उनके साथ नाती वियान और भतीजा अर्जुन भी स्कूटी पर थे। परिवादी की रिपोर्ट के मुताबिक, जैसे ही सुरेश कुमार मकान के मुख्य द्वार पर आम रास्ते में पहुंचे, वहां मौजूद मदरूप सिंह, होशियार सिंह और जसवीर सिंह ने उन पर लाठी, झंडा, कुल्हाड़ी और कस्सी से हमला कर दिया। हमले में सुरेश कुमार गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। उन्हें तत्काल बीडीके अस्पताल झुंझुनूं ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए झुंझुनूं जिला पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में सूरजगढ़ थानाधिकारी कानाराम उपनिरीक्षक के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। घटना की सूचना मिलते ही थानाधिकारी पुलिस टीम के साथ बीडीके अस्पताल पहुंचे और मृतक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए। गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए 25 नवंबर को तीनों आरोपियों को डिटेन कर पूछताछ की। अपराध प्रमाणित पाए जाने पर होशियार सिंह, जसवीर सिंह और मदरूप सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर प्रकरण में आगे का अनुसंधान कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में होशियार सिंह (37) पुत्र मदरूप सिंह, जसवीर सिंह (35) पुत्र मदरूप सिंह और मदरूप सिंह (64) पुत्र गुरूदयाल राम शामिल है।

होटल में बुलाकर किशोरी से दुष्कर्म

जोधपुर, (कासं)। शहर के एक एरिया में आई एक होटल में किशोरी से दुष्कर्म का प्रकरण सामने आया है। परिचित आरोपी ने किशोरी से वीडियो कॉल पर बात करते हुए स्क्रीन शॉट लिए। फिर उसे ब्लैकमेल कर धमकाया और एक होटल में बुलाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता थाने पहुंची और केस दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया है, अग्रिम जांच जारी है।

- **वीडियो कॉल से किशोरी का स्क्रीन शॉट लेकर ब्लैकमेल किया**

सरदारपुरा पुलिस के अनुसार नाबालिग पीड़िता की रिपोर्ट पर केस दर्ज किया गया। इसमें बताया कि उसकी पहचान एक युवक से थी, जोकि उससे सोशल मीडिया के मार्फत बातचीत भी करता था। कुछ रोज पहले उससे वीडियो कॉल पर बात हुई थी। तब परिचित युवक ने उसके स्क्रीन शॉट ले लिए। बाद में उसे ब्लैकमेल कर धमकाने लगा। उसे एक होटल पर बुलाया और वहां नशीला पदार्थ पिलाकर उससे दुष्कर्म किया।

सीकर में सीजन का सबसे कम तापमान 3.5 डिग्री दर्ज

सीकर, (निसं)। सीकर में गुरुवार को सीजन का सबसे कम तापमान 3.5 डिग्री दर्ज हुआ। सीकर में पिछले 6 दिन से ठंड बढ़ी हुई है। रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अभी मौसम में विशेष बदलाव की कोई संभावना नहीं है। बुधवार को दिनभर मौसम साफ रहा और रात को सर्द हवाएं चलीं।

सीकर जिले के फतेहपुर स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र के मौसम केंद्र पर बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 29.3 डिग्री और सुबह का न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री दर्ज किया गया था। गुरुवार सुबह दर्ज न्यूनतम तापमान में .1 डिग्री की गिरावट हुई है। बीती रात सर्दी बढ़ने से तेज ठिठुरन का असर रहा।

- **सीकर में छह दिन से ठंड बढ़ी हुई है**

ग्रामीण इलाकों में सर्दी का असर ज्यादा है। सुबह से भी धूजणी छूट रही है। हालांकि अभी सुबह के समय धुंध का ज्यादा असर नहीं है। सर्दी बढ़ने के बाद लोग सुबह 10 बजे गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। सीकर समेत शेखावाटी एरिया में अभी ड्राई सर्दी बनी रहेगी। मौसम में 27 नवंबर को एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होने की संभावना है। जयपुर मौसम केंद्र के डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा के अनुसार सीकर में आसमान साफ होने के कारण सर्दी का ये असर फिलहाल बना रहेगा।

राजस्थान सरकार
E-mail-deo.ajmer.excise@rajasthan.gov.in
कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी अजमेर
आबकारी भवन, घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर
क्रमांक- आब/अभि/वा.नि./2026-26/321 दिनांक: 26.11.2026

जप्तशुदा वाहनों की नीलामी सूचना

इच्छुक बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आबाकारी अधिनियम 1950 के तहत राजसात किये गये जप्तशुदा वाहनों की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 17.12.2026 को प्रातः 10.00 बजे से कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी पर रखी गयी है। नीलामी किये जाने वाले वाहनों का विस्तृत विवरण (यथा वाहन प्रकार, मॉडल/मेक इत्यादि) SPPP वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in और विभागीय वेबसाईट excise.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

(राधेश्याम डेलू)
जिला आबकारी अधिकारी अजमेर

जोधपुर : मकान में चोरी करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान थाना क्षेत्र के मगरा पूंजला स्थित नया बास में मकान का ताला तोड़कर सामान चोरी करने का मामला दर्ज हुआ था। पीड़ित ने तीन लोगों को नामजद कर केस दर्ज कराया था। पुलिस ने अब तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

परिवादी मनोज गहलोत पुत्र राजेन्द्र गहलोत ने आरोप लगाया कि उसके और उसके भाई जसवंत गहलोत के संयुक्त स्वामित्व का एक मकान नया बास, मगरा पूंजला में स्थित है। इस मकान का उपयोग घरेलू और दुकान का सामान रखने के लिए गोदाम के रूप में किया जाता है। 11 जून की रात करीब 11 से 11.30 बजे मनीष गहलोत, कृष्णा गहलोत और अरविंद गहलोत ने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखा सामान टैक्सी में भरकर ले गए।

परिवादी के अनुसार 21 जून को जब वह मकान पर सामान लेने पहुंचा तो उसे अपना ताला टूटा हुआ मिला और उसकी जगह दूसरा ताला लगा हुआ था। इसके बाद मकान के सामने स्थित स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी गई, जिसमें कथित तौर पर आरोपियों के मकान में प्रवेश करने और सामान ले जाने की जानकारी सामने आई।

परिवादी ने आरोप लगाया कि उसने 22 जून को माता का थान थाने में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन मामला दर्ज नहीं होने पर न्यायालय की शरण ली। इसके बाद 7 जुलाई को न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के निर्देश पर 25 अगस्त को माता का थान पुलिस ने केस दर्ज किया था। पुलिस ने प्रकरण में अब उक्त तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पूछताछ जारी है।

चूरू उप जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस ने बाजी मारी, भाजपा को झटका दिया

चूरू, (निसं)। जिला परिषद् में उप जिला प्रमुख पद के चुनाव में कांग्रेस ने बाजी मारते हुए भाजपा को झटका दिया है। वार्ड 15 से निर्वाचित कांग्रेस के जिला परिषद सदस्य छोटूलाल मेघवाल ने भाजपा के वार्ड 38 से निर्वाचित नरेश सहारण को 3 मतों से पराजित कर उप जिला प्रमुख पद पर जीत हासिल की है।

जानकारी के अनुसार उप जिला प्रमुख पद के लिए गुरुवार दोपहर तीन बजे मतदान हुआ। इसके बाद घोषित परिणाम में कांग्रेस प्रत्याशी छोटूलाल मेघवाल को विजयी घोषित किया गया। चुनाव परिणाम सामने आते ही जिले की राजनीति में एक बार फिर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

गौरतलब है कि बुधवार को जिला प्रमुख पद के चुनाव में कांग्रेस के पास बहुमत होने के बावजूद क्रॉस वोटिंग के चलते भाजपा की कनिका सिंह ने कांग्रेस की प्रकाश देवी बुडानिया को 5 मतों से हराकर जिला प्रमुख की कुर्सी पर कब्जा किया था। इस अप्रत्याशित नतीजे के बाद उप जिला प्रमुख चुनाव में भी भाजपा की जीत के कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि गुरुवार को आए नतीजों ने इन सभी कयासों पर विराम लगा दिया।



कांग्रेस के जिला परिषद सदस्य छोटूलाल मेघवाल उप जिला प्रमुख पद पर निर्वाचित हुये।

- **कांग्रेस के छोटूलाल मेघवाल ने भाजपा के नरेश सहारण को तीन वोटों से हराया**

कांग्रेस के छोटूलाल मेघवाल ने भाजपा के नरेश सहारण को तीन मतों से हराकर उप जिला प्रमुख पद पर कब्जा जमाया। इस तरह जिला प्रमुख पद भाजपा के खाते में गया, जबकि उप जिला प्रमुख पद पर कांग्रेस ने जीत दर्ज कर जिला परिषद की राजनीति में अपना दम दिखाया।

भीम
राजस्थान सरकार
वाणिज्यिक कर विभाग
कार्यालय सहायक आयुक्त, राज्य कर, घट-प्रथम, वृत्त - अलवर शहर दक्षिण, अलवर
क्रमांकः- 73 दिनांकः- 20.11.2026

खुली बोली आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा पूर्व में जब्त माल एवं वाहन का RGST Act, 2017 के अंतर्गत खुली बोली द्वारा निस्तारण (नीलाम) किया जाना है। बोली से संबंधित समस्त शर्तें व विवरण विभागीय वेबसाइट https://rajtax.rajasthan.gov.in व किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में उपस्थित होकर नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। अतः संबंधित व्यक्ति / व्यापारी / बोलीदाता जो कि जी.एस.टी. पंजीकृत हो, निर्धारित समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर निम्न अनुसार अमानत राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकता है। (डी.डी. "Assistant Commissioner (state tax), ward-I, circle-Alwar sahar dakshin, Alwar" के पक्ष में देय होगा।)

1. नीलाम किये जाने वाले माल का विवरण

क्र. स.	माल की प्रकृति	अनुमानित मूल्य (न्यूनतम बोली राशि)	अमानत राशि	नीलामी स्थान	नीलामी दिनांक व समय
1	Mustard oil	38,50,000/-	50,000/-	कार्यालय परिसर, कर भवन, अलवर	04-12-2026 दोपहर 1:00 PM

2. नीलाम किये जाने वाले वाहन का विवरण

क्र. स.	जब्त वाहन का विवरण							
	वाहन पर अंकित पंजीयन नं.	वाहन का प्रकार	वाहन का मॉडल वर्ष एवं विवरण	इंजन नं.	चेसिस नं.	अनुमानित मूल्य (न्यूनतम बोली राशि)	अमानत राशि	नीलामी दिनांक, समय व स्थान
1	HR842165	TRUCK (OIL TANKER)	(2018) TATA LPT 3118 CR BS IV 8×2	81K848 35078	MAT466 621J5N2 9057	15,50,000/-	31,000/-	21.12.26 दोपहर 1:00 व कार्यालय परिसर, कर भवन, अलवर

DIPR/C/18602/2026 सहायक आयुक्त, राज्य कर, घट-प्रथम, वृत्त-अलवर शहर दक्षिण

रेलवे ट्रैक पर विस्फोट मामले की जांच एनआईए को सौंपी

गृह मंत्रालय ने मामले को आतंकवादी घटना माना

श्रीगंगानगर, (निसं)। रामसिंहपुर के पास रेलवे ट्रैक पर विस्फोट के लिए आईईडी बम और हथियार लुधियाना व गुरदासपुर की पाकिस्तान सीमा से ड्रोन के जरिए गिराए गए थे। गिरफ्तार महकदीप कौर और देवेंद्र सिंह से पूछताछ में यह खुलासा हुआ है। गृह मंत्रालय ने मामले को आतंकवादी घटना मानते हुए जांच एनआईए को सौंप दी है। जिला पुलिस ने केस की फाइल तैयार कर ली है। एनआईए के जांच अधिकारी श्रीगंगानगर पहुंचेंगे। वहीं, पुलिस ने महकदीप कौर के मोबाइल का डेटा खंगाला तो पाक खुफिया एजेंसी के एजेंट शाह से रातभर बातचीत का पता चला।

एसपी हरीशंकर यादव ने बताया कि महकदीप और देवेंद्र को 6 अक्टूबर को रेलवे ट्रैक पर लगाने के लिए जैसलमेर से दो आईईडी मिले थे। इनमें से एक टूटने से खराब हो गया था, जबकि दूसरे की वायरिंग कनेक्ट नहीं होने से टाइमर शुरू नहीं हो पाया। आरोपियों ने दोनों बम रामसिंहपुर थाना क्षेत्र में 60 जीबी मोड़ पर पीर की दरगाह के पास झाड़ियों में छिपा दिए और लौट गए। इससे पहले दोनों 6 अक्टूबर को भी आईईडी लगाने पहुंचे थे, लेकिन उस दिन बम नहीं मिलने से वापस लौट गए थे। इसके बाद 3 नवंबर को गुरदासपुर से आईईडी साथ लेकर आए। इस बार बम की वायरिंग सही जुड़ गई और टाइमर चालू हो गया।

एसपी हरीशंकर यादव ने बताया कि आरोपियों ने पत्थर हटाकर आईईडी रेलवे पटरियों के बीच छिपा दिया। रात 9:45 बजे निर्धारित समय पर विस्फोट हो गया। पुलिस ने गुरदासपुर निवासी महकदीप कौर और उसके दोस्त देवेंद्र सिंह को 15 नवंबर को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था। तीसरे आरोपी गुरदासपुर निवासी हरप्रीत सिंह को 21 नवंबर को गिरफ्तार किया गया। तीनों दोस्त हैं। पुलिस अब तक की जांच में सामने आए तथ्यों और आरोपियों से पूछताछ के आधार पर केस की फाइल एनआईए को सौंपेगी।

सूरतगढ़ में नशे के लिए रुपए नहीं देने पर पड़ौसी ने युवक का मर्डर किया

सूरतगढ़, (निसं)। सूरतगढ़ के वार्ड नंबर 3 में नशे के लिये रुपए देने से इनकार करने पर एक युवक की उसके ही पड़ोसी ने डंडे से सिर पर वार कर हत्या कर दी। आरोपी ने नशे के लिए रुपए मांगे थे। मना करने पर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद आरोपी ने युवक के सिर पर लकड़ी के मोटे डंडे से जोरदार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से युवक नीचे गिर पड़ा। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद सिटी पुलिस ने एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए और फरार आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने रात में ही आरोपी को डिटेन कर लिया। मृतक की पत्नी की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस के अनुसार मृतक की पत्नी रजनदीप कौर ने रिपोर्ट दी कि उसका पति जितेंद्र कुमार उर्फ जीतू (30) वार्ड नंबर 3 में डिग्री कॉलेज के पीछे रहता था। प्रवीण बिश्नोई निवासी माणकसर उनका परिचित था और अक्सर घर आता-जाता था। करीब तीन दिन पहले ही प्रवीण उनके पड़ोस में रहने आया था। परिवाद के अनुसार बुधवार रात करीब 9:30 बजे रजनदीप कौर अपने पति जितेंद्र और भाई डेनिश के साथ घर पर मौजूद थी। इसी दौरान प्रवीण बिश्नोई हाथ में मोटा लकड़ी का डंडा लेकर उनके घर पहुंचा। उसने जितेंद्र से नशे के लिए रुपए मांगे। जितेंद्र के पास करीब 38 हजार रुपए थे, लेकिन उसने रुपए देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी और विवाद हो गया। इसके बाद जितेंद्र समझाइश करते हुए प्रवीण को घर से बाहर ले गया। कुछ देर बाद बाहर से झगड़े की आवाज सुनकर रजनदीप कौर अपने भाई के साथ बाहर पहुंची। रजनदीप कौर के अनुसार बाहर पहुंचने पर देखा कि प्रवीण डंडे से जितेंद्र के साथ मारपीट कर रहा था। वह और उसका भाई जितेंद्र को बचाने के लिए दौड़े, लेकिन इसी दौरान प्रवीण ने उसके सिर पर डंडे से वार कर दिया। शोर सुनकर मुमताज सहित आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिजन गंभीर हालत में जितेंद्र को निजी अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

थानाधिकारी कलावती चौधरी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर सिटी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। गुरुवार दोपहर बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राज0)
क्रमांक :-नपजा/राजस्व/EOI/2026/6072 दिनांक :- 23.11.2026

:: **अभिरूची की अभिव्यक्ति (Expression of Interest)** ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान सरकार से जारी आदेशों एवं प्रदत दिशा-निर्देशों की अनुपालना में जालोर जिले में श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना के तहत अन्नपूर्णा रसोईयों की सचालित की जा रही है, जालोर जिले में पूर्व में संचालित समस्त रसोईयों के अनुबंध समाप्त होने की स्थिति में पुनः रसोईयों के संचालन किया जाना है। उक्त योजना के संचालन के मूल उद्देश्य न्यूनतम लागत राशि पर जरूरतमंद आमजन को सेवाभाव के आधार पर भोजन उपलब्ध कराना है।

अतः उक्त कम में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त विशयक व्यावसायिक हित के स्थान पर सेवाभाग के आधार पर जालोर जिले में चयनित स्थलों पर निम्नांकित कुल 14 श्री अन्नपूर्णा रसोईयों के संचालन हेतु कार्य करने लिए इन्छुक संस्थान/ दानदाता/ एन.जी.ओ.आदि, यानि कार्यरत प्रतिश्ठित गैर शासकीय/धार्मिक/स्वयंसेवी कल्याणकारी संस्था/सहकारी संघ/फर्म/कॉर्पोरेट/स्थानीय स्वयं सहायता समूह/क्षेत्र स्तरीय संघ/नगर स्तरीय संघ इत्यादि (आवेदक) से रसोई संचालक संस्थान के रूप में सूचीबद्ध एवं चयन करने हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन-पत्र मय प्रस्ताव बंद लिफाफे में इस कार्यालय के द्वारा दिनांक 23.11.2026 को प्रातः 11.00बजे से दिनांक 07.12.2026 को सांय 5.00 बजे तक इस अभिरूची की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) के माध्यम आमंत्रित किये जाते है।

क सं.	प्रस्तावित स्थान का नाम	रसोई की संख्या	नवीन श्री अन्नपूर्णा रसोई संचालन हेतु प्रस्तावित चयनित स्थान (स्थान व भवन) का विवरण
1	नगर परिषद, जालोर	07	1.रेल्वे स्टेशन के पास न0प0 का पुराना चुंगी नाका, जालोर 2.राजकीय महिला महाविद्यालय के सामने न0प0 का पुराना चुंगी नाका जालोर 3.रीको पार्क के पास, औद्योगिक तृतीय चरण, जालोर 4.जिला उद्योग केन्द्र के पीछे औद्योगिक द्वितीय चरण, जालोर 5.जिला अस्पताल ट्रोमा सेन्टर, जालोर 6.नगर परिषद, के पास अस्पताल रोड, जालोर 7.प्राईवेट बस स्टेण्ड के अंदर जालोर
2	नगर पालिका भीनमाल	04	1.राजकीय अस्पताल, पुरानी जुजांणी बस स्टेण्ड, भीनमाल 2.करडा चार रास्ता, रानीवाडा रोड भीनमाल। 3. बस स्टेण्ड के अन्दर भीनमाल 4. कृषि मण्डी रामसीन रोड भीनमाल
3	नगर पालिका सांचौर	03	1.न्यू बस स्टेण्ड, सांचौर 2.सब्जी मण्डी, सांचौर 3.राजकीय अस्पताल के सामने सांचौर

इसमें प्रत्येक श्री अन्नपूर्णा रसोई हेतु इच्छुक आवेदक संस्थान को इस कार्यालय में अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, जिसमें इच्छुक आवेदक संस्थान को अपने प्रत्येक आवेदन के साथ में प्रतिभूति राशि 10,000/-रू0 कमशः हिन्दी भाषा में "आयुक्त, नगर परिषद् जालोर" अथवा अंग्रेजी भाषा में "Commissioner Municipal Council Jalore" के नाम से जारीसुदा वैद्ध डी0डी0/बैंकर्स चैक के माध्यम से इस कार्यालय मे उक्त निर्धारित तिथि तक जमा कराना अनिवार्य होगा या इच्छुक आवेदक संस्थान को प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर अपने आवेदन की उक्त प्रतिभूति प्रतिरसोई 10,000/-रू0 राशि की डी0डी परिषद् कोष में निर्धारित तिथि तक जमा करवाना अनिर्वाय होगा, अन्यथा इसके अभाव में संबंधित रसोई के लिए संबंधित आवेदक संस्थान का आवेदन स्वीकार योग्य नही होगा।

उक्त प्रस्तावित श्री अन्नपूर्णा रसोईयों के संचालन हेतु एक से अधिक आवेदन-पत्र मय प्रमाण-पत्र मय प्रस्ताव प्राप्त होने की स्थिति में एक प्रतिष्ठित/स्थानीय संस्थान को प्राथमिकता से चयन करने के लिए स्वायत्त शासन विभाग,राजस्थान सरकार के द्वारा गठित जिला स्तरीय समन्वय एवं मोनिटरिंग समिति, जालोर का ही निर्णय अन्तिम होगा, जिसमें उक्त गठित समिति के द्वारा पारदर्शिता उक्त निर्धारित अवधि मे प्राप्त प्रस्तावों का परीक्षण कर उसकी सक्षमता, कार्यनुभव, सेवाभाव एवं कार्यकलापों के आधार पर वरीयता देते हुए चयन किया जावेगा।

इस अभिरूची की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) के माध्यम से यदि कोई आवेदक संस्थान/दानदाता/एन.जी.ओ. आदि अपने स्वयं के खर्चे पर श्री अन्नपूर्णा रसोई का संचालन करने का आवेदन मय प्रस्ताव प्रस्तुत करते है तो उसे उक्त गठित समिति के द्वारा उस आवेदक संस्थान/दानदाता/एन.जी.ओ. आदि के चयन पर समुचित निर्णय मय सक्षम स्वीकृति उपरांत उस श्री अन्नपूर्णा रसोई के संचालन हेतु निःशुल्क भवन, बिजली, पानी उपलब्ध करवाया जावेगा।

उक्त विषयक अधिक जानकारी के लिए कार्यालय दिवस में एवं समय में सम्पर्क किया जा सकता है।

श्री अन्नपूर्णा रसोई योजनान्तर्गत यह अभिरूची की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) के माध्यम अद्योहस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर मय इस कार्यालय की मोहर से दिनांक 23.11.2026 को जनहित में व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रसारित की जाती है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/13698 नगरपरिषद, जालोर

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner
Email ID-eepheddn1bkn@gmail.com Contact No. 0151-2941473
No. 4630-4655 Date:23/11/26

Notice Inviting Bid : 37-39/2026-27

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 04.12.2026 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 70.97 Lacs.
UBN No. PHE2627WSRC07189, PHE2627WSRC07190, PHE2627WSRC07191

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(Bharat Tanwar)
Executive Engineer PHED, Distt (R) Div I Bikaner

DIPR/C/18653/2026

Municipal Council Dholpur
S.No. – 9977-80 Date –26.11.2026

Corrigendum

Name of work :- 1. DE-SILTING OF MAIN LINE TRUNK LINE (DIA. 250 MM TO 1000 MM) LAID UNDER RUIDP- II PHASE
Nit no. – E-36
UBN NO. – DLB2627WSOB24288
Tender Id - 2026_DLB_605800_1

Event	Earlier	Revision
Online summission date and time	26.11.2026 upto 6 PM	07.12.2026 upto 6 PM
Physically submitted original stamp and proof of payment	27.11.2026 upto 2 PM	08.12.2026 upto 2 PM
Technical Bid open date and time	27.11.2026 at 3 PM	08.12.2026 at 3 PM

Raj.Samwad/C/26/13703

Commissioner
Municipal Council Dholpur

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

ई-बोली आमंत्रण सूचना

इच्छुक बोली दाताओं से ऑनलाइन ई- बोलिया आमंत्रित की जाती है:

1. दो वर्ष की अवधि हेतु 145 के. वी. SF-6 सर्किट ब्रेकरों के 292 नग की अनुबंध के आधार पर खरीद (BN-9016002607, यू.बी.न. - VPN2627GLRC01609)
2. दो वर्ष की अवधि हेतु 198 के. वी.-10 KA के 212 नग, वं 120 के.वी.-10 KA के 935 नग लाइटनिंग अरेस्टरों की अनुबंध के आधार पर खरीद (BN 9016002608, यू.बी.न. VPN2627GLRC01610)
3. दो वर्ष की अवधि हेतु 110 वोल्ट-200AH के 106 सेट, 220 वोल्ट-200AH के 6 सेट, वं 220 वोल्ट-400AH के 64 सेट स्टेशनरी लेड, सिड (ट्यूबलर प्रकार) बैटरी सेट्स, सैन कंटेनर सहित, की अनुबंध के आधार पर खरीद (BN -9016002609, यू.बी.न. VPN2627GLRC01611)
4. 33 के.वी. इनकमर C&R पैनल (टाइप-A1) के 242 नग, 2x33 के. वी. फीडर C&R पैनल (टाइप-B) के 222 नग तथा 1x33 के.वी. फीडर C&R पैनल (टाइप-B1) के 266 नग, अनिवार्य स्पेयर्स सहित, की अनुबंध के आधार पर खरीद (BN-9016002610, यू.बी.न. -VPN2627GLRC01612)

विस्तृत एनआईबी और बोली दस्तावेज / विनिर्देश वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखने एवं डाउनलोड करने हेतु उपलब्ध हैं। एनआईबी का विवरण वेबसाइट energy.rajasthan.gov.in/rrvpn पर उपलब्ध है।

बोली खोलने की तिथि में संशोधन की सूचना http://eproc.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/rrvpn एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर ही प्रकाशित की जायेगी।

अधीक्षण अभियन्ता (क्रय-II)
राज.संवाद/सी/26/13658 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7846/2026

फैक्टरी में 17 वर्ष से सेवाएं दे रहे सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी के दौरान मौत

भीलवाड़ा के रायला स्थित संगम इंडिया लिमिटेड (यूनिट-2, सरेरी) का मामला

भीलवाड़ा, (निसं)। रायला स्थित संगम इंडिया लिमिटेड (यूनिट-2, सरेरी) में 17 वर्ष से सेवाएं दे रहे सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग को लेकर फैक्टरी के मुख्य गेट पर शव रखकर करीब दस घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। देर रात पुलिस और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मध्यस्थता में हुई वार्ता के बाद प्रबंधन द्वारा 21 लाख रुपए का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का आश्वासन मिलने पर धरना समाप्त हुआ।

- **परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया**



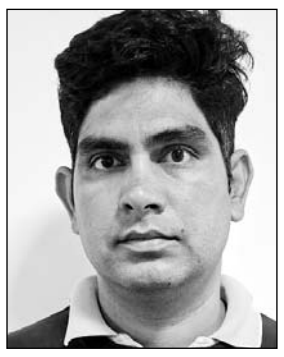
जनप्रतिनिधियों और पुलिस की मौजूदगी में फैक्टरी प्रबंधन व परिजनों के बीच वार्ता हुई।

जानकारी के अनुसार ईरास निवासी पुखराज जाट (50) फैक्टरी परिसर में कॉलोनी इंचार्ज के रूप में गार्डन की देखरेख और सुरक्षा का कार्य संभाल रहे थे। ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। सहकर्मियों द्वारा उन्हें तुरंत रायला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक पुखराज जाट अपने पीछे पांच बच्चों का परिवार छोड़ गए हैं और वे ही घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे।

परिजनों और ग्रामीणों ने फैक्टरी प्रबंधन से 50 लाख रुपए की सहायता राशि और बच्चों के भरण-पोषण का समुचित प्रबंध करने की मांग रखी। मांगों पर तुरंत निर्णय न होने पर आक्रोशित परिजनों ने एम्बुलेंस में शव रखकर फैक्टरी के मुख्य द्वार को घेर लिया। दिनभर से जारी गतिरोध रात 12 बजे तक बना रहा। सूचना पर गुलाबपुरा सीआई संजय गुर्जर पुलिस जाप्ते के साथ पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। जनप्रतिनिधियों धनराज गुर्जर, शक्ति सिंह कालियास, रतनलाल जाट और महेंद्र जाट की मौजूदगी में फैक्टरी प्रबंधन व परिजनों के बीच वार्ता हुई। आखिरकार 50 लाख की जगह 21 लाख रुपए की आर्थिक सहायता तथा मृतक के एक बच्चे को फैक्टरी स्टाफ में स्थायी नौकरी देने पर सहमति बनी। लिखित समझौते के बाद परिजनों ने धरना समाप्त किया, जिसके बाद पुलिस ने शव को रायला मोर्चरी में रखवाया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

50 हजार रु. रिश्वत मांगने वाला फरार पुलिस कांस्टेबल एसीबी के हत्थे चढ़ा

मुहाना थाने में तैनात था आरोपी सुरेश चंद, उसका सहकर्मी 20 हजार रु. लेते गिरफ्तार हुआ था



आरोपी सुरेश चंद चौधरी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वत मांगने के मामले में फरार चल रहे मुहाना थाने के कांस्टेबल सुरेश चंद चौधरी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कांस्टेबल पर परिवादी के खिलाफ दर्ज परिवाद में कार्रवाई नहीं करने और राजीनामा करवाने की एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। मामले में उसका सहकर्मी कांस्टेबल नोरत मीणा पहले ही 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया जा चुका है। एसीबी के अनुसार मुख्यालय में दर्ज प्रकरण में मुहाना थाना, जयपुर दक्षिण आयुक्तालय में तैनात कांस्टेबल नोरत मीणा और सुरेश चंद चौधरी के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी। शिकायत के सत्यापन के दौरान 21 जुलाई 2026 को दोनों कांस्टेबलों की ओर से 50 हजार रुपए रिश्वत मांगना और 20 हजार रुपए लेने पर सहमत होना प्रमाणित हुआ था।

- **आरोपी सुरेश चंद ने परिवादी से राजीनामा करवाने और शिकायत पर कार्रवाई नहीं करने की एवज में मांगी थी घूस**

इसके बाद एसीबी ने 23 जुलाई को ट्रैप कार्रवाई की। इस दौरान कांस्टेबल नोरत मीणा को 20 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया था। उसे न्यायालय में पेश किया गया। वहीं ट्रैप कार्रवाई की भनक लगने पर कांस्टेबल सुरेश चंद चौधरी अपने कार्यस्थल और निवास स्थान से फरार हो गया था। तब से एसीबी उसकी तलाश कर रही थी।

जिस पर एसीबी मुख्यालय की चौकी एसआईडब्ल्यू की ओर से मामले का अनुसंधान किया जा रहा है। जिस पर गुरुवार को जांच अधिकारी पुलिस उप अधीक्षक सुरेंद्र पंचोली ने फरार आरोपी कांस्टेबल सुरेश चंद चौधरी को गिरफ्तार किया।

जयपुर में छिपकर फरारी काट रहा मध्यप्रदेश का हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

हत्या के मामले में सजा के बाद पुलिस अभिरक्षा से फरार हुआ था आरोपी, पिछले एक साल से जयपुर में था

जयपुर (कासं)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने वांछित एवं फरार अपराधियों की धरपकड़ के अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के हिस्ट्रीशीटर अल्ताफ खान हुसैन (50) को गिरफ्तार किया है। आरोपी हत्या के एक मामले में सजा होने के बाद पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। वह जयपुर में अपनी पहचान छिपाकर करीब एक साल से रह रहा था।



आरोपी अल्ताफ हुसैन

- **आरोपी के खिलाफ मंदसौर के श्यामगढ़ थाने में 8 से 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं**

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल एवं स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई के संबंध में ओमप्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अल्ताफ खान हुसैन मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के श्यामगढ़ स्थित सिनेमा रोड, कसी मोहल्ले का निवासी है। वर्तमान में वह जयपुर के नाई की थडी, जयसिंहपुरा खोर क्षेत्र में रह रहा था।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मूल रूप से श्यामगढ़ का रहने वाला है और मंदसौर में अलमारी बनाने का काम करता था। उसके विरुद्ध श्यामगढ़ थाने में लडाई-झगडे सहित करीब 8 से 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में धर्मेंद्र नामक युवक की हत्या के मामले में गिरफ्तार होने और बाद में पुलिस अभिरक्षा से फरार होने की जानकारी दी। इस मामले में न्यायालय से उसे सजा हुई थी।

जेल ले जाते समय रास्ते में भोजन करने के दौरान वह पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। इसके बाद वह जयपुर आ गया और नाई की थडी क्षेत्र में पहचान छिपाकर रहने लगा।

स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि सीएसटी की टीम पिछले करीब तीन माह से आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। टीम ने उसके संभावित ठिकानों पर निगरानी रखकर गतिविधियों की जानकारी जुटाई। इसके बाद उसे दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी के मध्यप्रदेश में दर्ज आपराधिक मामलों और पुलिस अभिरक्षा से फरार होने के घटनाक्रम के संबंध में संबंधित पुलिस इकाइयों से विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। इस कार्रवाई में सीएसटी पुलिस निरीक्षक सुनील की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम के विजयपाल, वेदवीर, राजेंद्र और प्रदीप सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने भी आरोपी की तलाश और गिरफ्तारी में योगदान दिया।

'सहकारी संस्थाओं में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द'

जयपुर (कासं)। प्रदेश की विभिन्न सहकारी संस्थाओं में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शीघ्र शुरू होगी। इस संबंध में गुरुवार को शासन सचिवालय में सहकारिता विभाग के शासन सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें राजस्थान राज्य सहकारी भर्ती बोर्ड के माध्यम से प्रस्तावित भर्तियों की प्रगति और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

शासन सचिव ने प्राथमिक भूमि विकास बैंकों (पीएलडीबी), राज्य भूमि विकास बैंक (एसएलडीबी), राजस्थान सहकारी डेयरी संघ (आरसीडीएफ), शहरी सहकारी बैंकों, पैक्स/लैम्प्स और ऋण पर्यवेक्षकों के रिक्त पदों की समीक्षा कर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संस्थाओं को रिक्त पदों का अद्यतन और वर्गवार विवरण उपलब्ध करवाने को कहा। उन्होंने आरसीडीएफ एवं संबंधित शीर्ष सहकारी संस्थाओं को आपसी समन्वय से रिक्त पदों की सूचना संकलित करने तथा राजस्थान राज्य सहकारी भर्ती बोर्ड को बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) के साथ समन्वय कर परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। शासन सचिव ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता व समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, राष्ट्रीय एकता का आधार : देवनानी

विधानसभा में 1952-1956 तक रही अजमेर दीर्घा का लोकार्पण और वेबसाइट का शुभारंभ

जयपुर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन संचालन का कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और नागरिक अधिकारों का आधार है। संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का अधिकार देता है। नई पीढ़ी को संविधान के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी देना आवश्यक है। वे गुरुवार को विधानसभा में संविधान दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।



स्पीकर वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधानसभा में रखे संविधान को नमन किया।

- **स्पीकर ने 95 वर्षीय पूर्व विधानसभा रिपोर्टर पन्नालाल शर्मा का सम्मान किया, संविधान के मूल स्वरूप में अंकित 22 चित्रों की बताई महत्ता**

देवनानी ने विधानसभा राजनीतिक आख्यान संग्रहालय में अजमेर विधानसभा दीर्घा का लोकार्पण और अजमेर विधानसभा की वेबसाइट का शुभारंभ किया। उन्होंने अजमेर विधानसभा में रिपोर्टर रहे 95 वर्षीय पन्नालाल शर्मा को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। दीर्घा में 1952 से 1956 तक की अजमेर विधानसभा की ऐतिहासिक और राजनीतिक यात्रा को प्रदर्शित किया गया है। देवनानी ने कहा कि संविधान के मूल स्वरूप के 22 भागों में 22 चित्र भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत को दर्शाते हैं। इनमें सिंधु घाटी सभ्यता, वैदिक काल, श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, मौर्यकाल, विक्रमादित्य का दरबार, नालंदा विश्वविद्यालय, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोबिंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई, टीपू सुल्तान, महात्मा गांधी, आजाद हिंद फौज, हिमा। डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. निष्ठा जसवाल ने कहा कि संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। समारोह में विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, छात्र-छात्राएं, शिक्षक और विधानसभा के अधिकारी मौजूद रहे।लय, मरुस्थल और समुद्री यात्रा के चित्र शामिल हैं। उन्होंने संविधान में हुए प्रमुख संशोधनों का उल्लेख करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखंडता शब्दों का समावेश, मौलिक कर्तव्य, शिक्षा का अधिकार, पंचायतीराज एवं शहरी निकायों को संवैधानिक दर्जा तथा मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष करने को महत्वपूर्ण बताया।

पुलिस कमिश्नर शनिवार को करेंगे जनसुनवाई

जयपुर । आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने तथा पुलिस और आमजन के बीच संवाद मजबूत करने के उद्देश्य से जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल 28 नवंबर को पुलिस थाना खोरा बिसल में दोपहर 11:30 बजे से 1:30 बजे तक जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान झोटवाड़ा सर्किल के पांच पुलिस थानों खोरा बिसल, झोटवाडा, करधनी, मुरलीपुरा और कालवाड़ क्षेत्र के परिवादियों की शिकायतें सुनी जाएंगी।

पुलिस कमिश्नर संबंधित परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और परिवेदनाओं की जानकारी लेंगे। पुलिस की ओर से आमजन की समस्याओं के समाधान और परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के लिए विभिन्न थाना क्षेत्रों में इस तरह की जनसुनवाई आयोजित की जा रही हैं।

सार-समाचार

निर्माणाधीन ब्राह्मण भवन का अवलोकन



जयपुर । माचड़ा स्थित श्याम विहार विस्तार, गौड़ो की ढाणी में ब्राह्मण समाज राजस्थान के तत्वावधान में भव्य ब्राह्मण भवन निर्माणाधीन है, इसका अवलोकन ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अंबिका प्रकाश पाठक एवं जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने किया। पदाधिकारियों ने भवन के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा ठेकेदार को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए निर्माण कार्य में गुणवत्ता, मजबूती एवं सुंदरता का विशेष ध्यान रखने की बात कही। उन्होंने भवन को भव्य, आकर्षक एवं समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने कहा कि यह भवन समाज की एकता, संगठन, संस्कार एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। भवन का उद्देश्य समाज को एक ऐसा सशक्त एवं सुविधायुक्त स्थान उपलब्ध करवाना है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बने। इस दौरान जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा एवं जिला मंत्री ओमप्रकाश रीडर उपस्थित रहे।

परिचय सम्मेलन में जुटे 30 परिवार



श्री मैथिल ब्राह्मण महासभा की प्रदेश इकाई ने प्रदेश संरक्षक जीडी पाराशर की 103 वर्षीय माता फूलवती देवी का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

जयपुर । श्री मैथिल ब्राह्मण महासभा (भारत) की प्रदेश इकाई राजस्थान की ओर से झोटवाड़ा स्थित श्री मैथिलेश्वर शिव हनुमान राम मंदिर, ओम शिव कॉलोनी में अन्नकूट प्रसादी, पारिवारिक संगोष्ठी एवं परिचय सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में करीब 30 परिवारों ने मंच पर अपना परिचय दिया। पहली बार आयोजित इस परिचय सम्मेलन के बाद युवक-युवती परिचय सम्मेलन कराने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर, बच्चों के खेल और मानसिक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। म्यूजिकल चेयर में माला शर्मा विजेता रहीं, जबकि लॉटरी में डॉ. चारू शर्मा को प्रथम पुरस्कार के रूप में कैरम बोर्ड प्रदान किया गया। बाल विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चंद ने कवि कोकिल शिरोमणि विद्यापति के जीवन पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय संयोजक बीएस झा ने समाज की एकजुटता और प्रगति की जानकारी दी। प्रदेश संरक्षक जीडी पाराशर ने मैथिल ब्राह्मण समाज की उत्पत्ति के बारे में बताया। महिला मंडल अध्यक्ष डॉ. चारू शर्मा एवं माला शर्मा ने सामाजिक समरसता और महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया। महासचिव राजेश झा ने समाज को एकजुट रहने का संकल्प दिलाया। एडवोकेट सुनील ओझा ने समाज को विधिक सलाह एवं सेवा देने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर प्रदेश संरक्षक जीडी पाराशर की 103 वर्षीय माता फूलवती देवी का महिला मंडल एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। रामकिशन शर्मा ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। अंत में एचके झा एवं हेमंत मिश्रा ने सहयोगकर्ताओं का आभार जताया। शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ और सभी समाजबंधुओं ने सामूहिक रूप से अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की।

"शिरीष" की पहली प्रति राज्यपाल को भेंट



जयपुर । स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत सेंटवेव ऑर्गेनाइजेशन की स्मारिका 'शिरीष' की प्रथम प्रति संस्था की संस्थापक शिवाली गुप्ता ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को भेंट की। राज्यपाल ने संस्था के जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की। स्मारिका भेंट के दौरान संस्था के उपाध्यक्ष कमलनयन खंडेलवाल एवं विधि सलाहकार डॉ. आराधना परमार भी उपस्थित रहे। संस्था "बी अवेयर, स्टे अवेयर एंड कीप अवेयर" (खुद जागरूक रहें, जागरूक बने और दूसरों को भी जागरूक करते रहें) की टैगलाइन के साथ काम कर रही है। संस्था की ओर से भविष्य में भी जागरूकता के बेहतरीन प्रयास का संकल्प जताया।

एम.जी.डी. स्कूल में नेतृत्व कौशल सीख रहीं देश-विदेश की 50 छात्राएं

जयपुर । महारानी गायत्री देवी (एमजीडी) गर्ल्स स्कूल में छात्राओं के व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता को निखारने के लिए अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व कार्यक्रम 'लीड-आईएमजीडी 2026' का आयोजन किया जा रहा है। गत 22 नवंबर से शुरू हुआ यह कार्यक्रम 5 दिसंबर तक चलेगा। कार्यक्रम के तीसरे संस्करण में करीब 50 छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं।



कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों और शहरों के प्रतिष्ठित स्कूलों के साथ जर्मनी, फ्रांस, शारजाह और भूटान की छात्राएं भी शामिल हैं। विभिन्न संस्कृतियों की छात्राओं को साझा मंच पर सीखने और अनुभवों के आदान-प्रदान का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम के तहत नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, सामूहिक कार्य, संवाद कौशल, समस्या समाधान और उद्यिमता जैसे गुण विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम में "द लीडर विदिन", "आइडेंटिटी लैब", "एंटरप्रेन्योरशिप लैब" और "100-डे चैलेंज" जैसी कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है। भूटान के हैप्पीनेस गुरु डॉ. सामदू छेत्री का विशेष सत्र भी आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही छात्राएं जयपुर की पारंपरिक ब्लू पॉटरी, टाई एंड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग और कठपुतली निर्माण जैसी कलाओं से रूबरू हो रही हैं।

सुनील कुमावत जयपुर के उप जिला प्रमुख बने

जयपुर । प्रदेश में 37 जिला परिषद में गुरुवार को उप जिला प्रमुख पद के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 25 जिला परिषदों में उपजिला प्रमुख बनवाने में सफलता हासिल की है, भाजपा ने 8 जिला परिषदों में अपने उप जिला प्रमुख बना दिए हैं, तथा नागौर जिला परिषद में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के उप जिला प्रमुख निर्वाचित हुए हैं। भारतीय आदिवासी पार्टी ने भी 3 जिलों में उप जिला प्रमुख बनवा दिए है।

जयपुर जिला परिषद् जयपुर के उप प्रमुख पद के निर्वाचन में इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी सुनील कुमार कुमावत निर्वाचित हुए हैं। निर्वाचन में सुनील कुमार कुमावत को 41 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सीता राम शर्मा को 13 मत मिले। इस प्रकार दोनों प्रत्याशियों को कुल 54 विधिमान्य मत प्राप्त हुए। यहां कुल 55 मत डाले गए। इनमें से 54 मत विधिमान्य तथा एक मत प्रतिक्षेपित हुआ। निविदत्त मतों की संख्या शून्य रही तथा नोटा के पक्ष में भी कोई मत प्राप्त नहीं हुआ। इस तरह से कांग्रेस प्रत्याशी सुनील कुमार कुमावत को जिला परिषद् जयपुर के उप प्रमुख पद पर विधिवत निर्वाचित घोषित किया तथा शपथ दिलाई। दौसा जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशीछोटू राम मीणा, धौलपुर जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी वीर सिंह, अलवर जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी अर्जुनसिंह, चित्तौडगढ़ जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी रामेश्वर लाल धाकड, जालौर जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी ममता बिश्नोई, टोंक जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी आसाराम धाकड, भरतपुर जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी राजेश कुमार, बूंदी जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी उच्छब लाल, झुंझुनू जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी आशुतोष मीना, बाडमेर जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी प्रेम कंवर, हनुमानगढ़ जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी रामकुमार, भीलवाडा जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी सुनीता, सीकर जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी रमेश बेरवाल, चूरू जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी छोटू लाल, डीग जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी नीलम राव, जोधपुर जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी ओमप्रकाश, कोटपूतली बहरोड जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी रमा गुर्जर, बांसवाडा जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी प्रियंका कंवर, बीकानेर जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी मदनलाल, डीडवाना कुचामन जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी हितेश्वर, फलोदी जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी विमला, राजसमंद जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी उदय सिंह, सवाई माधोपुर जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश, सिरोही जिला परिषद में कांग्रेस प्रत्याशी लखमाराम उप जिला प्रमुख पद पर निर्वाचित हुए है।

- **प्रदेश में कांग्रेस के 25 और भाजपा के आठ उप जिला प्रमुख बने**

गारमेंट्स फैक्ट्री पर छापेमारी कर छह बाल श्रमिकों को मुक्त कराया, ठेकेदार गिरफ्तार

मुरलीपुरा क्षेत्र में रोड नंबर-9 पर नीलगिरी कॉलोनी स्थित मोनिका गारमेंट्स पर पुलिस की कार्रवाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी के मुरलीपुरा क्षेत्र में बालश्रम करवाने का मामला सामने आया है। नीलगिरी कॉलोनी रोड नंबर-9 स्थित मोनिका गारमेंट्स पर पुलिस ने छापेमारी कर सिलाई का काम कर रहे छह नाबालिग बच्चों को मुक्त करवाया। बच्चों से एक मकान के प्रथम तल पर बने हॉल में गंदगी और बदबू के बीच सिलाई करवाई जा रही थी। पुलिस ने बालश्रम करवाने के आरोप में सिलाई ठेकेदार मोहम्मद जाहिर (29) निवासी अलीनगर कलां, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। मुक्त करवाए गए सभी बच्चों को संरक्षण के लिए प्रयास जेएसी सोसायटी, जयपुर के सुपुर्द किया गया है।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि मानव तस्करी विरोधी यूनिट, जयपुर पश्चिम को सूचना मिली थी कि मुरलीपुरा थाना क्षेत्र की नीलगिरी कॉलोनी स्थित एक मकान में बच्चों से बालश्रम करवाया जा रहा है। इस पर मुरलीपुरा थाना पुलिस और मानव तस्करी विरोधी यूनिट की संयुक्त टीम ने गारमेंट प्लांट पर दबिश दी। पुलिस टीम सादा वस्त्रों में निजी वाहन से लैपटॉप, प्रिंटर और अनुसंधान बॉक्स लेकर मौके पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान प्रयास जेएसी सोसायटी के समन्वयक सईद खान और महेश बंजारा भी टीम के साथ मौजूद रहे।

- **बदबूदार और गंदे हॉल में करवाई जा रही थी बच्चों से सिलाई, सुबह 8 से रात 9 बजे तक काम करने की बात सामने आई**
- **पुलिस ने सिलाई का सामान जब्त कर बच्चों को संस्था के सुपुर्द किया**

मैले कपड़ों में सिलाई मशीनों पर मिले बच्चे

पुलिस टीम ने मकान के प्रथम तल पर बने हॉल की जांच की तो वहां छह नाबालिग बच्चे सिलाई मशीनों पर कपड़े सिलते मिले। सभी बच्चे मैले-कुचैले कपड़ों में थे। हॉल में कपड़े और अन्य सामान बिखरा हुआ था तथा वहां दुर्गंध और गंदगी का माहौल था। पुलिस ने ई-साक्ष्य एप के माध्यम से मौके की वीडियोग्राफी कर साक्ष्य अपलोड किए। बच्चों ने पूछताछ में बताया कि वहां मौजूद ठेकेदार मोहम्मद जाहिर उनसे सिलाई का काम करवाता था। सिलाई में गलती होने पर वह उन्हें डांटता था।

सुबह 8 से रात 9 बजे तक करवाता था काम

जांच में सामने आया कि बच्चों से सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक लगातार काम करवाया जाता था। ठेकेदार उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा का भी ध्यान नहीं रखता था। बच्चों को लंबे समय तक एक ही स्थान पर रखकर सिलाई का काम करवाने और उन्हें शारीरिक व मानसिक कष्ट देने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने मौके से सिलाई में इस्तेमाल होने वाला सामान जब्त किया है।

पुलिस ने मौके से छह कैंची, चार छोटी धागा कट्टी, चार बड़ी धागा कट्टी, छह अर्धनिर्मित लेडीज पायजामे, दो अर्धनिर्मित कुर्तियां और दो तैयार प्रिंटेड पायजामे जब्त किए। मुक्त करवाए गए छह बच्चों को संरक्षण के लिए प्रयास जेएसी सोसायटी के समन्वयक सईद खान को अस्थायी रूप से सुपुर्द किया गया है। यह कार्रवाई एडिशनल डीसीपी (एसआईयूसीएडब्ल्यू) मनराज और झोटवाड़ा एसीपी शिव कुमार भारद्वाज के निर्देशन में मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील तथा मानव तस्करी विरोधी यूनिट, जयपुर पश्चिम के प्रभारी रामशरण के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने ठेकेदार मोहम्मद जाहिर के खिलाफ मामला दर्ज कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों के तहत नोटिस दिया है। उसे निर्धारित समय पर न्यायालय में उपस्थित होने के लिए पाबंद किया गया है। मामले की जांच मुरलीपुरा थाना पुलिस कर रही है।

ARBiT
it happens here...



Celebrating Lancashire Day: Honouring Heritage and Community Spirit

Lancashire Day, celebrated annually on November 27, honours the historic county of Lancashire in England and its rich cultural heritage. The date marks the moment in 1295 when Lancashire first sent representatives to the Model Parliament of King Edward I, symbolizing the county's enduring civic pride. On this day, locals celebrate with traditional events, readings of the Lancashire Day proclamation, and displays of the red rose emblem, the county's historic symbol. It's also a time to celebrate Lancashire's unique dialect, cuisine, and community spirit, reaffirming a deep sense of identity and belonging among its people.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
27 November 2026
A-B

#FABRIC

Why Water Is the Number One Enemy of Dhakai Jamdani

Even conventional dry cleaning may not be suitable for particularly delicate or traditionally woven pieces. The reason is the structure of the fabric itself





Dhakai Jamdani is one of the most delicate handwoven textiles in the world. Its beauty lies not only in its intricate motifs but also in the extraordinary skill and patience required to create them. Yet, there is one surprising enemy that can damage this delicate fabric: water.

Unlike ordinary cotton sarees, a traditional Dhakai Jamdani should not simply be soaked in water and washed. Regular hand washing and machine washing are not recommended for fine Jamdani. Even conventional dry cleaning may not be suitable for particularly delicate or traditionally woven pieces. The reason is the structure of the fabric itself.

Jamdani is woven on a handloom using extremely fine yarns, with decorative motifs inserted into the base fabric by hand. These supplementary threads create the characteristic raised patterns that make Jamdani so distinctive. The finer and more intricate the weaving, the more carefully the saree needs to be handled.

Water can affect the yarn, cause uneven shrinkage or distortion, and put stress on the delicate supplementary-weft motifs. Vigorous rubbing or twisting can be even more damaging. A saree that took months of painstaking work to weave can therefore lose its shape, texture, or finish through ordinary washing.

So, how is a traditional Dhakai Jamdani cleaned?

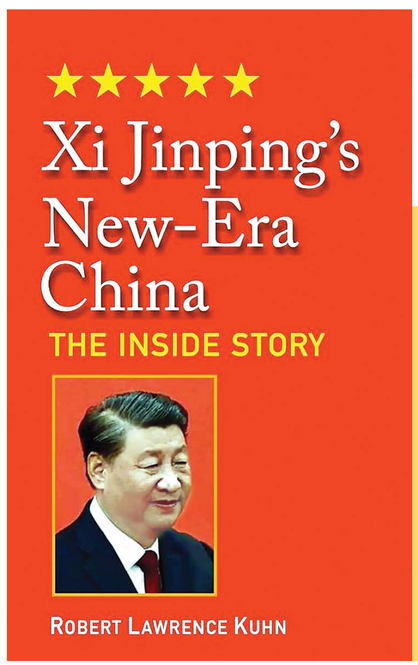
One traditional method associated with specialist weavers is known as "kaata wash." It is not an ordinary household washing technique. It is a specialised process in which the textile is handled with great care, using methods known to experienced Jamdani weavers and textile specialists. The objective is to clean the fabric while minimising the stretching, friction, and stress that ordinary washing can cause.

This is why an authentic, delicate Dhakai Jamdani should not be treated like an everyday cotton saree. Before attempting any cleaning, it is safest to consult the weaver, specialist seller, or textile conservator who understands that particular piece.

The paradox of Jamdani is beautiful: a fabric associated with cotton and everyday clothing can require extraordinarily delicate care. Its threads may look simple, but behind every motif is hours of human craftsmanship.

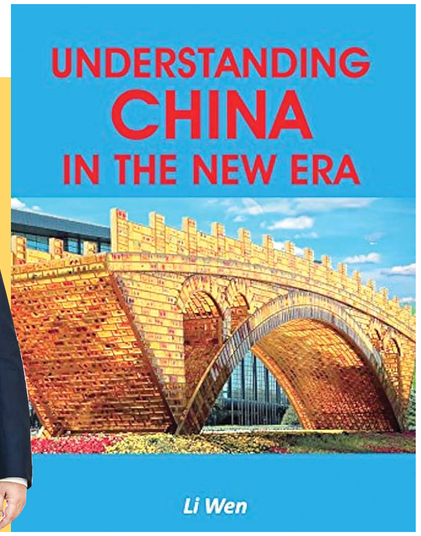
For a precious Dhakai Jamdani, therefore, cleaning is not simply a matter of putting a saree into water. It is a specialised part of preserving the weave itself.





Understanding Xi Jingping's New Era China

Kuhn sees Xi's worldview founded on three philosophical pillars. The first, a grand vision for China as an exemplary country with common prosperity for all and a leading world power respected globally for its wisdom and interests. Next is Marxism adapted for China, and finally, Chinese ancient civilisation, its wisdom and traditions, political structure, ethics and morality. He sees himself as a 'Philosopher King.' The seniormost political leader and thinker.





Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

#BOOK REVIEW

The book, laid out in fifteen chapters, is basically a compilation of 190 essays from 2012 to 2025 on contemporary events. This was the "extraordinary period of Xi's leadership from around 2012, before the 18th National Congress of the Communist Party of China." This also covers the later period since 2017...

Xi Jinping declared his rule to be a 'New Era' in The Party's Third Historical Resolution of 2021, which cemented his place in history and declared his leadership 'the key to the great rejuvenation of the Chinese nation.' The Party distinguishes the New Era from the two previous eras in the history of the People's Republic of China (PRC). In the first, the Mao Zedong era (1940-78) and second, the Deng Xiaoping era (1979-2012).

Xi Jingping's *New Era China*, written by Robert Lawrence Kuhn and published in India by Pentagon Press, covers the extraordinary period of Xi Jinping's leadership from 2012 to now as the Chinese President emerged as the country's most powerful leader since Mao Zedong. This book explores his vision and the strategy and the context behind them.

Kuhn is a western Sinologist who has stayed and worked in China since 1988, interacted with thousands of Chinese across the spectrum, written many books and articles on the country's politics, society and economy including the biography of Jiang Zemin. Considered an insider, but while he does not see China as a ruthless authoritarian state, he is also not an uncritical admirer. With a doctorate in brain research, he analyses Xi's speeches through the 'eye of a scientist.' The book is thus a balance between objectivity and context and an insider's perspective.

The Book

In the "Overview," Kuhn states that "India needs to learn more about China, especially about Xi Jinping himself: how he thinks; his philosophies, policies and plans, domestic and international."

China impacts every aspect of global economics and geopolitics and President Xi wields unprecedented power over the country while laying down its vision and overseeing its functioning. The book's purpose 'is to tell the inside story.' The book, laid out in fifteen chapters, is basically a compilation of 190 essays from 2012 to 2025 on contemporary events. This was the "extraordinary period of Xi's leadership from around 2012, before the 18th National Congress of the Communist Party of China." This also covers the later period since 2017 when Xi became China's senior leader, following the 19th CPC National Congress, "when Xi became China's most powerful leader since Mao Zedong."

Xi Jingping's political philosophies and ideas, encompassed by the word 'thought,' began immediately after becoming the General Secretary in November 2012. In October 2016, Xi was designated the 'Core' of the CPC Central Committee and of the entire Party. According to the Party line, 'not only does he have responsibility for China's transformation, but he is also accountable for it.' The author states that in the Chinese political system, the Party has absolute control of the country, while the Party is controlled by its ideology. Xi therefore, absolutely and perennially, controls both the Party and country. Understanding China's political system requires understanding how the Party implements its leadership through its hierarchical system. Xi and the Party, 'which is the ruling organisation and not a competing political party,' have both been explored in depth in the book and this helps in understanding China.

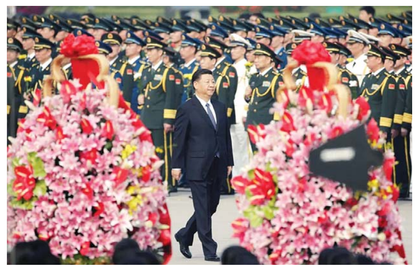
Kuhn sees Xi's worldview founded on three philosophical pillars. The first, a grand vision for China as an exemplary country with common prosperity for all and a leading world power respected globally for its wisdom and interests. Next is Marxism adapted for China, and finally, Chinese ancient civilisation, its wisdom and traditions, political structure, ethics and morality. He sees himself as a 'Philosopher King.' The seniormost political leader and thinker.

To know China is also to know the Politburo Standing Committee (PSC) members. These seven men are the ones who wield the power in the country. But while its importance remains, one cannot overstate the consequences of Xi's name 'written in the Party's Constitution, thus ensuring his pre-eminence in the country's political life.'

The goals of China are also important from 2020 to 2035, it will realise 'socialist modernisation' and from 2035 to 2050 'the great rejuvenation of the Chinese nation will be achieved.' China is no longer 'hiding capacities and bidding time' but moving to 'the centre stage.'

On security, he states that 'security is the prerequisite for development and development is the guarantee of security.' The aim is to build a 'world-class military that ensures national security, guarantees national sovereignty, protects territorial integrity and provides strategic support to realise China's dream. The principle being 'maintaining peace through strength' with the Party maintaining absolute control over the military and the military absolute loyalty to the party.' His domestic tours and policies have been analysed in detail. Each visit sends out a message while his focus remains on poverty alleviation. For example, Xi visit to Tibet in 2021 focused on ethnic harmony, ecological conservation, high quality economic development, people's happiness and cultural appreciation.

While military expansion and economic domination are the hallmarks of China, the book brings out that Xi considers poverty reduction to be his most important task. While the author states that programmes to alleviate poverty cannot be taken from one country and imposed on another without adaptation but he feels that both India and China need to share their experiences to fight poverty.





The biggest challenge for India is to get a proper understanding of China and its operating system. Geography and history have decreed that India and China playing increasing roles in global affairs abut each other. In the New World Order, the relationship between the two countries will become the most pivotal.

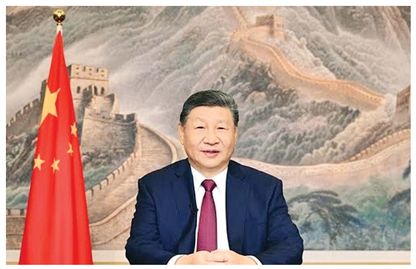
Conclusion

It is said that the Mao made China stand up while Deng made China rich. Xi is now making China strong. India shares a long, disputed border with China along the Line of Actual Control (LAC). The border dispute casts a shadow on relations between both nations as issues of sovereignty and territorial integrity stir patriotic feelings. Hence, it is imperative to understand how China thinks and what drives it so as to be able to handle strategic issues between the two countries.

The biggest challenge for India is to get a proper understanding of China and its operating system. Geography and history have decreed that India and China playing increasing roles in global affairs about each other. In the New World Order, the relationship between the two countries will become the most pivotal.

As Kuhn writes 'like it or not, China is highly relevant for India's long term international and economic strategy.' It is therefore books like this that give a ringside view for those dealing with China as well as scholars and students to understand China and President Xi better.

rajeshsharma1049@gmail.com



#RESHAPING

From Purple Carrots To Seedless Bananas

A popular story claims that they developed orange carrots in honour of the Dutch Royal House of Orange, turning the vegetable into a symbol of national pride

The fruits and vegetables that fill our grocery baskets today look very different from their wild ancestors. Bright orange carrots, sweet seedless bananas, juicy red watermelons and crisp apples may seem like gifts of nature, but centuries of selective breeding, cultivation and agricultural experimentation have transformed them into the foods we recognise today.

What many people do not realise is that humans have been reshaping plants for thousands of years. Farmers selected plants with desirable colours, flavours, sizes and textures, gradually changing their appearance and nutritional characteristics. Some of the most familiar foods on our plates are products of this long relationship between humans and nature.

Carrots Were Not Always Orange

Carrots were originally available in several colours, including purple, yellow and white. Historical evidence suggests that purple and yellow carrots were cultivated in Central Asia before orange varieties became widely popular in Europe.

The orange carrot is often associated with Dutch farmers during the 16th and 17th centuries. A popular story claims that they developed orange carrots in honour of the Dutch Royal House of Orange, turning the vegetable into a symbol of national pride.

Although this patriotic explanation is widely repeated, historians have not established it as the definitive reason for the orange carrot's popularity. What is clearer is that Dutch growers played an important role in developing and popularising orange varieties through selective breeding. Over generations, farmers favoured carrots with brighter colours, sweeter flavours and better storage qualities. The orange carrot eventually became the familiar variety found in supermarkets across the world.



Bananas Once Had Large, Hard Seeds

The banana we eat today is almost unrecognisable compared with its wild ancestors. Wild bananas contained numerous large, hard seeds that occupied much of the fruit's interior, leaving relatively little edible flesh. Their thick skins and seed-filled interiors made them very different from the soft, sweet bananas available in markets today.

Over thousands of years, farmers selected banana plants that produced more edible flesh and fewer hard seeds. Some wild banana plants naturally developed fruits without fully formed seeds through a process called parthenocarpy. Farmers propagated these desirable plants using suckers and other vegetative methods.

Modern cultivated bananas, including the popular Cavendish variety, are largely sterile hybrids. They reproduce through human-assisted propagation rather than ordinary seed production.

However, there is an important distinction: these bananas are not necessarily genetically modified in the laboratory. Their characteristics largely emerged through natural mutations, hybridisation and generations of human selection.

Watermelons Were Not Always Red And Sweet

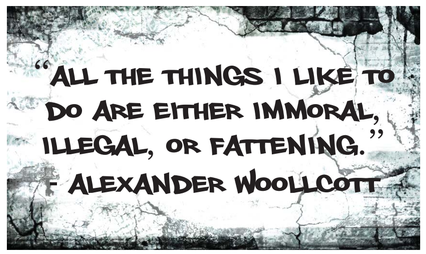
Today's watermelon is a summer favourite, known for its bright red flesh, sweetness and refreshing juice. But its ancestors looked and tasted quite different.

The history of watermelon cultivation goes back thousands of years to Africa. Early varieties were not necessarily the large, sweet, red-fleshed fruits that we recognise today. Some had pale or yellowish flesh, while certain wild relatives were bitter and less suitable for eating. Over generations, farmers selected fruits that were sweeter, juicier and had more appealing flesh. The colour also changed through selective breeding. The development of red flesh is closely linked to the genes involved in sugar accumulation, making the modern watermelon a result of a long process of agricultural improvement.

Historical illustrations from medieval Europe already show red-fleshed watermelons, demonstrating that the transformation began centuries ago. The fruit continued to evolve through cultivation and breeding into the varieties grown today.



THE WALL



BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



चूरू में शॉर्ट सर्किट से रजाई-गद्दे की दुकान में भीषण आग लगी

आग से 15 लाख रुपए का नुकसान हुआ, बाइक भी जली

चूरू, (निसं)। शहर के धर्म स्तूप के पास बिसाऊ मोड़ स्थित रजाई-गद्दे की दुकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान में रखा सामान इसकी चपेट में आ गया। हादसे में दुकान में रखे रजाई-गद्दे सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। वहीं दुकान के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल भी आग की चपेट में

- **दुकानदार ने बताया कि वर्ष 2025 में ही दुकान शुरू की थी,आगजनी की घटना से सब कुछ बर्बाद हो गया**



आग से दुकान में रखे रजाई-गद्दे सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया।

आकर पूरी तरह जलकर राख हो गई।

नीमकाथाना निवासी दुकानदार जावेद खान ने बताया कि दोपहर करीब 1.40 बजे अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग से करीब 15 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में ही दुकान शुरू की थी। अभी सर्दी का सीजन शुरू हुआ था और कारोबार की उम्मीदें थीं, लेकिन आगजनी की घटना से सब कुछ बर्बाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने की सूचना के बाद करीब आधे घंटे बाद दमकल मौके पर पहुंची। दो दमकलों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दुकान में रखा आग बुझाने वाला यंत्र भी काम नहीं आया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

सूचना पर पुलिस जाब्ता भी मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। आग का कारण शॉर्ट सर्किट की आशंका बताया जा रहा है। वहीं रजाई-गद्दे की दुकान के पास में ही मिठाई और टेलर की दुकान है। उनमें भी कुछ नुकसान हुआ है।

तीन साल में भी पूरा नहीं हुआ सरमथुरा कस्बे के रोडवेज बस स्टैंड का निर्माण

निर्माण कार्य की धीमी गति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है

सरमथुरा, (निसं)। देश-विदेश में अपने पत्थर व्यवसाय के लिए पहचान रखने वाले सरमथुरा कस्बे में रोडवेज बस स्टैंड का निर्माण यात्रियों के लिए सुविधा बनने के बजाय परेशानी का सबब बना हुआ है। करीब तीन-चार साल से चल रहा निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो पाया है। निर्माण की धीमी गति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। हालात यह हैं कि यात्रियों को आज भी सड़क किनारे खड़े होकर रोडवेज बसों का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

- **हालात यह हैं कि यात्रियों को आज भी सड़क किनारे खड़े होकर रोडवेज बसों का इंतजार करना पड़ता है**
- **लोगों ने जिला प्रशासन से निर्माण कार्य की समीक्षा कर समयसीमा निर्धारित करने और बस स्टैंड को जल्द शुरू कराने की मांग की**

गौरतलब है कि सरमथुरा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग नौकरी, शिक्षा, चिकित्सा और व्यापारिक कार्यों के लिए रोडवेज बसों से सफर करते हैं, लेकिन बस स्टैंड का निर्माण अधूरा होने से यात्रियों को बैठने, छाया, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। गर्मी में तेज धूप और लू के बीच तो बरसात में बारिश में भीगकर यात्रियों को बसों का इंतजार करना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है।

समाजसेवी सपना गोयल ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन से प्रतिदिन सफर करने वाले यात्रियों को सुविधाजनक और सुरक्षित स्थान मिलना जरूरी है। बस स्टैंड का निर्माण जल्द पूरा होना चाहिए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। वहीं समाजसेवी रवि गर्ग ने कहा कि तीन-चार साल का समय बीतने के बाद भी बस स्टैंड तैयार नहीं होना जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। नवनीत गोयल ने कहा कि बसों के रुकने का निर्धारित स्थान नहीं होने से सड़क पर अव्यवस्था बनी रहती है और यात्रियों की जान जोखिम में रहती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बसों के लिए निर्धारित स्थान नहीं होने से चालक सड़क किनारे ही बसें रोकते हैं। इससे यातायात प्रभावित होता है। बस में चढ़ने और उतरने के दौरान यात्रियों को तेज रफ्तार वाहनों के बीच से गुजरना पड़ता है। शाम के समय महिलाओं और छात्राओं को सड़क किनारे बसों का इंतजार करने में असुरक्षा महसूस होती है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि बस स्टैंड निर्माण पूरा कराने की मांग कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सामने उठाई जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। लोगों ने जिला प्रशासन से निर्माण कार्य की समीक्षा कर समयसीमा निर्धारित करने और बस स्टैंड को जल्द शुरू कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि अब भी निर्माण कार्य में तेजी नहीं लाई गई तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

छबड़ा विद्युतगृह का 2320 मेगावाट विद्युत उत्पादन करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

जयपुर/छबड़ा, (निसं)। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के छबड़ा स्थित 1000 मेगावाट क्षमता के सब क्रिटिकल एवं 1320 मेगावाट क्षमता के सुपर क्रिटिकल पावर प्लांटों से संयुक्त रूप से गुरूवार 26 नवम्बर को अपनी पूर्ण क्षमता पर विद्युत उत्पादन करते हुए 2320 मेगावाट का ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल किया। यह दोनों प्लांटों की कमीशनिंग के बाद से अब तक का सर्वश्रेष्ठ विद्युत उत्पादन है।

- **दोनों विद्युतगृहों से संयुक्त रूप से कमीशनिंग के बाद सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है**

उल्लेखनीय है कि कमीशनिंग के बाद से ही छबड़ा सुपर क्रिटिकल इकाइयों में कुछ तकनीकी समस्याएं बनी हुई थीं, जिनके कारण इनका पूर्ण क्षमता से संचालन प्रभावित हो रहा था। उत्पादन निगम के प्रबन्धन के निर्देशानुसार अभियंताओं ने निरंतर प्रयास करते हुए इन तकनीकी खामियों को दूर किया एवं आवश्यक सुधार कर इकाइयों की कार्यक्षमता एवं विश्वसनीयता को बेहतर बनाया। इन समन्वित प्रयासों का परिणाम है कि आज दोनों प्लांटों ने संयुक्त रूप से कमीशनिंग के बाद अब तक का सर्वाधिक 2320 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से उत्पादन निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

इस अवसर पर राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी ने छबड़ा विद्युतगृह की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर एवं ऊर्जा सचिव आरती डोगरा के मार्गदर्शन एवं सहयोग तथा उत्पादन निगम के अधिकारियों, अभियंताओं एवं कर्मचारियों के अथक परिश्रम, समर्पण और टीम भावना से यह उपलब्धि संभव हो पाई है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इसी प्रकार तकनीकी दक्षता, बेहतर परिचालन एवं सामूहिक प्रयासों के माध्यम से उत्पादन निगम भविष्य में भी उपलब्धियां हासिल करता रहेगा।

मनोहरपुर : ससुराल में मारपीट के बाद विवाहिता की मौत का आरोप

एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए, पुलिस ने जांच शुरू की

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के सुराणा गांव में विवाहिता अंजली की मौत के मामले में उसके भाई रोहित बिडावत ने ससुराल पक्ष पर मारपीट करने सहित गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

- **सुराणा गांव में विवाहिता अंजली की मौत के मामले में उसके भाई ने ससुराल पक्ष पर मारपीट करने सहित गंभीर आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई**

एफआईआर में शिकायतकर्ता रोहित बिडावत निवासी रेलवे स्टेशन खादी बाग, चौमूं ने बताया कि 25 नवंबर की शाम करीब सात बजे उसकी बहन अंजली ने फोन कर ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा उसके साथ मारपीट किए जाने की जानकारी दी। रिपोर्ट में सास हीरा देवी, ससुर रमेश, पति महेंद्र, देवर सागर, ननद आशा देवी, मंजू, पूनम, अंजू तथा ननदोई विक्रम, सुभाष, रवि और बादल सहित अन्य परिजनों पर मारपीट के आरोप लगाए गए हैं।

एफआईआर के अनुसार, सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और अंजली को मनोहरपुर स्थित मेमोरियल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। वहीं शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि अंजली के साथ ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा पूर्व में भी गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी। रिपोर्ट के मुताबिक अंजली का विवाह 16 फरवरी 2023 को सुराणा निवासी महेंद्र मालावत पुत्र रमेश मालावत के साथ हुआ था। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए, ताकि मामले से जुड़े तथ्यों की वैज्ञानिक तरीके से जांच की जा सके। मामले की जांच आरपीएस लक्ष्मीनारायण, सीओ शाहपुरा के स्तर पर है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मेडिकल रिपोर्ट, एफएसएल जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है। वहीं फिलहाल एफआईआर में लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। मामले में वास्तविक घटनाक्रम और मौत के कारण की स्थिति जांच पूरी होने तथा मेडिकल व अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही स्पष्ट होगी।

स्लीपर बस से 37 कार्टन शराब जब्त, चालक गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बिछीवाडा में पुलिस ने उदयपुर से मुंबई जा रही स्लीपर बस से अंग्रेजी शराब और बीयर के 37 कार्टन जब्त किए। शराब की कीमत 6 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने बस ड्राइवर को गिरफ्तार किया है।

बिछीवाडा थाने के प्रभारी देवेंद्र देवल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि ऋषभ ईगल कंपनी की स्लीपर बस की डिग्गी में शराब के कार्टन रखे हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने एनएच-48 पर मैत्री हॉस्पीटल के सामने नाकाबंदी की। पुलिस ने बस रुकवाकर ड्राइवर से पूछताछ की। उसने अपना नाम शैलेंद्रसिंह पुत्र उदयसिंह चुंडावत, निवासी जसवंतपुरा, थाना कानोड, जिला उदयपुर बताया। बस की डिग्गी में सफेद कट्टों की जांच करने पर शराब और बीयर के 37 कार्टन मिले। कार्टन पर फॉर सेल ओनली इन राजस्थान लिखा था। यात्रियों और उनके सामान की तलाशी में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस ने शराब के साथ तस्करी में इस्तेमाल बस भी जब्त की है। तस्करी के नेटवर्क की जांच जारी है। खबर में बिछीवाडा थाने के सीआई देवेंद्र देवल का बयान भी शामिल है।

कार बाजार में चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित सुखाड़िया सर्किल के पास वेलकम और माही कार बाजार में अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर यहां से 18 बैटरियां और तांबे, केबल के तार ले गए। पीड़ितों द्वारा सुभाष नगर थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार, गत रात्रि अज्ञात चोर कार बाजार में घुसे और गेट व अलमारी तोड़कर भीतर रखा सामान समेट ले गए। घटना की जानकारी मिलने पर प्रार्थी शान, जाकिर और गजानंद शर्मा ने थाने पहुंचकर थानाधिकारी को शिकायत सौंपी।

हिस्ट्रीशीटर के दो बीघा चारागाह भूमि पर बने अवैध मकान व बाड़े को तोड़ा

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाको में लगातार अपराध में संलिप्त रहने वाले अपराधियों व उनकी अवैध सम्पति पर कड़ा प्रहार जारी है। देवलीमांझी क्षेत्र में स्थित हिस्ट्रीशीटर देवेन्द्र गुर्जर के अवैध अतिक्रमण पर ग्रामीण पुलिस व प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए 2 बीघा चारागाह भूमि पर बने अवैध मकान व बाड़े को तहसीलदार, कनवास व प्रशासन से नोटिस जारी करवाई जाकर नियमानुसार ध्वस्त करने की कार्यवाही की गई।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि देवलीमांझी में हिस्ट्रीशीटर देवेन्द्र गुर्जर के खिलाफ 11 मुकदमे दर्ज हैं। वह लंबे समय से अवैध गतिविधियों में संलग्न रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर ने 2 बीघा चारागाह भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा था, जिसमें बाड़ा व घर था। ग्रामीण एसपी ने बताया कि चारागाह भूमि पर बने अवैध मकान व बाड़े की राजस्व टीम से जांच करवाई गई जो अवैध कार्यों से अतिक्रमण कर अवैध रूप से बनाये गये थे, जिनको तहसीलदार कनवास व प्रशासन के साथ मिलकर नोटिस जारी करवाये जाकर, नियमानुसार ध्वस्त कर खाली करवाने की कार्यवाही की गई। ध्वस्त किए गए मकान की अनुमानित कीमत 40 लाख रुपए है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि अपराधी हिस्ट्रीशीटर देवेन्द्र गुर्जर के खिलाफ मारपीट, रोड जाम, व अन्य अपराधों में एक दर्जन के करीब मुकदमें दर्ज है।

सीकर जिले में युवती और महिला लापता

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 20 साल की युवती और 24 साल की महिला के लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों ही रात के समय घर से बिना बताए कहीं पर चली गई। अब परिवार और पुलिस दोनों की तलाश कर रहा है।

पहले मामले में 20 साल की युवती के लापता होने के केस में उसके पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 23 नवंबर की रात बेटी घर में ही सोई थी। जब सुबह जागे तो बेटी नहीं मिली। इसके बाद उसकी आसपास में काफी तलाश की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। अंदेशा है कि गांव का ही रहने वाला युवक उसे अपने साथ लेकर चला गया। दूसरे मामले में 24 साल की महिला के लापता होने के केस में उसके पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 24 नवंबर की रात उनकी पत्नी घर से बिना बताए कहीं चली गई। उसकी काफी तलाश की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया।

सेल्समैन ने शराब की पेटी नहीं दी तो युवकों ने धमकाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के सूंथला चुंगी नाका के पास में शराब ठेके पर युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। युवकों ने सेल्समैन से शराब की पेटी मांगी। सेल्समैन ने जब उसे शराब की पेटी देने से इंकार किया तो उसे पिस्टल दिखाकर धमकाया गया। आरोपियों ने ठेके पर पेट्रोल डालकर उसे जलाने का प्रयास भी किया। बाद में आग को बुझा दिया गया। हरकत में आई पुलिस ने दो आरोपियों को फिलहाल शांतिभंग में पकड़ा है। उनके साथियों की तलाश जारी है। केस में फिलहाल गिरफ्तारी बाकी है।

- **आरोपियों ने ठेके पर पेट्रोल डालकर उसे जलाने का प्रयास भी किया**

प्रतापनगर पुलिस के अनुसार मूलत: खातियासनी डांगियावास हाल शराब ठेका सेल्समैन सूंथला चुंगी नाका छठां पुलिया के महेंद्र पुत्र मालाराम जाट की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि वह 24 नवंबर की रात को अपने ठेके पर बैठा था। इतने में गाड़ियों पर सवार होकर आए आदिल, फैयाज, विशाल आदि ने शराब की एक पेटी की मांग की। आरोपियों को शराब की पेटी देने से इंकार किया तो उन्होंने पिस्टल दिखाकर उसे जान के लिए धमकाया। इससे वहां पर हंगामा हो गया। आसपास के लोग भी एकत्र हो गए। आरोपियों ने जाते हुए वहां पेट्रोल से ठेके को आग लगाकर जलाने का प्रयास किया। बाद में आग को बुझाया गया। प्रतापनगर पुलिस के अनुसार इधर सूचना मिलने पर वहां पहुंची तब तक आरोपी भाग गए, जिनकी पहचान की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों एलएल कॉलोनी ईदगाह पांचवीं रोड निवासी विशाल, फैयाज को फिलहाल शांतिभंग में गिरफ्तार किया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

उदयपुर, (कासं)। विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर पीड़िता से नकदी हड़पने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित लाजवंती पत्नी घनश्याम लक्षकार निवासी जयश्रीनगर गुप्तेश्वर महादेव रोड़ तीतरड़ी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि इस्टाग्राम पर विदेश भेजने के विज्ञापन को देख दिए गए नंबरों पर संपर्क कर बातचीत की तो आरोपी गणेश प्रजापत ने 17 नवंबर को अलग-अलग कार्य के लिए मुझसे 1 लाख 50 हजार रूपये वसूल लिए। कुछ समय बाद संपर्क किया तो मोबाईल स्वीच आफ था।

जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में सूने मकान का चोर ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित औंकार जैन पुत्र सोहनलाल जैन निवासी बी क्लास सेक्टर 14 इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि गत दिनों में बाहर ग3ाया था। इस दौरान 23 नवंबर को अज्ञात चोर मेरे मकान का ताला तोड़कर सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी, ब्रासलेट, चूड़ियां, चांदी के जेवरात चुरा ले गए। इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। पुलिस ने मामले को लेकर जांच शुरु कर दी है।

सादुलपुर के वार्ड 38 में बदहाल सड़क से आमजन परेशान

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर के वार्ड नंबर 38 में सड़क की बदहाल स्थिति और पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से वार्डवासियों सहित राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड का सारा पानी बहकर मुख्य सड़क पर पहुंच रहा है, जिसके चलते सड़क पर हमेशा पानी भरा रहता है। यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया।

- **यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है, कई बार शिकायत के बावजूद नहीं हुआ समाधान**

जानकारी के अनुसार मुख्य सड़क पर पानी जमा होने के कारण बाइक सवारों, पैदल राहगीरों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन स्कूलों की बसें भी इसी रास्ते से गुजरती हैं तथा छोटे-छोटे बच्चे पैदल स्कूल जाते हैं। सड़क पर जमा पानी और कीचड़ के कारण बच्चों के कपड़े खराब हो जाते हैं। वहीं दोपहिया वाहन चालकों के फिसलकर गिरने का खतरा भी बना रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार दिन के समय तो किसी तरह लोग इस समस्या से गुजरकर अपना रास्ता निकाल लेते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में सड़क पर जमा पानी दिखाई नहीं देने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है। कई बार वाहन चालक और राहगीर हादसों का शिकार होने से बाल-बाल बचते हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा प्रशासन को कई बार शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने समस्या की सुध लेना उचित नहीं समझा। वर्षों से वार्डवासी इस परेशानी को झेलने को मजबूर हैं। अब वार्डवासियों ने प्रशासन एवं नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि मौके का निरीक्षण करवाकर पानी की निकासी के लिए स्थायी व्यवस्था की जाए तथा सड़क की मरम्मत करवाकर आमजन को इस गंभीर समस्या से राहत दिलाई जाए।



मुख्य सड़क पर जमा हो रहे वार्ड के गंदे पानी से लोगों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बोरवाड़ा की हरियाली फल मंडी में प्रतिदिन 50 से 60 टन अनार की आवक

गुणवत्ता के आधार पर अनार के 5 से 250 रुपए किलो तक मिल रहे हैं भाव

सायला, (निसं)। सायला क्षेत्र में उत्पादित अनार की मांग अब देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों तक पहुंच रही है। क्षेत्र के किसानों की मेहनत से तैयार अनार दिल्ली, लखनऊ, हरियाणा सहित देश के कई बड़े बाजारों में भेजे जा रहे हैं। वहीं विदेशों में भी सायला क्षेत्र के अनार अपनी गुणवत्ता और रंग के चलते पहचान बना रहे हैं। बोरवाडा स्थित हरियाली फल मार्केट इन दिनों अनार के कारोबार का प्रमुख केंद्र बनी हुई है, जहां प्रतिदिन करीब 50 से 60 टन अनार की आवक हो रही है।



फाइल फोटो

जानकारी के अनुसार दीपावली के बाद अनार की आवक शुरू हो जाती है, जो फरवरी-मार्च तक जारी रहती है। इस दौरान सायला, बागोडा और भीनमाल क्षेत्र के किसान बड़ी मात्रा में अनार लेकर मंडी पहुंचते हैं। मंडी में अनार की कीमत उसकी गुणवत्ता, आकार, रंग और चमक के आधार पर तय होती है। विशेष रूप से बड़े आकार और गहरे सिंदूरी रंग वाले अनार को अधिक भाव मिलते हैं। अच्छी गुणवत्ता के अनार की कीमत 250 रुपए प्रति किलो तक पहुंच जाती है, जबकि सामान्य गुणवत्ता के अनार 50 रुपए प्रति किलो के आसपास बिकते हैं।

- **सायला, बागोडा और भीनमाल क्षेत्र के किसान बड़ी मात्रा में अनार लेकर मंडी पहुंचते हैं**

खराब और फटे अनार की भी होती है खरीद :- अनार की खेती करने वाले किसानों के लिए मंडी की खास बात यह है कि यहां हर तरह के अनार की खरीद की जाती है। अच्छी गुणवत्ता के अनार के साथ खराब, छोटे और फटे हुए अनार भी खरीदे जाते हैं। ऐसे अनार की कीमत पांच रुपए प्रति किलो से शुरू होती है। इससे किसानों को अपनी पूरी उपज बेचने का अवसर मिलता है और खराब गुणवत्ता वाले अनार भी खेत में या घर पर बेकार नहीं रहते। किसानों को फसल की गुणवत्ता के अनुसार कम या ज्यादा भाव मिल जाता है।

किसानों के बैंक खाते में होता है भुगतान :- श्री अर्बुदा फल मार्केट के संचालक ईश्वरभाई ने बताया कि मंडी में सभी प्रकार के अनार की खरीद की जाती है। चाहे अनार उच्च गुणवत्ता का हो या खराब और फटा हुआ, हर तरह की उपज को खरीदा जाता है। इससे किसानों को अपनी फसल बेचने में सुविधा मिलती है। उन्होंने बताया कि किसानों को भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जाता है, ताकि लेनदेन में पारदर्शिता बनी रहे और भुगतान को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। मंडी में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में अनार की आवक होने से क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध हो रहा है।

तिजारा जैन मंदिर के विकास के लिए 1.69 करोड़ रुपए की मंजूरी

अलवर । राजस्थान के प्रमुख जैन तीर्थस्थलों में शामिल तिजारा स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य सरकार ने मंदिर के विकास कार्यों के लिए 169.79 लाख रुपए (करीब 1 करोड़ 70 लाख रुपए) की वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इस स्वीकृति से मंदिर परिसर में विकास कार्यों को गति मिलने के साथ ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुविधाओं के विस्तार का रास्ता खुलेगा। विधायक बालकनाथ योगी ने कहा कि तिजारा का श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। यह मंदिर केवल तिजारा ही नहीं, बल्कि राजस्थान सहित देशभर के जैन धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

भरतपुर : उपजिला प्रमुख पद पर कांग्रेस प्रत्याशी राजेश कुमार विजयी

■ **पंचायतीराज आम चुनाव के तहत गुरुवार को उपजिला प्रमुख पद के लिए जिला परिषद सभागार में मतदान एवं मतगणना की प्रक्रिया संपन्न हुई। जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी राजेश कुमार 9 मत से विजयी हुए**

भरतपुर (निसं)। पंचायतीराज आम चुनाव के तहत गुरुवार को उपजिला प्रमुख पद के लिए जिला परिषद सभागार में मतदान एवं मतगणना की प्रक्रिया संपन्न हुई। जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी राजेश कुमार 9 मत से विजयी हुए। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि उपजिला प्रमुख पद के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी राजेश कुमार को 20 मत प्राप्त हुए, जबकि भाजपा प्रत्याशी दिनेश भातरा को 11 मत मिले। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया निर्धारित निर्वाचन नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप सम्पन्न हुई। भरतपुर में जिला परिषद की राजनीति में कांग्रेस ने अपना दबदबा कायम कर लिया है। जिला प्रमुख के बाद अब उप जिला प्रमुख की कुर्सी पर भी कांग्रेस ने कब्जा जमा लिया है। उप जिला प्रमुख पद पर कांग्रेस प्रत्याशी राजेश कुमार ने भाजपा प्रत्याशी को हराकर जीत दर्ज की। परिणाम घोषित होते ही कांठोस कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल बन गया। कार्यकर्ताओं ने बैंड-बाजे की धुन पर नाचकर और नारेबाजी कर जीत का जश्न मनाया। उप जिला प्रमुख पद के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी राजेश कुमार ने जीत दर्ज की। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि मतगणना में कांग्रेस प्रत्याशी को 20 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी को 11 वोट प्राप्त हुए। परिणाम घोषित होने के बाद विजेता प्रत्याशी को निर्वाचन प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया।

जीत की घोषणा होते ही जिला परिषद परिसर में कांठोस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ता बैंड-बाजे की धुन पर थिरकते नजर आए। समर्थकों ने नारेबाजी कर अपनी खुशी जाहिर की। जिला प्रमुख और उप जिला प्रमुख दोनों पदों पर कांठोस की जीत से पार्टी कार्यकर्ताओं में डबल खुशी का माहौल है। नवनिर्वाचित उप जिला प्रमुख राजेश कुमार ने जीत के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह कांठोस पार्टी, जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा, युवा धडकन प्रभारी दिनेशराज मीणा और सभी कांठोस कार्यकर्ताओं की जीत है। उन्होंने इस जीत में मीडिया के सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह चौथे स्तंभ की भी जीत है। वहीं अपनी प्राथमिकताओं को लेकर राजेश कुमार ने कहा कि ठामीण विकास से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्वच्छता, शिक्षा सहित जनता से किए गए वादों को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ठामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सभी जरूरी काम किए जाएंगे। जिला प्रमुख के बाद उप जिला प्रमुख पद पर भी कांठोस का कब्जा होने से जिले की जिला परिषद में कांठोस का राजनीतिक दबदबा मजबूत हुआ है। अब देखना होगा कि नई टीम ठामीण विकास, स्वच्छता और शिक्षा के क्षेत्र में जनता से किए गए वादों को किस तरह धरातल पर उतारती है।

तीन दिगंबर जैन मुनियों के समाधि मरण पर विनयांजलि सभा

अलवर। तीन दिगंबर जैन मुनियों के समाधि मरण पर श्री दिगंबर जैन अठावाल पंचायत मंदिर, बलजी राठौर की गली में सकल जैन समाज की ओर से विनयांजलि सभा आयोजित की गई। सभा में समाज के विभिन्न घटकों के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने तीनों मुनिराज के पावन चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सभा में बताया गया कि संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 अक्षय सागर महाराज का 26 नवंबर को शाहपुरा की ओर संघ सहित विहार करते समय अचानक स्वास्थ्य खराब हो गया। इसी क्रम में आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज के शिष्य मुनि श्री 108 अर्पण सागर महाराज का लखनऊ के टिकैत नगर में समतापूर्वक समाधि मरण हुआ। प्रख्यात तपस्वी संत उपाध्याय आदिश सागर महाराज का भी हृदय गति रुकने से समतापूर्वक समाधि मरण हो गया।

सर्विस लेन और टसकोला रोड पर नहीं सुधरे जाम के हालात

पावटा। कस्बे से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग दिल्ली-जयपुर संख्या 48 की सर्विस लेन और टसकोला रोड पर यातायात व्यवस्था बदहाल बनी हुई है। सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहन, अवैध पार्किंग, निजी बसों का ठहराव और भारी वाहनों की आवाजाही के चलते दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। हालात ऐसे हैं कि कई बार वाहन चालकों को चंद मीटर की दूरी तय करने में भी काफी समय लग जाता है। सड़क पर वाहनों की कतारें लगने से आमजन, व्यापारी, राहगीर और वाहन चालक लगातार परेशानी झेल रहे हैं, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम नजर नहीं आ रहे है। सर्विस लेन पर छोटे अंडरपास के आसपास निजी वाहन संचालकों द्वारा गाडियां खड़ी कर सवारियां भरने का सिलसिला जारी है। इसके अलावा व्यावसायिक भवनों और दुकानों के सामने सड़क किनारे वाहन आड़े-तिरछे खड़े कर दिए जाते हैं। अवैध पार्किंग के कारण सर्विस लेन का बड़ा हिस्सा वाहनों की चपेट में रहता है और आवागमन के लिए जगह बेहद सीमित रह जाती है। ऐसे में एक वाहन के रुकते ही पीछे वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। सर्विस लेन पर दोनों तरफ कोटपूतली और शाहपुरा की ओर संचालित जीपों के चालक अपने हिसाब से वाहन खडे कर सवारियां भरते हैं। निर्धारित स्थान की बजाय सड़क पर ही वाहनों को रोकने से यातायात बाधित होता है। कई निजी बसें भी सर्विस लेन पर खड़ी रहती हैं, जिससे सडक की चौड़ाई कम हो जाती है। यातायात नियमों की अनदेखी और मनमाने ढंग से वाहन खड़े करने के चलते यहां जाम लगना रोजमर्रा की समस्या बन चुका है। टसकोला रोड पर भी हालात कम चिंताजनक नहीं हैं। सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही के चलते छोटे वाहनों को निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती।

सांभर से शिफ्ट विभागों को सांसद और विधायक नहीं रोक सके

■ **सारांश यह है कि राज्य सरकार के डिपार्टमेंट को रोकने में भाजपा के तत्कालीन विधायक नाकाम रहे और केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट को रोकने में सांसदों ने कोई रुचि नहीं दिखाई, जबकि भाजपा की केंद्र में सरकार है और भाजपा के ही सांसद थे और आज भी है**

सांभरझील,(निसं)। राज्य सरकार के अधीन आने वाला महत्वपूर्ण डिपार्टमेंट सर्वजनिक निर्माण विभाग का सहायक अभियंता का कार्यालय सांभर उपखंड मुख्यालय से उस वक्त चोमू शिफ्ट कर दिया गया जिस वक्त प्रदेश में उस वक्त भी भाजपा की सरकार और फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से ही भाजपा के विधायक का स्वर्णिम काल था। करीब एक दशक से भी अधिक का समय हो गया। दिखाने के लिए तत्कालीन विधायक ने प्रयास इसलिए किया कि कोई उन्हें इसके लिए दोषी नहीं ठहरा सके। समरथ को नहीं दोष गोसाई, सवाल पूछने की कार्यकर्ताओं की हिम्मत नहीं थी, तो कांग्रेस विपक्ष में रहते हुए अपना रोल नहीं निभा साकी। इसके अभाव में सरकारी बिल्डिंगों की देखरेख व अन्य इससे जुड़े कार्यों के लिए फुलेरा के अधीन सांभर को कर दिया गया। लोग बताते हैं कि यह सारा काम भोले भाले समझे जाने वाले भाजपा के ही एक नेता का है। विपक्ष के लोगों का भी यह मानना है कि इनका मूल उद्देश्य सांभर के वर्चस्व को पूरी तरह से खत्म करने का ही एक काम रहा है। भारत संचार निगम लिमिटेड जो कि केंद्र के अधीन है और सांभर में प्रारंभ से ही रहा है, उसे भी यहां से हटा दिया गया है। अब सारांश यह है कि राज्य सरकार के डिपार्टमेंट को रोकने में भाजपा के तत्कालीन विधायक नाकाम रहे और केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट को रोकने में सांसदों ने कोई रुचि नहीं दिखाई, जबकि भाजपा की केंद्र में सरकार है और भाजपा के ही सांसद थे और आज भी है। सांभर से जो भी डिपार्टमेंट स्थानांतरित करने की चर्चा हो रही है वह भाजपा के शासन में ही होती है यह भी चर्चा अब जोरों पर आम लोगों के बीच भी सुनाई पड़ रही है। अब एक और शिगुफा छोड़ गया है हालांकि आधिकारिक पुष्टि नहीं है, कि क्यों केंद्र सरकार भारतीय डाक विभाग का प्रधान कार्यालय सांभर पोस्ट ऑफिस यानी सांभर का प्रधान मुख्य डाकघर की शक्तियां कम करके वह सारी शक्तियां जयपुर हेड ऑफिस को स्थानांतरित करने जा रही है। सोशल मीडिया पर तो युद्ध स्तर पर अभियान चल रहा है जो जमीनी हकीकत में कहीं नजर नहीं आता है। इस मुद्दे पर भी वर्तमान विधायक और पूर्व विधायक और सांसद कोई चुप्पी तोड़ने को तैयार नहीं है और वह पुष्टि भी नहीं कर रहे हैं कि क्या वाकई में पोस्ट ऑफिस यहां से काम करने की स्थिति में पहले की तरह रहेगा या सांभर के भाग्य में एक डिपार्टमेंट की ।

गौहर रजा को मिलेगा जुगमंदिर तायल स्मृति सम्मान

अलवर । प्रगतिशील साहित्यकार, शिक्षक एवं सांप्रदायिक सद्भावना के लिए समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता, कवि और प्रोफेसर जुगमंदिर तायल की स्मृति में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में इस वर्ष वैज्ञानिक एवं शायर गौहर रजा को जुगमंदिर तायल स्मृति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

यह सम्मान उनके मूल्य, चेतना और विवेक के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रदान किया जा रहा है। समारोह का आयोजन 27 नवंबर, शुक्रवार को सुबह 11 बजे पुलिस अन्वेषण भवन हॉल में किया जाएगा।

जुगमंदिर तायल फाउंडेशन अलवर की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में देश के जाने-माने इतिहासकार एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर आदित्य मुखर्जी तथा इतिहासकार एवं जेएनयू की पूर्व प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार जीवन सिंह मानवी करेंगे।

जितेंद्र सिंह का भाजपा पर खरीद-फरोख्त का आरोप

■ **बोले- पार्षदों को असम, कोलकाता और सिक्किम तक ले गए, एक-दो करोड़ में खरीदने की कोशिश हुई**

अलवर। अर्जुन सिंह ओड के निर्विरोध उप जिला प्रमुख निर्वाचित होने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसे ओड समाज को राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सम्मान देने का कदम बताया। उन्होंने कहा कि जिस समाज को अब तक राजनीति में पर्याप्त भागीदारी नहीं मिली, कांठोस ने उसे यह अवसर देकर सम्मानित किया है।

जितेंद्र सिंह ने पंचायत चुनाव के दौरान भाजपा पर खरीद-फरोख्त और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांठोस के जिला परिषद सदस्यों को असम, कोलकाता और सिक्किम तक ले जाया गया। उन्हें एक-दो करोड़ रुपये में खरीदने की कोशिश की गई, लेकिन कांठोस के पार्षदों ने जनता के वोट का सौदा नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि तिजारा में प्रत्याशी इमरान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई और पार्षदों पर विभागीय कार्रवाई का दबाव बनाया गया। सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पंचायती राज व्यवस्था को ठप कर दिया है। कांठोस पंचायतों और जिला परिषद को मजबूत कर विकास कार्यों को गति देगी।पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अलवर जिला प्रमुख चुनाव के दौरान कथित खरीद-फरोख्त और पार्षदों को अगवा करने के आरोपों की जांच कराने की बात भी कही। उन्होंने लाल डायरी का जिक्र करते हुए कहा कि तानाशाही की जितनी हदें पार की जा रही हैं, वे सब इसमें नोट हो रही हैं।



अर्जुन सिंह ओड के उप जिला प्रमुख निर्वाचित होने पर भव्य स्वागत सम्मान किया।

नशा मुक्त भारत का दिया संदेश

टोंक। संविधान दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय मालपुरा में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत टोंक द्वारा 'विकसित भारत युवा संवाद' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य थीम 'विकसित भारत 2047' रही। इसका उद्देश्य युवाओं को भारत की विकास यात्रा से परिचित कराना, राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना तथा एक सशक्त, समृद्ध एवं नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा।

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री महावीर नेहरा पुत्र श्री जीवनसिंह नेहरा, निवासी- 1044, रानी सती नगर, जयपुर ने एक भूखण्ड संख्या 1140, रानी सती नगर, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास, जयपुर को खरीदने का श्री अशोक कुमार वर्मा से सौदा तय किया है अगर किसी भी व्यक्ति, संस्था को किसी तरह की कोई आपत्ति हो तो मेरे कार्यालय में 07 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति पेश करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी तरह की कोई उजरदारी स्वीकार्य नहीं होगी।

(हीराराम चौधरी) एडवोकेट मो.नं.-9414297709

उत्तर पश्चिम रेलवे

रद्दीकरण सूचना

डी.आर.एम./कर्षण वितरण, उ.प.रे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मडंल की ओर से ई-निविदा संख्या : 10-TRD-JU-ETENDER-26-27 कार्य का नाम : "Reliability Enhancement and Performance Restoration of Control & Relay Panels of 1x25 kV AC Traction System over Jodhpur Division." निविदा खुलने की तारीख : 11.12.2026 को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है। For detailed information visit http://www.ireps.gov.in 1684-DI/26

हमें /NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

आज होगा पंचायत समिति प्रधान का निर्वाचन

पावटा। पंचायत आम चुनाव 2026 के अंतर्गत जिले की समस्त 8 पंचायत समितियों के प्रधान एवं उप प्रधान का निर्वाचन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया जाएगा। अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी सोहन सिंह नरुका ने बताया कि पंचायत समिति प्रधान का निर्वाचन 27 नवंबर तथा उप प्रधान का निर्वाचन 28 नवंबर को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति प्रधान एवं उप प्रधान के निर्वाचन के लिए संबंधित निर्वाचित पंचायत समिति सदस्यों की निर्धारित तिथि पर बैठक पंचायत समिति सभागार भवनों में प्रात: 10 बजे से आयोजित होगी। प्रधान के लिए 27 नवंबर को तथा उप प्रधान के निर्वाचन के लिए 28 नवंबर को नाम निर्देशन पत्र प्रात: 11 बजे तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे।

एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रभावी प्रयास करें : जिला प्रभारी

■ **अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश**

भरतपुर (निसं)। सचिव वाणिज्यकर एवं जिला प्रभारी सचिव आनंदी ने कहा की एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण के लिए सभी विभाग समन्वित प्रयास करते हुए सीएक्यूए के मानकों की पालना के लिए सुधारात्मक कदम उठाएं।

जिला प्रभारी सचिव गुरुवार को जिले में वायु प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रबंधों का निरीक्षण के उपरांत अधिकारियों की बैठक ले रहीं थी। उन्होंने सर्किट हाउस में जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों से प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की तथा सीएक्यूएम के निर्देशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण की रोकथाम प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रदूषण नियंत्रण के निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रदूषण के कारकों की पहचान कर उनकी रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने तथा संबंधित व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप धरातल पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सीएक्यूए द्वारा प्रदूषण मानकों के लिए विभागों को जारी किए गए निर्देशों एवं पालना के लिए विभागों द्वारा बनाई गई कार्ययोजना की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नगर निगम, बीडीए निर्माण कार्यों पर प्रदूषण कम करने लिए पानी का छिड़काव एवं अन्य उपायों को पालना करें। उन्होंने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर निगरानी के लिए पेट्रोल पंप पर कैमरे लगाने का कार्य 15 दिसंबर तक पूरे करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन विभाग को परिवर्तन स्कीम के तहत बीएस 5 से कम मानकों के वाहन स्वामियों से सम्पर्क कर स्क्रैप योजना एवं वाहन बदलने की योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षितठास्त सड़कों की मरम्मत संबंधित विभाग समय पर कराएं। नगर निगम वैक्यूम मशीन, एंटी स्मॉगन, वॉटर स्प्रिंकलर मशीनों का निरंतर प्रयोग करें। प्रदूषण को रोकने के साथ ही शहर में हरितमा को बढ़ाने के लिए व्यापक प्लान बनाकर कार्य करें। उन्होंने कृषि विभाग को फसलों के अवशेष जलाने वाले किसानों को रोकने के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर अधिक से अधिक खोलने के लिए जीएसएस के माध्यम से तथा व्यक्तिगत किसानों को भी प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि, परिवहन, नगर निगम, सार्वजनिक निर्माण विभाग, बीडीए एवं प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य योजना बनाकर विंटर एक्शन प्लान तथा त्रैमासिक एक्शन प्लान बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। इससे पूर्व उन्होंने नगर निगम द्वारा कचरा निस्तारण के लिये नोंह कचरा निस्तारण प्लांट में मौका निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों में प्रदूषण की रोकथाम के लिये किये जा रहे कार्यों तथा मल्टीपरपज स्कूल में प्रदूषण जांच यंत्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर कमर चौधरी, बीडीए आयुक्त कनिष्क कटारिया, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर राहुल सैनी, नगर निगम आयुक्त श्रवण बिश्नोई, प्रदूषण नियंत्रण मंडल के आरएम उमेश कुमार सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक नही होने से पार्षदों ने अधिकारी को सौंपा

टोंक । उनियारा नगर पालिका में दो माह से बोर्ड बैठक नहीं बुलाने और कामकाज में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए पार्षदों ने अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जल्द बैठक बुलाने और नियमों के अनुसार नगर पालिका चलाने की मांग की। ज्ञापन में पार्षदों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका अध्यक्ष ने दो माह से अधिक समय से बोर्ड बैठक नहीं बुलाई है। बैठक नहीं होने से अलग-अलग वार्डों की जनसमस्याओं, विकास कार्यों और जनहित के मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। पार्षदों का कहना है कि उन्हें अपने क्षेत्र की समस्याएं रखने का मौका नहीं मिल रहा।पार्षदों ने नगर पालिका के विकास और निर्माण कार्यों के साथ टेंडर प्रक्रिया की जानकारी में कमी का आरोप भी लगाया। उनका कहना है कि बोर्ड बैठक के बिना फैसले लेने से नगर पालिका की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर असर पड़ रहा है। पार्षदों ने मांग की कि जरूरी फैसले बोर्ड की मंजूरी और तय नियमों के तहत लिए जाएं। सभी पार्षदों को अपने वार्ड की समस्याएं और विकास प्रस्ताव रखने का मौका दिया जाए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का कामकाज सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की भागीदारी और जनहित के आधार पर होना चाहिए, न कि किसी एक व्यक्ति की मनमर्जी से।

आम-सूचना सूचित किया जाता है कि मकान नंबर 19, संतोष सागर कॉलोनी, नियर शेखावत कॉलोनी, सिरसी रोड, मीनावाला जयपुर-302034 जो कि मेरे मुवक्किलगण के स्व. पिता श्री दीनदयाल जयसवाल पुत्र स्व. श्री जयश्री जयसवाल के स्वर्गवास के पश्चात् उक्त संपत्ति के मालिक स्वामी काबिज अधिकारी उनके पुत्रान् महेन्द्र कुमार जयसवाल (आ.नं 8838-6253-9776), धर्मेन्द्र कुमार जयसवाल (आ.नं 4719-0390-2704) व उमेद जैसवाल (आ.न 3351-3800-4467) बन चुके हैं, जो उक्त संपत्ति के संबंध मे किसी भी व्यक्ति व संस्था इत्यादि के नाम रहन, तिक्रय, बख्शीश, इकरार व हस्तांतरित इत्यादि करने के समस्त अधिकारी मालिकाना आधिपत्य सहित प्राप्त रखते हैं। उक्त मकान मेरे मुवक्किलगण विक्रय करना चाहते है, यदि उक्त मकान के संबंध मे किसी भी व्यक्ति, संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की किसी भी रूप मे कोई आपत्ति, उज्र हो तो मय सबूत मुझसे व मेरे मुवक्किलगण से सात दिन की अवधि मे संपर्क करे, उक्त अवधि समाप्ति पश्चात आपत्ति अमान्य व शून्य होगी।

जयपुर (गोकुल नारायण अग्रवाल) एडवोकेट
दिनांक 26.11.26 मो.-9828342122

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-4776 दिनांक-20/11/26

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 10/12 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री कैलाश नारायण मंगल पुत्र श्री पांतुताल जी मंगल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 802 दिनांक 30.05.2000 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 1370 दिनांक 30.06.2000 को जारी किया गया। श्री कैलाश नारायण मंगल के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 26.12.2007 को उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री कैलाश नारायण मंगल की मृत्यु दिनांक 23.09.2020 को हो जाने के कारण पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर इनकी पत्नी श्रीमती मनस्वी मंगल पुत्री स्व. श्री महेन्द्र मंगल द्वारा उक्त आवास को स्वय के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती मनस्वी मंगल पुत्री स्व. श्री महेन्द्र मंगल का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

NAME CHANGE

I Babita spouse of JC-315321N Nb Sub Vikaram Singh R/o Ashok Nagar (Vill), Sonasar (PO), Malsisar (Tk), Jhunjhunu (Dist) Rajasthan- 333011 have changed my Name from Babita to Babita Kumari as per Aadhar Card No 989008649418 and vide affidavit no. 803692 dated- 7-10-2026 at Jhunjhunu.

I Zulfiker Ali Shaikh S/o Bakiotulla Shaikh R/o B-9 Munawara masjid Nahri ka naka Jaipur Declare that in some of my Documents my name is wrongly entered as Bikram Rarja and Bikram Raja and B.Raja S/o Bakio tullask. My correct name is Zulfiker Ali Shaikh. vide affidavit 26.11.2026 Jaipur

''जिला प्रमुख चुनावों में कांग्रेस की जीत जनता के आक्रोश का परिणाम''

अलवर । राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जिला प्रमुख पदों पर विजय प्राप्त करने वाले कांग्रेस के सभी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने विशेष रूप से अलवर में कांग्रेस की अनीता मीणा के जिला प्रमुख निर्वाचित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। जूली ने कहा कि अलवर में कांग्रेस की यह जीत हम सभी कांग्रेसजनों की जीत है। मैं स्वयं जिला प्रमुख के रूप में कार्य कर चुका हूं, इसलिए इस पद की जिम्मेदारियों और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भली-भांति समझता हूं।

स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

अलवर, । जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय मत्स्य उत्सव के दूसरे दिन आज नेहरू गार्डन से प्रताप बंध नाका तक साइकिल रैली (साइक्लोथॉन) का आयोजन, आरआर कॉलेज में मेहंदी-पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता व मूविंग कलाकारों द्वारा श्री भर्तृहरि नाटिका का प्रदर्शन एवं नंगली सर्किल पर मेहन्दी उत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें सभी आयुवर्ग के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।जिला कलक्टर ने डॉ. आर्तिका शुक्ला ने समस्त जिलेवासियों से मत्स्य उत्सव में बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाते हुए आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति कार्यक्रमों में सहभागिता की अपील की है।

नम्बर मिलाइए 8890333139



सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

उप जिला प्रमुख पद पर मुकेश निर्वाचित, 21 मत से जीत दर्ज की

■ **रिटर्निंग अधिकारी (कलक्टर) ने नवनिर्वाचित उप जिला प्रमुख को दिलाई शपथ**

सवाई माधोपुर । जिला परिषद सवाई माधोपुर में गुरुवार को उप जिला प्रमुख पद का चुनाव सम्पन्न हुआ। चुनाव में इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी मुकेश को 25 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कालूराम गुर्जर को 4 मत मिले। इस प्रकार इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी मुकेश 21 मत से जीत दर्ज कर, उप जिला प्रमुख पद पर निर्वाचित हुए। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) काना राम ने नवनिर्वाचित उप जिला प्रमुख मुकेश को शपथ दिलाई तथा निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर गंगापुर सिटी सुदर्शन सिंह तोमर, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।



सवाई माधोपुर में उप जिला प्रमुख पद पर मुकेश निर्वाचित होने पर निर्वाचन अधिकारी ने प्रमाण पत्र सौंपा।

दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में चलाये जा रहे अपराधियों की धरपकड विशेष अभियान के तहत घाड थानाधिकारी हरिराम वर्मा के नेतृत्व में गठित थाना टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए थाने मे दर्ज एनडीपीएस एक्ट में 6 साल से फरार वांछित इनामी आरोपी जे.के. महेश विकासशील कनकम उमा महेश पुत्र कनकम लक्ष्मण विकासशील कनकम कृपारवु उम्र 34 साल निवासी प्लांट नंबर 46 जे आई सी कॉलोनी येलेंदु जिला भद्रादी तेलगांना जिस पर 15 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। जिसको पुलिस ने तकनीकी विशेषज्ञो के सहयोग तथा एंव हैदराबाद जेल से गिरफ्तार कर थाना लाकर प्रकरण में अनुसंधान किया जाकर बाद आज न्यायालय टोंक में पेश किया जाएगा।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 271/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्रीमती संतोष देवी पत्नी श्री मुकेश चंद निवासी बिलोची का कुआ, अलवर जिला अलवर राजस्थान ने सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत महिला अधिकार एवं विकास फाउंडेशन ट्रस्ट गणपति विहार तिजारा फाटक हनुमान जी के मंदिर के पास अलवर राज के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां

11वीं पास बना फर्जी डॉक्टर, साढ़े 6 लाख रु. में खरीदी एमबीबीएस-एमडी की डिग्रियां

फर्जी डॉक्टर बनाने वाले इस अंतरराज्यीय गिरोह के चार बदमाश एसओजी के हत्थे चढ़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी शैक्षिणक एवं मेडिकल डिग्रियां तैयार कर विश्वविद्यालयों की वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड कराने और इनके आधार पर मेडिकल काउंसिलों में पंजीयन करवाकर चिकित्सक के रूप में काम करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और दिल्ली तक फैले इस नेटवर्क के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जांच में सामने आया कि गिरोह का एक सदस्य मात्र 11वीं पास होने के बावजूद फर्जी एमबीबीएस और एमडी (स्त्री रोग विशेषज्ञ) की डिग्रियों के आधार पर दिल्ली के प्रतिष्ठित अस्पतालों में जूनियर रेजिडेंट के रूप में काम कर रहा था और सोनोलॉजिस्ट के तौर पर भी सेवाएं दे रहा था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल के अनुसार, 6 अक्टूबर 2024 को राजस्थान मेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार ने अशोक नगर थाने में मिथ्या एवं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर चिकित्सक पंजीयन करवाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रारंभिक जांच के बाद मामला एसओजी को सौंपा गया। अनुसंधान पुलिस निरीक्षक नेमीचंद कर रहे हैं। मेडिकल काउंसिल ने शान्तनु कुमार चारण, दीपक चौधरी, देवेन्द्र नेहरा, गीता कुमारी, पंकज यादव, महेश कुमार गुर्जर, सरीमूल मजूमदार और रामकिशोर महावर के विरुद्ध रिपोर्ट दी थी।

फेसबुक विज्ञापन से होता था फर्जी डिग्रियों का सौदा

गिरफ्तार आरोपियों में रामकिशोर महावर, पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दिग्दा निवासी सत्यजीत पाणिग्रही, मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी मनीष मांजी और उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के भादौ निवासी खुर्रम तौफिक शामिल हैं। सत्यजीत मुंबई से पकड़ा गया। वह फेसबुक पर 'मेडिकल एजुकेशन, नई दिल्ली' के नाम से विज्ञापन देकर व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से फर्जी डिग्रियों का सौदा करता था। मनीष फर्जी मार्कशीट, डिग्री और डिप्लोमा तैयार कर व्हाट्सएप तथा डीटीडीसी कोरियर से भेजता था। बीबीए उत्तीर्ण खुर्रम वर्ष 2022 से फेसबुक के जरिए संपर्क में आने वाले लोगों के लिए पिछली तारीखों में डिग्रियां तैयार करवाकर विश्वविद्यालयों की वेबसाइट पर अपलोड करता था।



आरोपी रामकिशोर महावर, सत्यजीत पाणिग्रही, मनीष मांजी, खुर्रम तौफिक

साढ़े 6 लाख में एमबीबीएस-एमडी, सफदरजंग अस्पताल में नौकरी

जांच के अनुसार, रामकिशोर 11वीं पास है। उसने वर्ष 2016 से 2022 तक दौसा के निजी नर्सिंग होम में काम किया। इसके बाद बालोतरा में चिकित्सक के सहायक के रूप में अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट टाइप की और बयाना के निजी अस्पताल में गायनेकोलॉजिस्ट के अधीन अल्ट्रासाउंड संबंधी काम किया। इसी दौरान उसने उत्तर प्रदेश के रामा मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस डिग्री की पीडीएफ में बदलाव कर फर्जी डिग्री बनाई। इसके आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में पंजीयन करवाया और दौसा के खेडला स्थित निजी अस्पताल में करीब 15 दिन चिकित्सक के रूप में काम किया।

अगस्त 2024 से अप्रैल 2025 तक दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में नर्सिंग असिस्टेंट और वार्ड बॉय के रूप में काम करते हुए उसने फेसबुक विज्ञापन के जरिए गिरोह से संपर्क किया। करीब साढ़े छह लाख रुपए में तमिलनाडु शिक्षा बोर्ड की 12वीं और सिक्किम मणिपाल मेडिकल विश्वविद्यालय की एमबीबीएस व एमडी (गायनेकोलॉजी) की फर्जी डिग्रियां बनवाने का सौदा हुआ। करीब साढ़े पांच लाख रुपए बैंक खाते में जमा कराने के बाद प्रमाणपत्र डीटीडीसी कोरियर से भेजे गए। इनके आधार पर उसने दिल्ली मेडिकल काउंसिल से पंजीयन संख्या 33624 हासिल की और जून 2025 में सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में संविदा पर जूनियर रेजिडेंट के रूप में काम शुरू कर दिया।

- एसओजी की जांच में 30 से 40 विश्वविद्यालयों के नाम पर फर्जी प्रमाणपत्र बनाने का खुलासा हुआ, सभी जांच के दायरे में

डीएमआरडी की फर्जी डिग्री से सोनोग्राफी भी की

रामकिशोर ने महाराष्ट्र के एक विश्वविद्यालय से डीएमआरडी (डिप्लोमा इन मेडिकल रेडियो डायग्नोसिस) की फर्जी डिग्री बनवाने के लिए करीब साढ़े पांच लाख रुपए में सौदा किया। सरकारी कॉलेज मिराज, महाराष्ट्र के नाम से दस्तावेज तैयार करवाकर नई दिल्ली के एसएमएस इमेजिंग सेंटर में पंजीयन कराया और दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में ऑन-कॉल सोनोग्राफी की। जांच में महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में करीब साढ़े आठ लाख रुपए देकर पंजीयन करवाने की जानकारी भी सामने आई है। ऑनलाइन सत्यापन में फर्जीवाडा पकड़े जाने की आशंका से उसने महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से भी एमबीबीएस और एमडी की फर्जी डिग्रियां बनवाने का प्रयास किया। दस्तावेजों में संकल्प मेडिकल सेंटर सहित अन्य स्थानों पर विभिन्न उपाधियों और फेलोशिप के उल्लेख भी मिले हैं।

30 से 40 विवि नाम पर बनाई डिग्रियां

एसओजी के अनुसार, गिरोह तकनीकी सुरक्षा उपायों और फायरवॉल के जरिए अपनी पहचान छिपाता था। तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के विश्लेषण में मैसूर, आंध्र, अन्ना, आचार्य नागार्जुन, काकतीय, कानपुर, मदै, सौराष्ट्र, इलाहाबाद, जेवियर, कुवेम्पू, महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, शोलापुर, भगवंत विश्वविद्यालय अजमेर और जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी सहित करीब 30 से 40 विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के नाम सामने आए हैं। इनके नाम पर 10वीं, 12वीं, बीए, बीएड, बीएससी, एमए, एमएससी, बीकॉम, एमकॉम, एमबीबीएस, एमडी, एमएस, बीटेक, डीएमआरडी और बीएएमएस सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों की फर्जी डिग्रियां तैयार की गईं।

अन्य फर्जी डिग्रीधारकों की तलाश शुरू

एसओजी गिरोह के अन्य सदस्यों और फर्जी डिग्रियों के आधार पर अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों तथा मेडिकल काउंसिलों में पंजीयन करवाने वालों की तलाश कर रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि अब तक कितने लोगों को फर्जी प्रमाणपत्र दिए गए और कितनों ने इनके आधार पर नौकरी हासिल की। एसओजी ने विश्वविद्यालयों, शैक्षिणक संस्थानों और नियामक निकायों को परामर्श जारी कर डिग्रियों का सत्यापन केवल ऑनलाइन या ईमेल से नहीं करने की सलाह दी है। ऑनलाइन, ऑफलाइन, रजिस्टर्ड डाक और व्यक्तिगत सत्यापन सहित तीन से चार माध्यमों से जांच, रोल नंबर, पंजीयन संख्या और सीरियल नंबर का मिलान तथा मूल और डिजिटल प्रतियों की तुलना करने को कहा है। मेडिकल डिग्रियों के लिए राज्य मेडिकल काउंसिल और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से पुष्टि तथा सत्यापन प्रक्रिया का लिखित रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की भी सलाह दी गई है।

पंचायत चुनाव में हार पर "दिल्ली दरबार" में तलब हुआ भाजपा का रिपोर्ट कार्ड

बीएल संतोष ने दो हाईलेवल बैठकों में मांगा चुनावी प्रदर्शन का पूरा हिसाब, मदन राठौड़ सहित वरिष्ठ नेताओं से मंथन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पंचायत चुनाव में झटके के बाद राजस्थान भाजपा का रिपोर्ट कार्ड "दिल्ली दरबार" में तलब हुआ है। शहरी निकाय चुनावों में जीत के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन ने प्रदेश संगठन की चिंता बढ़ा दी है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने बुधवार को दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में राजस्थान के वरिष्ठ नेताओं के साथ दो अलग-अलग हाईलेवल बैठकों में चुनाव परिणामों की समीक्षा की और हार के कारणों का विस्तृत हिसाब मांगा।पहली बैठक में प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया, सह प्रभारी कविता पाटीदार और प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार शामिल हुए। इसके बाद प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और चारों प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, मिथिलेश गौतम और कैलाश मेघवाल के साथ मंथन हुआ।

टिकट वितरण से बूथ प्रबंधन तक होगी हड़ताल

समीक्षा में टिकट वितरण, स्थानीय कार्यकर्ताओं की नाराजगी, चुनाव प्रभारियों, जिला अध्यक्षों और विधायकों की भूमिका के साथ बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता का आकलन किया गया। सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को ग्रामीण मतदाताओं तक पहुंचाने तथा सरकार-संगठन के बीच तालमेल की स्थिति पर भी रिपोर्ट मांगी गई।

- 17 मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्रों में हार से बढ़ी चिंता, टिकट वितरण से लेकर बूथ प्रबंधन और मंत्रियों-विधायकों की भूमिका की होगी हड़ताल

17 मंत्रियों के क्षेत्रों में हार ने बढ़ाई चिंता

पंचायत चुनाव में भाजपा को प्रदेश के 17 मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में इन क्षेत्रों में मंत्रियों और विधायकों की सक्रियता, कार्यकर्ताओं से समन्वय और प्रत्याशियों को मिले समर्थन की भी समीक्षा होगी। दिल्ली रवाना होने से पहले मदन राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की थी। राष्ट्रीय संगठन की इस कवायद को चुनावी हार के लिए जवाबदेही तय करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

नगर निगम के पुराने हवामहल जोन कार्यालय में आग लगी

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में दंपती और दो बेटियों के चेहरे झुलसे

जयपुर (कासं)। चौगान स्टेडियम के पास स्थित नगर निगम के हवामहल जोन के पुराने कार्यालय में गुरुवार देर शाम अचानक आग लग गई। कार्यालय की पहली मंजिल पर स्थित एक कमरे में लगी आग ने वहां रखी छह अलमारियों को अपनी चपेट में ले लिया।

अलमारियों में नगर निगम के महत्वपूर्ण दस्तावेज और फाइलें रखी हुई थीं, जो आग में जलकर नष्ट हो गईं। घटना के बाद कार्यालय में धुआं भर गया। गनीमत रही कि आग लगने के समय कार्यालय में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार कार्यालय परिसर के बाहर पार्किंग में मौजूद कर्मचारियों ने एक कमरे से आग की लपटें और धुआं उठते देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना नगर निगम की अग्निशमन शाखा को दी। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और एक दमकल की सहायता से आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल मीणा ने बताया कि दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कमरे में रखी छह अलमारियों में आग फैल चुकी थी और उनमें रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए।

- छह अलमारियों में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हुए
- पूर्व पार्षद दशरथ सिंह और विधायक अमीन कागजी ने सवाल उठाए, निष्पक्ष जांच की मांग

मुख्यालय स्तर पर जांच शुरू

घटना के बाद नगर निगम मुख्यालय स्तर पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आग किन कारणों से लगी और इसमें नगर निगम के कितने महत्वपूर्ण रिकॉर्ड नष्ट हुए हैं, इसकी जानकारी जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी। दस्तावेजों के जलने से निगम के रिकॉर्ड को हुए नुकसान का आंकलन भी किया जा रहा है।

आग की घटना को लेकर पूर्व पार्षद दशरथ सिंह शेखावत और किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने सवाल उठाए हैं। पूर्व पार्षद शेखावत ने आरोप लगाया कि कार्यालय में लंबे समय से कथित अवैध गतिविधियां चल रही थीं। उन्होंने आशंका जताई कि महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जलाकर गड़बड़ियों को छिपाने की साजिश भी हो सकती है।

विधायक अमीन कागजी ने सवाल उठाया कि नगर निगम का कार्यालय इतना बड़ा होने के बावजूद आग केवल रिकॉर्ड रूम में ही क्यों लगी? आग की सूचना मिलने के बावजूद अधिकारी मौके पर क्यों नहीं पहुंचे? उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच राजस्थान पुलिस से करवाने की मांग की, ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों और दस्तावेज जलने के पीछे की सच्चाई सामने आ सके तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो सके।

जयपुर। राजधानी के नारायण विहार क्षेत्र के मांग्यावास स्थित कीर्ति नगर में गुरूवार तड़के एक विला में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हादसे के समय ऊपरी मंजिल पर सो रहे परिवार के कमरे में अचानक लपटें फैल गईं। आग बुझाने और बच्चों को बाहर निकालने के प्रयास में दंपती और उनकी दो बेटियों के चेहरे झुलस गए। वहीं, नीचे की मंजिल पर सो रहे बुजुर्ग दादा ने तत्परता दिखाते हुए छह साल के पोते को सुरक्षित बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया । चिकित्सकों के अनुसार सभी की हालत खतरे से बाहर है।

जानकारी के अनुसार अजमेर रोड स्थित डीसीएम में ऑटोमोबाइल व्यवसाय करने वाले नीरज (43) मंगलवार रात पत्नी गौरी (40), 10 और 12 साल की दो बेटियों तथा छह वर्षीय बेटे के साथ विला की ऊपरी मंजिल पर सो रहे थे। गुरूवार सुबह करीब 5 बजे कमरे में बिजली के शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने कपड़ों और फर्नीचर को अपनी चपेट में ले लिया। सर्दी के कारण शुरुआत में परिवार को आग लगने का पता नहीं चला। कुछ देर बाद आग बिस्तरों तक पहुंची और कमरे में धुआं भर गया। दम घुटने से परिवार की नींद खुली तो कमरा लपटों से घिरा हुआ था। आग देखकर पति-पत्नी घबरा गए, लेकिन उन्होंने हिम्मत जुटाकर शोर मचाया और बच्चों को जगाकर बाहर निकालने के साथ आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान नीरज, उनकी पत्नी गौरी और दोनों बेटियों के चेहरे झुलस गए।

रामचन्द्र नन्दवाना स्मृति राष्ट्रीय सम्मान के लिए 31 दिसंबर तक प्रविष्टियां आमंत्रित



- स्वतंत्रता आंदोलन, गांधी अध्ययन, भारतीय साहित्य समेत पांच विषयों की कृतियां होंगी चयनित

जयपुर। स्वतंत्रता सैनानी रामचन्द्र नन्दवाना की स्मृति में दिए जाने वाले राष्ट्रीय सम्मान के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। सम्मान संयोजक मंडल के अध्यक्ष डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने बताया कि स्वतंत्रता आंदोलन, प्राच्य विद्या एवं भारतीय साहित्य, गांधी अध्ययन, दलित चिंतन और भारतीय मध्यकालीन साहित्य से संबंधित किसी एक कृति का चयन इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए किया जाएगा। तीन निर्णायकों की समिति प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर सम्मान के लिए कृति का चयन करेगी। सम्मान के तहत 11 हजार रुपए, प्रशस्ति पत्र और शॉल भेंट किए जाएंगे।

वर्ष 2025 और 2026 के सम्मान के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। वर्ष 2026 के सम्मान के लिए 1 जनवरी 2020 से 31 दिसंबर 2025 के बीच प्रकाशित पुस्तकों तथा वर्ष 2025 के सम्मान के लिए 1 जनवरी 2019 से 31 दिसंबर 2024 के बीच प्रकाशित पुस्तकों पर विचार किया जाएगा।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन निवासी रामचन्द्र नन्दवाना स्वतंत्रता संग्राम और इसके बाद गांधीवादी आंदोलनों में आजीवन सक्रिय रहे। वे गांधीजी की संस्थाओं हरिजन सेवक संघ और चरखा संघ से जुड़े रहे तथा चित्तौड़गढ़ की गाड़ी लौहार सेवा समिति से भी उनका जुड़ाव रहा। जयपुर, भीलवाड़ा, कोटा, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर जिलों में सक्रिय नन्दवाना, वियोगी हरि, ठक्कर बापा और माणिक्यलाल वर्मा के निकट सहयोगी थे।

वर्ष 2019 में उनके जन्म शताब्दी वर्ष से यह सम्मान प्रारंभ किया गया। अब तक यह सम्मान प्रो. माधव हाड़ा, सुधीर विद्यार्थी, प्रो. बजरंग बिहारी तिवारी, सोपान जोशी, प्रो. अवधेश प्रधान और प्रताप गोपेंद्र को दिया जा चुका है।

राजस्थान विश्वविद्यालय में हिंदी के शिक्षक डॉ. विशाल विक्रम सिंह को सम्मान का संयोजक बनाया गया है। सम्मान के लिए प्रविष्टियां 31 दिसंबर 2026 तक डॉ. विशाल विक्रम सिंह, एल-08 बी, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004 पर भेजी जा सकती हैं। सम्मान संयोजक मंडल में डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल (जयपुर), प्रो. माधव हाड़ा (उदयपुर), आशीष त्रिपाठी (वाराणसी), डॉ. रेणु व्यास (चित्तौड़गढ़-जयपुर) और प्रो. पल्लव (दिल्ली) सदस्य है।

विधायक कृष्णा पूनियां ने चूरू जिला परिषद के कांग्रेस पार्षद और नेताओं का नार्को टेस्ट कराने की मांग की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। चूरू जिला परिषद में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद भी कांग्रेस पार्टी को जिला प्रमुख के चुनाव में मिली पराजय के बाद जिले की सादुलपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक कृष्णा पूनिया ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं की भूमिका पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं, और कहा है कि चूरू जिला परिषद में पार्टी को मिली हार में कहीं ना कहीं कांग्रेस पार्टी के नेताओं और वार्ड मेंबरों की मिलीभगत का खेल हुआ है, जिसकी वजह से स्पष्ट बहुमत के बाद भी कांग्रेस पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा कृष्णा पूनिया ने अपने सोशल मीडिया के अधिकृत अकाउंट के माध्यम से चूरू जिला परिषद के कांग्रेस पार्टी के वार्ड मेंबर और कांग्रेस पार्टी के नेताओं का नार्को टेस्ट करवाने की पुरजोर मांग की है और कहा है कि यह गंभीर मामला है, इसलिए उन्होंने प्रदेश कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी के दिल्ली दरबार को इस मामले की गंभीरता से जांच करने का आग्रह किया है।

- चूरू जिला परिषद में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत होने के बाद भी जिला प्रमुख पद के चुनाव में मिली पराजय के बाद उठाई मांग

हालांकि कृष्णा पूनिया ने कांग्रेस पार्टी के किसी नेता का नाम नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने पार्टी के बड़े नेताओं की भूमिका पर संदेह जताते हुए इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग कांग्रेस के दिल्ली दरबार से की है कृष्णा पूनिया कि इस डिमांड के बाद जयपुर से लेकर दिल्ली तक कांग्रेस पार्टी के नेताओं में खलबली मची हुई है, क्योंकि कृष्णा पूनिया के निर्वाचन क्षेत्र में तीन पंचायत समितियां हैं, और तीनों ही पंचायत समितियों में कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला है, कांग्रेस पार्टी के इस दमदार प्रदर्शन में कृष्णा पूनिया की भूमिका की सब जगह प्रशंसा हो रही है, इसलिए अब जिस तरह से कृष्णा पूनिया ने चूरू जिला परिषद में बहुमत होने के बाद भी कांग्रेस पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा, उस से कृष्णा पूनिया को भी गहरा धक्का लगा है, इसलिए उन्होंने कांग्रेस की दिल्ली दरबार से कहा है कि अगर कांग्रेस पार्टी के नेताओं का नार्को टेस्ट किया जाए, तो इस मामले में अपने आप ही सच्चाई सामने आ जाएगी।

अब देखने वाली बात यह है कि कृष्णा पूनिया की इस डिमांड को राजस्थान कांग्रेस और दिल्ली में बैठे कांग्रेस पार्टी के बड़े नेता कितनी गंभीरता से लेते हैं, फिलहाल कृष्णा पूनिया के इस बयान से प्रदेश कांग्रेस के दफ्तर में भी कांग्रेस नेताओं में हलचल तेज हो गई हैं चूरू जिला परिषद वार्ड मेंबर के चुनाव में चूरू जिला परिषद में कुल 39 वार्डों में कांग्रेस पार्टी को 21 वार्डों में सफलता मिली थी, और भाजपा को 17 वार्डों में ही जीत मिली थी, इसलिए यहां कांग्रेस पार्टी को बहुमत के आंकड़े से भी ज्यादा मत मिले थे, लेकिन इसके बावजूद भी जिला प्रमुख के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा कृष्णा पूनिया का कहना है कि कांग्रेस पार्टी के पांच पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग की, जिसकी वजह से भारतीय जनता पार्टी का सीटों का आंकड़ा 17 से 22 पहुंच गया और कांग्रेस पार्टी का आंकड़ा 21 से 17 पर आकर अटक गया। उल्लेखनीय है कि चूरू जिला परिषद में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह राठौर की पुत्र वधू कनिका सिंह राठौड़ को भाजपा ने जिला प्रमुख पद के लिए उम्मीदवार बनाया था, यहां पर जिला प्रमुख के चुनाव में शुरू से ही यह आशंका बनी हुई थी कि यहां राजेंद्र राठौड़ अपनी रणनीति से कहीं ना कहीं अपनी पुत्रवधू को जिला प्रमुख की कुर्सी पर बिठाकर ही रहेंगे, जिसमें राठौड़ कामयाब भी हो गए।

'राजस्थान के औद्योगिक विकास में भागीदार बनेंगे प्रवासी राजस्थानी'

10 दिसंबर को जेईसीसी में होगा उद्योग सत्र, निवेश, आधुनिक औद्योगिक ढांचे और कारोबार की सुगमता पर होगा मंथन

जयपुर (कासं)। राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानियों के वैश्विक अनुभव, विशेषज्ञता, निवेश और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों का लाभ उठाएगी। इसके लिए 8 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस-2026 में छह प्रमुख क्षेत्रवार सत्र होंगे। इनमें उद्योग सत्र 10 दिसंबर को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित होगा। इसमें प्रवासी राजस्थानी, निवेशक और उद्योग जगत के प्रतिनिधि औद्योगिक विकास, निवेश के अवसरों, आधुनिक आधारभूत ढांचे और कारोबार की सुगमता पर चर्चा करेंगे।

ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के आयुक्त नीलाभ सक्सैना ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी वैश्विक अनुभव और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की समझ लेकर आते हैं। उनकी भागीदारी से नई साझेदारियों, तकनीकी सहयोग और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

19 विभागों की 190 स्वीकृतियां एकल खिड़की पर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान-2047 के विजन के तहत राज निवेश एकल खिड़की प्रणाली में 19 विभागों की 190 स्वीकृतियां उपलब्ध हैं। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 और क्षेत्रवार नीतियों के जरिए निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है।

निर्यात करीब एक लाख करोड़, एफडीआई में 178 प्रतिशत वृद्धि

वर्ष 2025-26 में राजस्थान की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) वृद्धि दर 10.24 प्रतिशत रही। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करीब 178 प्रतिशत बढ़कर 8812 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि निर्यात 99788 करोड़ रुपए रहा। प्रदेश में रीको के 474 औद्योगिक क्षेत्र करीब एक लाख एकड़ में फैले हैं, जहां 47 हजार से अधिक औद्योगिक इकाइयां उत्पादन कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्र, रक्षा एवं एयरोस्पेस, चिकित्सा उपकरण, सिरेमिक, पेट्रोकेमिकल्स और कृषि प्रसंस्करण क्षेत्रों में भी औद्योगिक ढांचा विकसित किया जा रहा है।

पश्चिमी समर्पित मालवहन गलियारे (डब्ल्यूडीएफसी) का करीब 39 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान से गुजरता है, जिससे प्रदेश की कनेक्टिविटी और औद्योगिक संभावनाओं को मजबूती मिल रही है। प्रवासी राजस्थानी दिवस की शुरुआत 8 दिसंबर को शेखावाटी हेरिटेज मीट से होगी। 9 दिसंबर को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सांस्कृतिक कार्यक्रम और 10 दिसंबर को जेईसीसी में मुख्य समारोह व छह क्षेत्रवार सत्र आयोजित होंगे।

संविधान की सर्वोच्चता और राष्ट्र प्रथम की भावना ही "सशक्त भारत" का आधार : प्रो. सारस्वत

राजस्थान विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर विशेष व्याख्यान आयोजित

जयपुर (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस पर "संविधान की आत्मा और भारत का भविष्य : लोकतांत्रिक मूल्यों से राष्ट्र निर्माण तक" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने की तथा मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय पुलिस सेवा के 2009 बैच के अधिकारी एवं जयपुर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. अजय सिंह राठौड़ उपस्थित रहे।

प्रो. सारस्वत ने कहा कि राष्ट्रहित, संविधान की सर्वोच्चता और नागरिक कर्तव्यों के प्रति निष्ठा प्रत्येक नागरिक का मूल दायित्व है। अधिकारों के साथ कर्तव्यों का निर्वहन और राष्ट्र प्रथम की भावना को आचरण में उतारकर ही सशक्त, समरस और विकसित भारत का निर्माण संभव है। डॉ. अजय सिंह राठौड़ ने कहा कि संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता पर आधारित लोकतांत्रिक जीवन का मार्गदर्शक है। कानून का शासन, प्रशासनिक निष्पक्षता, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा और पुलिस की जवाबदेही लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के संस्मरण साझा करते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता, अनुशासन और निरंतर परिश्रम का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि डॉ. राठौड इसी विभाग के पूर्व विद्यार्थी एवं शोधार्थी रहे हैं तथा उन्होंने यहीं से राजनीति विज्ञान में पीएचडी की है।



राजस्थान विश्वविद्यालय में गुरूवार को "संविधान की आत्मा और भारत का भविष्य : लोकतांत्रिक मूल्यों से राष्ट्र निर्माण तक" विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ।

- अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. अजय सिंह राठौड़ ने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों का महत्व बताया

विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। श्री श्रवण कुमार ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करवाया तथा कार्यक्रम का संचालन भी किया। आयोजन संयोजक डॉ. प्रियंका आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि हीरो हॉकी इंडिया लीग एक और सत्र के लिए लौट रही है। यह लीग भारतीय खिलाड़ियों के लिए दुनिया के कुछ बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का एक महत्वपूर्ण मंच रही है।
- सलीमा टेटे

भारतीय महिला हॉकी कप्तान, हॉकी इंडिया लीग को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



बेन स्टोक्स

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक बार फिर चर्चा का विषय बने 2018 के गेंद से छेड़छाड़ विवाद पर नाराजगी जताई है। बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के 2018 के गेंद से छेड़छाड़ विवाद पर खिलाड़ियों से सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप बंद करने की अपील की है। उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा में हुए खुलासों के बाद सैंडपेपरगेट फिर चर्चा में है। उन्होंने इस मामले से जुड़े खिलाड़ियों और अधिकारियों से सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर आरोप लगाने का सिलसिला बंद करने की अपील की है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 1983 और 2011 में वनडे विश्व कप, 2007, 2024 और 2026 में टी-20 विश्व कप तथा 2002, 2013 और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती।

क्राइस्टचर्च टेस्ट से पहले भारतीय गेंदबाजी कोच ने गेंदबाजों को हड़बड़ी से बचने की दी सलाह

सिराज मेरे लिये विश्वस्तरीय गेंदबाज : मोर्कल

क्राइस्टचर्च, 26 नवंबर। भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट से पहले अपनी टीम को गेंदबाजी में किसी तरह की 'बेचैनी' या हड़बड़ी से बचने की सलाह दी है। भारत के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जीवित रखने के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी है। हालांकि, मोर्कल ने खिलाड़ियों से बाहरी दबाव को नजरअंदाज करने और सत्र दर सत्र अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है।

मोर्कल ने प्री मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, सबसे पहले, एक टीम के रूप में हमें 'बेचैनी' शब्द को अच्छी तरह समझने की जरूरत है। मुझे 'बेचैनी' शब्द पसंद नहीं है क्योंकि इससे खिलाड़ी मैदान पर जरूरत से ज्यादा कोशिश करने लगते हैं और अपनी गेंदबाजी की सही दिशा से भटक जाते हैं। इसलिए मेरे लिए



यह महत्वपूर्ण है कि अगले सप्ताह हम बाहरी शोर और दबाव को पूरी तरह नजरअंदाज करें।

उन्होंने कहा, मैंने जितना देखा है, उसके अनुसार पिच फिर काफी हरी नजर आ रही है। मुझे लगता है कि वहां घास की परत थोड़ी लंबी है। हमें देखना होगा कि यह किस तरह खेलती है। उन्होंने कहा, गुरनूर लगातार टीम में जगह बनाने के करीब पहुंच रहा है। वह सभी सही चीजें कर रहा है। लेकिन खिलाड़ी के तौर पर चयन ऐसी चीज है, जिसे वह नियंत्रित नहीं कर सकता। उसे बस यह सुनिश्चित करना है कि मौका मिलने पर वह पूरी तरह तैयार रहे।

मोर्कल ने कंबोज का बचाव करते हुए कहा, सिर्फ उसके साथ ऐसा नहीं हुआ। न्यूजीलैंड की टीम को भी देखिए, उस पिच पर गेंदबाजों की गति कम थी। आप किसी खिलाड़ी को उसके पदार्पण टेस्ट के आधार पर भी नहीं आंक सकते। अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के दौरान खिलाड़ी कई तरह की भावनाओं और परिस्थितियों से गुजरता है। इसलिए हमें उस खिलाड़ी का समर्थन करना चाहिए, जो टीम के लिए कठिन काम कर रहा है और लंबे-लंबे स्पेल में गेंदबाजी कर रहा है। उसे उचित मौका दीजिए, पहले उसे कुछ मैच खेलने दीजिए और उसके बाद हम चर्चा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस समय किसी खिलाड़ी के बारे में राय बनाने के लिए अभी बहुत शुरुआती दौर है।

सिराज के बारे में मोर्कल ने कहा, मेरे हिसाब से वह अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। जिस दौर से वह गुजर रहा है, उसे देखते हुए मेरे लिए वह विश्वस्तरीय गेंदबाज है। कई बार फैसले लेना और चयन करना कठिन होता है और यह आसान नहीं है। उसके साथ मेरी बातचीत में मैंने उससे कहा कि देखो, हमें चीजों को थोड़ा पीछे जाकर समझने की जरूरत है। इस समय हम कहां हैं, हमें क्या सुधारने की जरूरत है और हम कहां बेहतर हो सकते हैं? चयन ऐसी चीज है, जिसे हम वास्तव में नियंत्रित नहीं कर सकते। यह सब अपनी जिम्मेदारी खुद लेने और उस पर अमल करने के बारे में है।

रन बनाने की राह पर लौटने का कोई जादुई नुस्खा नहीं : लैथम



क्राइस्टचर्च, 26 नवंबर। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने खराब फॉर्म से उबरने के लिए वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही है। उन्होंने माना कि रन बनाने की राह पर लौटने का कोई जादुई नुस्खा नहीं है और न्यूजीलैंड की पिचों पर ओपनिंग करना चुनौतीपूर्ण रहता है। लैथम अब कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में योगदान देकर टीम को जीत दिलाना चाहते हैं। मैच से पहले पत्रकारों से अपनी फॉर्म के बारे में बात करते हुए, लैथम ने कहा कि न्यूजीलैंड में ओपनिंग करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है और इसके लिए अच्छी तैयारी बहुत जरूरी है। हालांकि, तैयारी से अच्छे नतीजों की गारंटी नहीं मिलती। इसके बावजूद, लैथम ने अपनी तैयारी में कोई कमी नहीं आने दी है और वह बस वर्तमान पल पर ध्यान केंद्रित रखना चाहते हैं। क्रिकइन्फो के अनुसार, लैथम ने कहा कि जाहिर है, न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में ओपनिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हम क्रिकेट खेल रहे हैं, इसलिए हम चाहे कितनी भी अच्छी तैयारी कर लें और सब कुछ सही तरीके से कर लें, लेकिन मैदान पर उतरने के बाद अच्छे नतीजों की गारंटी नहीं होती। मेरी तैयारी वैसी ही है जैसी पिछले हफ्ते थी, और बात बस इतनी है कि आप उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहने की कोशिश करें।

ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत ने आईओसी के सामने रखा अपना दृष्टिकोण, अहमदाबाद की तैयारियों का दिया ब्यौरा



नई दिल्ली, 26 नवंबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दृष्टिकोण और प्रस्तावित रूपरेखा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के फ्यूचर होस्ट कमीशन के सामने प्रस्तुत की। गुरुवार को हुई ऑनलाइन प्रस्तुति में अहमदाबाद की तैयारियों, खेल बुनियादी ढांचे और भारत की मेजबानी संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस प्रस्तुति में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघुराम अय्यर और आईओए एथलीट आयोग की अध्यक्ष पीवी सिंधु ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। भारत की आईओसी सदस्य नीता अंबानी भी इस दौरान मौजूद रहीं। प्रस्तुति में अहमदाबाद की खेल संबंधी तैयारियों के साथ शहर, राज्य और केंद्र सरकार की ओर से मिल रहे सहयोग को प्रमुखता से रखा गया। इसके अलावा बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में भारत के अनुभव, प्रस्तावित खेल स्थलों के विकास और खेलों के आयोजन को लेकर दीर्घकालिक योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई। अहमदाबाद को भारत की प्रस्तावित मेजबानी योजना का केंद्र बताया गया। शहर में साल 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन होना है। ऐसे में विश्वस्तरीय खेल स्थलों और उनसे जुड़ी आधारभूत सुविधाओं का विकास 2036 ओलंपिक की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। इस बैठक में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के साथ केंद्र और गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। करीब आधे घंटे तक चली प्रस्तुति के बाद आईओसी के फ्यूचर होस्ट कमीशन और भारतीय प्रतिनिधिमंडल के बीच संवाद भी हुआ। इसमें खेलों की संभावित विरासत और प्रभाव, स्थानीय से राष्ट्रीय स्तर तक विकास योजनाओं के साथ तालमेल, खेल स्थलों की रूपरेखा, सरकारी सहयोग और वित्तीय रणनीति जैसे विषयों पर चर्चा हुई। भारत फिलहाल उन सात देशों में शामिल है, जो आईओसी के साथ निरंतर संवाद के चरण में हैं। इस प्रक्रिया के मार्च 2027 में रणनीतिक संवाद चरण में पहुंचने की उम्मीद है।

जयपुर में आज से शुरू होगी राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता

जयपुर, 26 नवंबर। राजस्थान वुशू संघ एवं जयपुर वुशू संघ के तत्वावधान में 27 से 30 नवंबर तक 20वीं सीनियर एवं सब जूनियर राज्य स्तरीय पुरुष एवं महिला वुशू प्रतियोगिता का आयोजन श्री जगमहल पैलेस, जयपुर में किया जाएगा। राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष एवं आयोजन अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के 24 जिलों से करीब 800 खिलाड़ी एवं अधिकारी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे। इसमें अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों के मुकाबले विशेष आकर्षण रहेंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन 27 नवंबर को मुख्य अतिथि राखी राठौड़ करेंगी। प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम का चयन किया जाएगा। आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सहवाग के छोटे बेटे वेदांत ने सात विकेट झटके

नई दिल्ली, 26 नवंबर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के छोटे बेटे वेदांत सहवाग ने कूच बिहार ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी की। 16 साल के राइट आर्म ऑफ स्पिनर वेदांत ने दिल्ली अंडर-19 की ओर से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ पहली पारी में 7 विकेट लिए। वेदांत की गेंदबाजी के सामने पंजाब की टीम पहली पारी में 238 रन पर सिमट गई। इस मुकाबले में वेदांत के बड़े भाई आर्यवीर सहवाग दिल्ली की कप्तानी कर रहे हैं। 19 साल के आर्यवीर ने 94 गेंद पर 31 रन बनाए।

पंजाब किंग्स में शामिल हुए हार्दिक, मुंबई इंडियंस छोड़ी

नई दिल्ली, 26 नवंबर। आईपीएल 2027 से पहले खिलाड़ियों की अदला-बदली ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। मुंबई इंडियंस के कप्तान रह चुके हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स की जर्सी में नजर आएंगे। हालांकि, मुंबई से उनके जाने से पहले राजस्थान रॉयल्स ने भी उन्हें अपनी टीम में शामिल करने की पूरी कोशिश की थी। लेकिन जोफ्रा आर्चर और यशस्वी जायसवाल को लेकर दोनों फ्रेंचाइजी के बीच सहमति नहीं बन सकी और यह सौदा आखिरी समय में टूट गया। मौजूद जानकारी के अनुसार, राजस्थान रॉयल्स हार्दिक को अपनी टीम में शामिल करने के लिए काफी गंभीर थी। टीम के मालिकों और क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने इस सिलसिले में बेंगलुरु पहुंचकर बातचीत भी की थी। राजस्थान को उम्मीद थी कि हार्दिक के आने से टीम को एक अनुभवी कप्तान और बेहतरीन हरफनमौला खिलाड़ी मिल जाएगा। लेकिन मुंबई इंडियंस ने इस सौदे में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भी शामिल करने की शर्त रख दी। मुंबई चाहती थी कि हार्दिक के बदले राजस्थान यशस्वी जायसवाल के साथ आर्चर को भी दे। हालांकि, राजस्थान ने इस शर्त को स्वीकार नहीं किया और बातचीत खत्म हो गई।

पंकज ने रचा इतिहास, क्रूसिबल कप जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली, 26 नवंबर। पंकज आडवाणी प्रतिष्ठित क्रूसिबल कप स्नूकर टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने ब्रिटेन के रीडिंग में स्नूकर 900 प्रारूप में खेले गए इस टूर्नामेंट के फाइनल में माल्टा के पूर्व पेशेवर खिलाड़ी टोनी ड्रैगो को 6-0 से हराया। मौजूदा विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन आडवाणी ने अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विश्व स्नूकर चैंपियन नील रॉबर्टसन को 5-2 से हराया। सके बाद भारतीय खिलाड़ी ने जो



पेरी को 5-1 से आसानी से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पेरी ने मौजूदा विश्व स्नूकर चैंपियन वू यिज़े को 5-0 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। एक अन्य सेमीफाइनल में ड्रैगो ने बड़ा उलटफेर करते हुए रॉनी ओसुलिवन को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। स्नूकर 900 प्रारूप में खिलाड़ियों को प्रत्येक शॉट 20 सेकंड के भीतर लेना होता है और प्रत्येक फ्रेम 15 मिनट का होता है। समय समाप्त होने पर जो खिलाड़ी आगे होता है, उसे विजेता घोषित किया जाता है। आडवाणी की इस जीत का मतलब यह भी है कि भारत 2027 में पहली बार क्रूसिबल कप मेजबानी करेगा।

महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी : मलेशिया की चुनौती से पार पाना चाहेगा भारत

भोपाल, 26 नवंबर। गत चैंपियन और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज भारतीय महिला हॉकी टीम शुक्रवार को मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 के सेमीफाइनल में मलेशिया का सामना करेगी। नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में होने वाले इस मुकाबले में भारतीय टीम लगातार पांच जीत के साथ लीग चरण में शीर्ष पर रहने के बाद अब फाइनल में जगह बनाने उतरेगी। घरेलू टीम की नजरें चौथी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने पर भी होंगी।

मुख्य कोच श्योर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारत ने टूर्नामेंट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए पांच मैचों में 15 अंक के साथ अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। गत चैंपियन टीम ने इस दौरान 23 गोल किए और केवल चार गोल खाए। उसका गोल अंतर प्लस 19 रहा। भोपाल में भारतीय टीम के अभियान में उसकी आक्रमण की गहराई और रक्षात्मक मजबूती प्रमुख रूप से सामने आई है। इसी प्रदर्शन के दम पर भारत अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ की विश्व रैंकिंग में अपने इतिहास के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंचा।

दीपिका टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली आक्रमण खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अब तक आठ गोल किए हैं और गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। इसमें थाईलैंड और चीन के खिलाफ उनकी हैट्रिक भी शामिल है। हालांकि, भारतीय टीम का आक्रमण केवल दीपिका पर निर्भर नहीं रहा है। ललरेमसियामी, नवनीत कौर, मुमताज खान, नेहा, साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मलेशिया की अंतिम मिनटों में गोल करने की क्षमता को देखते हुए भारतीय टीम को पूरे मुकाबले में अपनी रक्षात्मक व्यवस्था और तीव्रता बनाए रखनी होगी। भारत ने महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब 2016, 2023 और 2024 में जीता है। अब उसकी नजर चौथी बार चैंपियन बनने पर है। ऐसा करने पर भारत इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम बन जाएगा। भोपाल में शुरू हुए इस संस्करण से पहले भारत और दक्षिण कोरिया तीन-तीन बार खिताब जीतकर बराबरी पर थे। ऐसे में खिताब का बचाव भारतीय महिला हॉकी की बढ़ती प्रतिष्ठा में एक और उपलब्धि जोड़ सकता है। शुक्रवार को पहला सेमीफाइनल जापान और चीन के बीच भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे खेला जाएगा। इसके बाद भारत और मलेशिया की टीमें शाम 7 बजे आमने-सामने होंगी।

चोट के कारण बांग्लादेश दौरे से बाहर हुए तेज गेंदबाज कोएट्जी और मफाका

जोहानसबर्ग, 26 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश के आगामी सीमित ओवरों के दौरे से पहले बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी और क्वेना मफाका चोट के कारण वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीमों से बाहर हो गए हैं। कोएट्जी को नॉर्थ वेस्ट ड्रैगन्स के खिलाफ प्रथम श्रेणी सीरीज के मुकाबले में लायंस की ओर से खेलते हुए जांघ की मांसपेशियों में चोट लगी। उन्हें बांग्लादेश दौरे के वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय, दोनों चरणों के लिए टीम में चुना गया था। दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे मफाका को अभ्यास के दौरान फिर झटका लगा। इसके बाद उन्हें टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका ए की एकदिवसीय टीम से भी बाहर कर दिया गया है। इन बदलावों के बाद टियान वान वुरेन को पहली बार दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम में जगह मिली है। ईथन बॉश और बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले तेज गेंदबाज जेजे बासोन को टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा इंग्लैंड लायंस के खिलाफ सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका ए की टीम में बायांडा मोजोला और ओकुहले सेले को जगह दी गई है।

राजस्थान ने बंगाल को हराकर सैयत मुश्ताक अली ट्रॉफी की सुपर लीग में बनाई जगह

महिपाल लोमरोर और अभिजीत तोमर के आतिशी अर्धशतक, दीपक चाहर और अराफात खान की शानदार गेंदबाजी





जयपुर, 26 नवंबर। बीसीसीआई सीनियर सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बंगाल को हराकर सुपर लीग दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया। मुंबई में खेले गए मुकाबले में राजस्थान ने 157 रन बनाने वाली बंगाल की टीम को चार विकेट से हराया। राजस्थान की जीत में महिपाल लोमरोर (74) और अभिजीत तोमर (नाबाद 74) के शानदार अर्धशतकों के साथ दीपक चाहर और अराफात खान की बेहतरीन गेंदबाजी अहम रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल ने 9 विकेट पर 157 रन बनाए। शाकिर हबीब ने 69, करण लाल ने 28 और अभिमन्यु ईश्वरन ने 26 रन बनाए। राजस्थान की ओर से दीपक चाहर, अराफात खान और नीलेश टांक ने 3-3 विकेट हासिल किए। जवाब में राजस्थान की शुरुआत खराब रही और 37 रन पर तीन विकेट गिर गए। इसके बाद महिपाल लोमरोर और अभिजीत तोमर ने चौथे विकेट के लिए महज 66 गेंदों में 119 रन की तूफानी साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। महिपाल ने 35 गेंदों पर 5 चौके और 6 छक्कों की मदद से 74 रन बनाए, जबकि अभिजीत तोमर 52 गेंदों पर 8 चौके और 3 छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद रहे। कार्तिक शर्मा ने एक गेंद पर छक्का लगाकर नाबाद 6 रन बनाए। राजस्थान ने 4 विकेट पर 162 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

दैविक सोमानी के शतक से राजस्थान को पहली पारी में विशाल बढ़त



जयपुर, 26 नवंबर। बीसीसीआई अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में लखनऊ में राजस्थान और उत्तराखंड के बीच खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन राजस्थान ने पहली पारी में विशाल बढ़त हासिल कर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। राजस्थान ने दैविक सोमानी के शानदार शतक और तीन बल्लेबाजों के अर्धशतकों की मदद से पहली पारी में 438 रन बनाकर पारी घोषित की। उत्तराखंड की पहली पारी 215 रन पर सिमट गई थी। राजस्थान की ओर से लवमीत गुर्जर और हर्षित यादव ने 4-4 विकेट तथा आंजनेय शर्मा ने 2 विकेट लिए। जवाब में राजस्थान ने 9 विकेट पर 438 रन बनाकर पारी घोषित की। दैविक सोमानी ने 117 रन की शतकीय पारी खेली। सुशांत बसनेत ने 68, निश्छल शर्मा ने 65, आदित्य राज ने नाबाद 62 और वशिष्ठ शर्मा ने 51 रन बनाए। तविष शर्मा ने 34 रन का योगदान दिया। उत्तराखंड ने दूसरी पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट पर 34 रन बना लिए थे। राजस्थान की ओर से आदित्य राज ने 2 तथा आंजनेय शर्मा और हर्षित यादव ने 1-1 विकेट लिया। मुकाबले का तीसरा और अंतिम दिन शुक्रवार को खेला जाएगा।

रजत बघेल के शतक से राजस्थान की हिमाचल के खिलाफ मजबूत शुरुआत

कूच बिहार ट्रॉफी में अभय और आदित्य ने भी जड़े अर्धशतक





जयपुर, 26 नवंबर। बीसीसीआई अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी में राजस्थान ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पहले दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 320 रन बना लिए। अम्तर में गुरुवार से शुरू हुए मुकाबले में रजत बघेल ने शानदार शतक जमाया, जबकि अभय शर्मा और आदित्य भांभू ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान की टीम को रजत बघेल और आदित्य भांभू ने पहले विकेट के लिए 193 रन की शानदार साझेदारी कर मजबूत शुरुआत दिलाई। रजत बघेल ने 202 गेंदों पर 15 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 126 रन बनाए। आदित्य भांभू ने 163 गेंदों पर 7 चौकों की सहायता से 69 रन बनाए। अभय शर्मा ने 72 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की मदद से 53 रन की पारी खेली। कुशाग्र ओझा ने 32 रन बनाए, जबकि प्रखर शर्मा 18 और यथार्थ भारद्वाज 11 रन बनाकर नाबाद रहे। हिमाचल की ओर से नौनिहाल ने 3 और शिवम शर्मा ने 1 विकेट हासिल किया। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर राजस्थान का स्कोर 5 विकेट पर 320 रन था।

सारस्वत के अर्धशतक से एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी जीती

जयपुर, 26 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरुवार को खेले गए पूल-ए मुकाबले में एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी ने इम्पायर क्रिकेट एकेडमी को चार विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इम्पायर क्रिकेट एकेडमी की टीम राकेश ध्याना के 31, ध्रुव खंडेलवाल के 28 और विनीत शर्मा के 25 रनों की मदद से 14.5 ओवर में 128 रन पर सिमट गई। एक्सीलेंस की ओर से अमित शर्मा, सत्यनारायण और रजत जांगिड़ ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। जवाब में एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी ने मयंक सारस्वत की 63 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत 19.5 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मयंक ने 51 गेंदों पर चार चौके और चार छक्के लगाए।

बीडब्ल्यूएफ ने कनाडा को सौंपी विश्व चैम्पियनशिप 2027 की मेजबानी, 14 से 25 तक होंगे मैच

नई दिल्ली, 26 नवंबर। बैडमिंटन प्रेमियों के लिए 2027 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप कई मायनों में खास रहने वाली है। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने बुधवार को घोषणा की कि अगली विश्व चैंपियनशिप का आयोजन कनाडा के मिसिसॉगा शहर में 14 से 25 जुलाई 2027 तक किया जाएगा। इस बार टूर्नामेंट में सिर्फ मेजबान देश ही नहीं, बल्कि खेलके नियमों और मुकाबलों के तरीके में भी बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे ।

पाक के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए डिएंड्रा डॉटिन की वेस्टइंडीज टीम में वापसी

टी20 और वनडे सीरीज के लिए एक ही 15 सदस्यीय टीम घोषित, हेली मैथ्यूज संभालेंगी कप्तानी

नई दिल्ली, 26 नवंबर। वेस्टइंडीज की अनुभवी हरफनमौला खिलाड़ी डिएंड्रा डॉटिन पाकिस्तान के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों की टीम में लौट आई हैं। वेस्टइंडीज को इस सीरीज में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं। डॉटिन सितंबर में जिम्बाब्वे दौरे पर वेस्टइंडीज के पिछले अंतरराष्ट्रीय अभियान का हिस्सा नहीं थीं। उन्हें निजी कारणों से अवकाश दिया गया था। डॉटिन को चोट के कारण सीरीज से बाहर हुईं ऑफ स्पिनर अशमिनी मुनिसार की जगह टीम में शामिल किया गया है। बाकी टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वेस्टइंडीज ने दोनों प्रारूपों के लिए एक ही 15 सदस्यीय टीम चुनी है।

आईपीएल नीलामी में तौहीद हृदोय समेत 11 बांग्लादेशी क्रिकेटर, शाकिब और मुस्तफिजुर ने बनाई दूरी

नई दिल्ली, 26 नवंबर। आईपीएल की आगामी नीलामी में इस बार बांग्लादेश के 11 क्रिकेटरों ने अपना नाम दर्ज कराया है, लेकिन पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन और तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान इस सूची से गायब हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच जारी तनाव के बीच इन दोनों खिलाड़ियों का नीलामी के लिए नाम नहीं देना चर्चा का विषय बन गया है। खास बात यह है कि पिछले साल मुस्तफिजुर रहमान को लेकर आईपीएल में विवाद हुआ था और उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। शुरुआती सूची में बांग्लादेश के बल्लेबाज तौहीद हृदोय सबसे प्रमुख नाम हैं। वह इन दिनों अच्छी लय में बल्लेबाजी कर रहे हैं और अपनी जगह बनाने की कोशिश में हैं। उनके अलावा हसन महमूद, परवेज हुसैन इमोन, रिपोन मंडल, रिशाद हुसैन, सैफ हसन, शाक महेदी हसन, शमीम हुसैन, शरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब और तस्कीन अहमद ने भी नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। आईपीएल की 16 दिसंबर को होने वाली नीलामी के लिए बांग्लादेश के 11 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। हालांकि, पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन और तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान सूची में शामिल नहीं हैं। भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव और पिछले साल मुस्तफिजुर को कोलकाता नाइट राइडर्स से हटाए जाने के बाद इन खिलाड़ियों की मौजूदगी पर खास नजर रहेगी।



विमल एरियन अचीवर्स ने जगत पोलो को 8-2.5 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया

जयपुर, 26 नवंबर। जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत आयोजित 'द ग्वालियर कप' (6 गोल) टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में टीम विमल एरियन अचीवर्स ने शानदार जीत दर्ज करते हुए टीम जगत पोलो को 8-2.5 गोल से हरा दिया। मुकाबला गुरुवार को पीपीसी ग्राउंड पर खेला गया। विजेता टीम की ओर से ध्रुवपाल गोदारा और क्रिस ल्यूक ने 3-3 गोल किए, जबकि साविर मेहराज गोदारा और रणवीर सहारण ने 1-1 गोल का योगदान दिया। जगत पोलो की ओर से फेडे बौउडू ने 2 गोल किए। जगत पोलो को मुकाबले में आधे गोल का एडवांटेज मिला था।

आज दूसरा सेमीफाइनल - टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल शुक्रवार, 27 नवंबर को टीम रामबाग/स्वराज और टीम जयपुर के बीच दोपहर 2 बजे से आरपीसी ग्राउंड पर खेला जाएगा।

हॉकी इंडिया लीग का नया सत्र जनवरी के पहले सप्ताह से, खिलाड़ियों की नीलामी 7 दिसंबर को

पुरुष टीमों के लिए 4 करोड़ और महिला टीमों के लिए 2 करोड़ रुपये की वेतन सीमा तय

नई दिल्ली, 26 नवंबर। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को हीरो हॉकी इंडिया लीग 2026-27 सत्र की प्रमुख तारीखों और कार्यक्रम की घोषणा कर दी। प्रतियोगिता जनवरी 2027 के पहले सप्ताह में शुरू होगी। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 7 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। नए सत्र के लिए टीमों के गठन की दिशा में यह अगला बड़ा कदम होगा। आगामी सत्र में पुरुष वर्ग में छह और महिला वर्ग में चार फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। लीग के माध्यम से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतिभाओं को प्रमुख मंच उपलब्ध कराने की परंपरा जारी रहेगी। तैयारियां तेज होने के साथ ही फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों के आपसी आदान-प्रदान और उन्हें टीम में बनाए रखने की प्रक्रिया पूरी करेंगी। इसके बाद उनका ध्यान नीलामी पर होगा। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, फ्रेंचाइजी को अपने प्रस्तावित खिलाड़ी आदान-प्रदान की जानकारी 29 नवंबर 2026 तक सीधे संबंधित फ्रेंचाइजी को देनी होगी। आधिकारिक ट्रेडिंग विंडो 29 नवंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजे खुलेगी और 2 दिसंबर को सुबह 10 बजे बंद होगी। इसके बाद फ्रेंचाइजी को 2 दिसंबर को दोपहर 12 बजे तक खिलाड़ियों को स्थायी रूप से टीम से रिलीज करने की जानकारी हीरो हॉकी इंडिया लीग को देनी होगी और अपनी अंतिम टीम सूची जमा करनी होगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : मुंबई की लगातार छठी जीत, पुडुचेरी और हरियाणा ने आखिरी ओवर में दर्ज की जीत

नई दिल्ली, 26 नवंबर। मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए उत्तराखंड को 86 रन से हरा दिया। मुशीर खान के 40 गेंदों पर 65 रन की पारी ने मुंबई को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। हार्दिक तामोरे ने 14 गेंदों पर 39 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को शुरुआती गति दी, जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 51 रन बनाए। मुंबई की टीम अंतिम ओवर में 209 रन बनाकर ऑलआउट हुई। उत्तराखंड की ओर से रविंदर नेगी और जगदीशा सुचित ने त

कांग्रेस ने बाबा साहब को उनके जीवनकाल में सम्मान नहीं दिया- भजनलाल

''संविधान गौरव दिवस'' पर भाजपा की संगोष्ठी को मुख्यमंत्री के साथ केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह व प्रदेश अध्यक्ष ने संबोधित किया

जयपुर, 26 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक संविधान की भावना के विपरीत कार्य करते हुए संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को कमजोर किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब डॉ. अंबेडकर को उनके जीवनकाल में वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे अधिकारी थे। वर्ष 1951-52 और 1954 के चुनावों में उन्हें हराने का पाप किया। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब से जुड़े पंचतीर्थों का विकास

- डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि बाबा साहब के विचारों को आयोजनों तक सीमित न रख कर नई पीढ़ी तक पहुँचाया जाना चाहिए।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संविधान गौरव दिवस पर बाबा साहब के जीवन के स्मरणों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, दिया कुमारी व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे।

किया गया और उनके जीवन, संघर्ष एवं विचारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई गई।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से ''संविधान गौरव दिवस'' के अवसर पर कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित संगोष्ठी में केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का स्मरण करते हुए, संविधान के मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और सामाजिक न्याय के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में बाबा साहब के जीवन के संस्मरणों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने संविधान गौरव दिवस संगोष्ठी में कहा कि देशभर में मनाया जा रहा संविधान गौरव दिवस बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति भाजपा और उसके विचार परिवार की श्रद्धा, सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि बाबा साहब के विचारों और संविधान के मूल्यों को केवल आयोजनों तक सीमित न रखकर, नई पीढ़ी तक पहुँचाया जाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में दिन-रात मेहनत कर देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक संविधान दिया।

भारत ने 25-26 में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन किया

नई दिल्ली, 26 नवंबर। भारतीय कृषि क्षेत्र ने एक बार फिर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देश में वर्ष 2025-26 के दौरान खाद्यान्न उत्पादन 3785.38 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले वर्ष के मुकाबले 208.06 लाख टन अधिक है।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री

- देश में इस अवधि में 3785.38 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ, जो पिछले वर्ष से 208.06 लाख टन अधिक है।
- वर्ष 2025-26 में चावल का उत्पादन बढ़ कर 1551.54 लाख टन हुआ

शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को नई दिल्ली में पत्रकार वार्ता में वर्ष 2025-26 की प्रमुख कृषि फसलों के अंतिम उत्पादन अनुमान और वर्ष 2026-27 के खरीफ सीजन के प्रथम अग्रिम अनुमान जारी किए।

कृषि मंत्री द्वारा जारी अंतिम अनुमानों के मुताबिक चावल उत्पादन में भी नया रिकॉर्ड बना है। वर्ष 2025-26 में चावल का उत्पादन बढ़ कर 1551.54 लाख टन पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 49.70 लाख टन अधिक है। वहीं गेहूं का उत्पादन 1220.64 लाख टन रहा, जो पिछले वर्ष से 41.19 लाख टन ज्यादा है।

सेंट्रल पार्क में ''स्पोर्ट्स एरीना'' बनाने के जेडीए के निर्णय पर रोक की मांग

- जेडीए द्वारा आमंत्रित 5 करोड़ रु. की निविदा के विरोध में हाईकोर्ट में याचिका दायर।

जयपुर, 26 नवम्बर (कासं)। स्टेच्यू सर्किल स्थित सेंट्रल पार्क के लिलिपूल क्षेत्र में 5 वर्ष के लिए एक निजी पार्टी को ''स्पोर्ट्स एरिना'' (खेलकूद की जगह) बनाने के लिए जेडीए द्वारा 5 करोड़ रु. की निविदा आमंत्रित करने का मामला राजस्थान हाईकोर्ट में पहुंचा। इसके मुताबिक करीब 7663 वर्ग मीटर जमीन पर यह ''स्पोर्ट्स एरिना'' बनाया जाना प्रस्तावित है।

याचिकाकर्ता विजय सिंह पूनियां और विनय बापना ने अपनी जनहित याचिका में कहा है कि वे अधिवक्ता हैं और जयपुर के पर्यावरण संरक्षण मुहिम से जुड़े हैं तथा सेंट्रल पार्क में प्रतिदिन वॉक के लिए जाते हैं। उनका कहना है कि जेडीए द्वारा आमंत्रित निविदा, हाईकोर्ट की खंडपीठ द्वारा वर्ष 2001 में दिए गए आदेश का सीधा उल्लंघन हैं, क्योंकि अदालत ने आदेश दिया था कि रामबाग कॉम्पलेक्स में एक पार्क हो, एक गोल्फ कोर्स व पोलो ग्राउंड हो। इस आदेश में यह भी तय किया गया था कि पार्क की कुल 175.50 एकड़ जमीन में से 63.65 एकड़ जमीन पार्क के लिए आरक्षित होगी, जबकि शेष भूमि पर खेलकूद से जुड़ी गतिविधियां हो सकेंगी।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सेंट्रल पार्क का लिलिपूल एरिया, जो काफी कानूनी विवादों के बाद सेंट्रल पार्क में जोड़ा गया है, पर विभिन्न दुर्लभ पक्षियों की प्रजातियां भी हैं, इसलिए यहां पेड़ों को हटाकर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाने की निविदा खारिज की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जेडीए स्वयं सेंट्रल पार्क में खेलकूद से संबंधित किसी भी तरह की गतिविधियों पर पाबंदी लगाता है।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश तथा जेडीए के नियमों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेंट्रल पार्क के नजदीक ही एसएमएस स्टेडियम हैं, जहां पर कई तरह के खेलों से जुड़ी गतिविधियां होती हैं। ऐसे में यहां एक और स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाया जाना कतई उचित नहीं है।

याचिककर्ताओं ने मामले के निस्तारण तक जेडीए की निविदा पर अंतरिम रोक लगाने की मांग भी अदालत के समक्ष रखी है। इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ बापना ने पैरवी की।

क्या जेनसेन हुआंग की वापसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

माना जाता है कि डॉनल्ड ट्रंप ने जेन्सेन की वापसी से जुड़े कुछ ही सौदों में 15 मिलियन डॉलर का शुद्ध लाभ कमाया। बहरहाल, एनवीडिया कई वर्षों से सफलतापूर्वक काम कर रही है और आपात स्थितियों से निपटने के लिए भी व्यवस्थाएं की गई हैं।

एक आलोचक ने सवाल उठाया है कि यदि किसी कंपनी का सीईओ तेज रफ्तार बस की चपेट में आ जाए, तो उस बड़ी और महत्वपूर्ण कंपनी तथा उसके भविष्य का क्या होगा? यह कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और निदेशक मंडल की एक बड़ी नाकामी है कि उन्होंने किसी अप्रत्याशित दुर्घटना की स्थिति में नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने के लिए कोई उत्तराधिकार योजना (सक्सैशन प्लान) तैयार नहीं की थी।

यह अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की कार्यक्षमता और इस बात पर नजर रखने की उनकी क्षमता पर भी सवाल उठाता है कि चीनी जासूस किस तरह कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों जैसे महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों से संपर्क बनाकर उच्च तकनीक वाले उत्पादों की जानकारी चुरा सकते हैं। जेन्सेन का उस महिला जासूस के साथ संबंध कई वर्षों तक सबके सामने बना रहा, और बाद में जाकर यह पूरा मामला सामने आया।

कई मायनों में एनवीडिया से जुड़ा यह मामला एक मील का पत्थर है। कंपनी ने बिना ज्यादा सोचे-समझे अपनी सबसे गोपनीय तकनीक चीनियों को खुशी-खुशी सौंप दी थी। अब खबरों के मुताबिक, चीनी इंटरनेट सेवाओं पर जेन्सेन हुआंग से जुड़े घटनाक्रमों की कहानियां छाई हुई हैं। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों को डर है कि इतनी बड़ी और चर्चित गलती के बाद कंपनी के भविष्य पर संकट के बादल छा सकते हैं।

यूपी में रोचक ''पोस्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया है। साथ ही अखिलेश यादव की प्रस्तावित अयोध्या यात्रा पर भी सवाल उठाए गए हैं।

वहीं, समाजवादी पार्टी के होर्डिंग्स पर यह संदेश दिया जा रहा है : ''जो बुलडोजर लेकर आए थे, वे साइकिल पर जाएंगे।'' इसके जरिए योगी सरकार की बुलडोजर कार्रवाई पर निशाना साधा गया है। साथ ही, पार्टी अपने पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूले का भी प्रचार कर रही है। इसके लिए लिखा गया है, ''रास्ता ब्राह्मण दिखाएंगे, केवट पार लगाएंगे।'' सपा ने पोस्टरों के जरिए एनडीए के सहयोगी दलों के बीच मतभेदों पर भी निशाना साधा है। इन पोस्टरों में सहयोगी दलों के नेताओं को आपस में लड़ते हुए दिखाया गया है।

कांग्रेस भी इस पोस्टर वार में शामिल हो गई है। उनके बैनरों में दावा किया गया है कि ''200 सीटें हमारा हक हैं।'' इन पोस्टरों में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और प्रदेश के नेताओं की तस्वीरें भी हैं। सपा और कांग्रेस, दोनों का ही आरोप है कि इनमें से कुछ पोस्टर भाजपा की ओर से तैयार किए गए ''फर्जी'' पोस्टर हैं, जिनका मकसद सीटों के बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में आपसी मतभेद पैदा करना है।

''सामाजिक परिवर्तन मोर्चा'' के बैनर तले , चंद्रशेखर आज़ाद की ''आज़ाद समाज पार्टी'' के साथ गठबंधन करने वाली एआईएमआईएम भी पोस्टर वॉर का निशाना बनी हुई है। रायबरेली जैसी जगहों पर लगे होर्डिंग्स में इस नए मोर्चे को भाजपा की ''बी टीम'' बताया गया है, जिसके जवाब में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। एआईएमआईएम ने सपा और कांग्रेस के बीच हाल में हुई बयानबाजी का फायदा उठाया है और खुद को मुस्लिम और दलित मतदाताओं के लिए एक वैकल्पिक राजनीतिक आवाज के रूप में पेश कर रही है। वहीं, बसपा के पोस्टरों में ''दोहरे चरित्र वाले'' लोगों से सावधान रहने की चेतावनी दी जा रही है।

असि. प्रोफेसर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, आरपीएससी की ओर से परिणाम जारी करने पर लगी रोक को हटाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया, जिसमें कहा गया कि सामान्य ज्ञान का प्रश्न पत्र सभी विषयों में समान होने के चलते सभी विषयों के 992 पदों पर भर्ती बाधित हो गई है। भर्ती लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर आयोजित की गई थी। लिखित परीक्षा के बाद अंक सार्वजनिक करने से इसकी गोपनीयता भंग होती है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट भी तय कर चुका है कि चयन प्रक्रिया पूरी होने से पहले लिखित परीक्षा के अंक सार्वजनिक नहीं किए जा सकते। ऐसे में परिणाम जारी करने पर लगी रोक को हटाया जाए। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने रोक को हटाते हुए याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया में शामिल कर परिणाम को याचिका के अधीन रखा है।

आबकारी घोटाले में केजरीवाल को बरी करने को हाईकोर्ट में चुनौती

सीबीआई ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने फैसला देते समय अहम् सबूतों को नज़रअंदाज किया

- जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने मामले की सुनवाई 9 और 10 दिसम्बर को करने का आदेश दिया।

नई दिल्ली, 26 नवंबर। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल समेत, 23 आरोपियों को बरी करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए कहा है कि ट्रायल कोर्ट के आदेश में अहम सबूतों को नजरअंदाज किया गया था।

जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 9 और 10 दिसंबर को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के 27 फरवरी के आरोपमुक्ति आदेश को रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जिसे शुरुआती स्तर पर ही खारिज कर दिया जाए। सीबीआई ने कहा कि आपराधिक साजिश के पर्याप्त सबूत रिकॉर्ड पर मौजूद हैं और इस मामले को शुरुआती स्तर पर खारिज नहीं किया जा सकता। सीबीआई ने कहा कि आरोप तय करने के चरण में ट्रायल कोर्ट ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर सबूतों का मूल्यांकन किया और एक तरह से मिनी ट्रायल चलाया।

उच्च न्यायालय ने 9 मार्च को केजरीवाल समेत सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया था। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट की ओर से सीबीआई पर की गई प्रतिकूल टिप्पणियों पर रोक लगा दी थी। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया था कि वे दिल्ली आबकारी घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले की आगे सुनवाई नहीं करे।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को सभी आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया था। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में काफी विरोधाभास है। न्यायालय ने कहा कि हजारों पेजों की चार्जशीट में पेश किये गए तथ्य गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते। राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में मनीष सिसोदिया करीब 530 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल दो बार के अंतराल में 156 दिन जेल में रहे। केजरीवाल 13 सितंबर 2024 को तब रिहा हुए, जब उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई के मामले में जमानत दी।

भाजपा 25 दिसम्बर सेवादूत अभियान चलायेगी

नई दिल्ली, 26 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में 1 दिसंबर से 25 दिसंबर 2026 तक 'सेवा दूत अभियान' चलाएगी।

25 दिन तक चलने वाले इस राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान का समापन 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के अवसर पर होगा। यह दिन पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के रूप में मनाया जाता है।

अभियान के तहत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और चयनित कार्यकर्ताओं को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में 25 दिनों के लिए जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इन्हें 'सेवा दूत' या 'विस्तारक' के रूप में तैनात किया जाएगा। ये कार्यकर्ता संबंधित विधानसभा क्षेत्र में रहकर जमीनी स्तर पर लोगों से संपर्क करेंगे।

पुलिस पीसीआर में शराब पार्टी करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई, शराब पीने वालों की पहचान हुई

जयपुर, 26 नवम्बर। राजधानी में पुलिस की पीसीआर वैन में शराब पार्टी करने और फिल्मी गाने पर रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में पुलिस ने पांच युवकों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 13 सितंबर 2026 को एसएमएस अस्पताल थाना क्षेत्र स्थित सवाना बार के बाहर सरकारी पुलिस वाहन में बैठकर शराब पार्टी करते हुए वीडियो बनाया था।

- पुलिस के अनुसार,13 सितम्बर 2026 को एसएमएस थाना क्षेत्र के सवाना बार के बाहर पुलिस की पीसीआर वैन में शराब पीने की वीडियो बनाई गई। दो युवक वैन में बैठकर पी रहे थे व उनके साथी सड़क पर शराब पीते हुए वीडियो बना रहे थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि वीडियो वायरल होने के बाद मामले की जांच करवाई गई। सवाना बार संचालक से पूछताछ के आधार पर वीडियो में दिखाई दे रहे पांच युवकों की पहचान भव्य खंडेलवाल, आशुतोष चक्रवर्ती, गोपाल, मृणाल और अमन जैन के रूप में हुई। पुलिस ने पांचों के खिलाफ एसएमएस अस्पताल थाने में मामला दर्ज किया है।

वायरल वीडियो में दो युवक पुलिस की नीली पीसीआर वैन के अंदर बैठकर शराब पीते नजर आ रहे हैं, जबकि उनके साथी सड़क पर शराब पीते हुए वीडियो बना रहे हैं। वाहन में लाल-नीली बत्ती और वायरलेस सिस्टम भी दिखाई दे रहा है। वीडियो के साथ आशुतोष नाम के युवक के लिये जन्मदिन की बधाई का संदेश भी था।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 356(2) व 356(3), आईटी एक्ट की धारा 66 और पीडीपीपी एक्ट की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया है। जांच मोती डूंगरी थाना प्रभारी निरीक्षक मोहनलाल को सौंपी गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

डीसीपी रंजिता शर्मा ने बताया कि वीडियो में दिखाई दे रहा वाहन नंबर एसएमएस थाने की पीसीआर वैन से मेल खाता है, हालांकि वर्तमान में थाने में दूसरी पीसीआर वैन संचालित है। वीडियो कब बनाया गया और सरकारी वाहन युवकों तक कैसे पहुंचा, इसकी भी जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी पुलिसकर्मी की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आप से भाजपा में आए सांसदों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके अलावा, अशोक मित्तल को जालंधर, लुधियाना और होशियारपुर लोकसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली हिंदू बहुल 14 विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजिंदर गुप्ता को लुधियाना लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बाकी विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा ने इन सांसदों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली विधानसभा सीटों पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत लगा दें। उन्हें यह भी बता दिया गया है कि पार्टी में उनकी भविष्य की भूमिका उन विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी, जिनकी जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है।इन सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में चुनाव प्रबंधन, बूथ स्तर के कामकाज, प्रचार के प्रमुख मुद्दों और सोशल मीडिया के जरिए प्रचार पर ध्यान देने को कहा गया है। उन्हें चुनाव प्रचार की सामग्री और अन्य जरूरी संसाधनों की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी भी दी गई है।

कवरेज के दौरान 7 पत्रकारों के साथ पुलिस दुर्व्यवहार की जांच होगी

नई दिल्ली, 26 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अक्टूबर में हुए विरोध प्रदर्शन की कवरेज के दौरान, केरल के सात पत्रकारों के साथ कथित पुलिस दुर्व्यवहार और अवैध हिरासत के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले को पूर्व जज जस्टिस सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली समिति को सौंपा है, जिसके समक्ष पत्रकारों को अपने साक्ष्य पेश करने होंगे।

- सर्वोच्च न्यायालय ने पूर्व जस्टिस सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली समिति को जांच सौंपी।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि वह प्रदर्शन और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों को कवर करने वाले पत्रकारों के अधिकारों से जुड़े व्यापक कानूनी सवालों पर भी विचार करेगा। जस्टिस बागची ने कहा कि विचार करने योग्य एक सवाल यह भी है कि क्या प्रदर्शनों को कवर करते समय पत्रकारों को कोई विशेष या अलग तरह का संरक्षण प्राप्त होता है या ऐसी स्थितियों में उनके अधिकार भी आम जनता के अधिकारों की तरह ही तय होते हैं।

भू-रूपांतरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मांग रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने सत्यापन के बाद अभियुक्त को बीस हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

यह पाकिस्तानी सेना का रहस्यमय ''मेज़र जनरल'' कौन है?

26/11 के पाकिस्तान के आतंकवादी हमले में आतंकवादियों को ''ट्रेनिंग'' देने में इसकी अहम् भूमिका थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 नवम्बर। मुंबई में हुए 26/11 के आतंकी हमलों को 18 साल हो चुके हैं। इस भीषण हमले में पाकिस्तान की सेना और आईएसआई की भूमिका पूरी तरह साबित हो चुकी है, लेकिन इस साजिश में शामिल एक रहस्यमय व्यक्ति अब भी पर्दे के पीछे बना हुआ है।

- 32 पाकिस्तानियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई है भारत में। सभी प्रशिक्षकों की शनाख्त की जा चुकी है। पर, 2009 में दाखिल चार्जशीट में अभी इस मेजर जनरल की पहचान नहीं हो पाई है।
- आतंकवादी कसाब ने अपने इकबालिया बयान में भी मेजर जनरल की अहम् भूमिका का विस्तार से वर्णन किया है, पर, इस मेजर जनरल की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है।

इस अज्ञात अधिकारी, जिसे केवल उसके पद (रैंक) से पहचाना जाता है, का जिक्र 26/11 से जुड़े आरोपपत्रों (चार्जशीट) और मुकदमे के दस्तावेजों में बार-बार सामने आता है।

उसकी पहचान ''आरोपी नंबर 20 : मेजर जनरल साहब - नाम अज्ञात'' के रूप में दर्ज है। 2009 के आरोप पत्र में शामिल पाकिस्तान के 32 लोगों में से वह एकमात्र ऐसा व्यक्ति है, जिसकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है।

जीवित पकड़े गए एकमात्र आतंकवादी अजमल कसाब ने पूछताछ के दौरान विस्तार से बताया था कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई पर हमला करने वाले 10 आतंकवादियों को प्रशिक्षण देने में ''मेजर जनरल साहब'' की क्या भूमिका थी।

कसाब और डेविड हेडली के बयानों के आधार पर तैयार किये गए एनआईए के आरोपपत्र (चार्जशीट) में पाकिस्तान सेना के कई अधिकारियों के नाम शामिल किए गए थे। इनमें मेजर जनरल मुहम्मद खालिद राव, स्पेशल कम्युनिकेशंस ऑर्गनाइज़ेशन (एससीओ) के कर्नल सादातुल्लाह, मेजर इकबाल और उनके वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल हमज़ा शामिल थे। लेकिन ''मेजर जनरल साहब'' की पहचान अब भी रहस्य बनी हुई है।

इस मेजर जनरल की कोई तस्वीर या स्कैच भी उपलब्ध नहीं है। उसकी पहचान से जुड़ा एकमात्र सुराग कसाब की पुलिस पूछताछ रिपोर्ट में मिलता है।

मुंबई पुलिस को दिए अपने बयान में कसाब ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और पाकिस्तान सेना की ओर से दिए गए प्रशिक्षण के अलग-अलग स्तरों के बारे में विस्तार से बताया था। उसके बयान में ''मेजर जनरल साहब'' नाम के उस रहस्यमय व्यक्ति का भी जिक्र था, जो मुज़फ्फराबाद स्थित लश्कर के प्रशिक्षण शिविर में आया करता था।

कसाब ने पूछताछ करने वालों को बताया, था, ''प्रशिक्षण के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति भी वहां मौजूद था। उस समय हाफिज़ सईद और लखवी वहां आए और उस अज्ञात व्यक्ति से मिले तथा उसे गले लगाया। इसके बाद से उसे ''मेजर जनरल'' कहा जाने लगा। ''मेजर जनरल'' ने आठ सप्ताह तक चले उस प्रशिक्षण की निगरानी की, जिसने हमें ''पक्का जिहादी'' बना दिया।

कसाब के अनुसार, अगस्त 2008 में ''मेजर जनरल'' एक बार फिर लश्कर के प्रशिक्षण शिविर में आया था। वह वहां भर्ती किए गए लोगों को ''प्रेरित-प्रोत्साहित करने'' आया था। उसने कसाब से यह भी पूछा था कि क्या उसे तैरना आता है।

कसाब ने बताया, ''मेजर जनरल इस शिविर में आया और सईद तथा लखवी को गले लगाने के बाद, उन्हें अलग ले जाकर उनसे अकेले में बातचीत की। जब तीनों वापस लौटे, तो लखवी ने कहा कि मेजर जनरल हमारी तैयारी की परीक्षा लेना चाहते हैं। मेजर जनरल ने हाफिज़ सईद से कहा, ''सईद साहब, आप टारगैट लगवाइए।'' सईद ने प्रशिक्षण के कमांडर से 10 टारगैट लगाने को कहा और फिर बोला, ''जब मैं गोली चलाने के लिए कहूं, तो तुम सभी एक-एक गोली चलाना और जब मैं गोली चलाने के लिए दो बार कहूं, तो तेजी से लगातार गोलियां चलाना।'' इशारा मिलते ही, सभी 10 आतंकवादियों ने गोली चलाईं और निशाने पर वार किये।''

कसाब ने यह भी बताया कि ड्रिल के बाद मेजर जनरल ने उसकी पीठ थपथपाई थी।

ज्ञातव्य है कि 26 नवंबर की रात जब 10 आतंकवादियों ने इस महानगर के चुनिंदा ठिकानों पर हमला किया था, तब 26 विदेशियों सहित, 170 से अधिक लोग मारे गए थे। आतंकियों ने दो पांच सितारा होटलों में बहुत से लोगों को 60 घंटे तक बंधक बनाकर भी रखा था।

असम में घुसपैठ करते 13 बांग्लादेशी पकड़े गये

बंगाईगाव (असम), 26 नवम्बर। असम के जोगीघोपा में पुलिस ने अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिकों के जिले में प्रवेश करने की सूचना के आधार पर, बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। यह विशेष अभियान गुरुवार की तड़के जोगीघोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नारायण सेतु पर चलाया गया। बंगाईगांव जिला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नोमल महतो ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पुलिस को सूत्रों से सूचना मिली थी कि सीमावर्ती राज्यों से कुछ संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक जिले में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908